THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 210 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.6 2081 मंगलवार, 22 अक्टूबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कश्मीर हमला-लश्कर के संगठन टीआरएफ ने ली जिम्मेदारी

श्रीनगर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में रविवार देर रात हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि टीआरएफ चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड था। गांदरबल के गगनगीर इलाके में श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे की टनल कंस्ट्रक्शन साइट पर आतंकियों ने फायरिंग की। हमले में बड़गाम के डॉक्टर शहनवाज मीर और पंजाब-बिहार के 6 मजदूरों की जान चली गई। हमले के बाद गांदरबल और गगनगीर के जंगलों में रात से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह ऑपरेशन अभी भी जारी है। सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं और अब नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी (एनआईए) भी पहुंच गई है।

ज्यादा बच्चे पैदा करें : चंद्रबाबू

> जिनके 2 से ज्यादा बच्चे > भविष्य में वही चुनाव लड़ेंगे > आंध्र में कई जिले ऐसे जहां सिर्फ बुजुर्ग

अमरावती, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायुडू ने कहा कि राज्य में लोगों की बढ़ती औसत उम्र चिंता का विषय है। परिवारों को कम से कम दो या उससे ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए। आने वाले समय में जिनके दो या उससे ज्यादा बच्चे होंगे, वहीं स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पाएंगे। राज्य सरकार इसके लिए जल्द ही कानून बनाएगी।

नायुडू ने आगे कहा कि आंध्र प्रदेश के कई जिले ऐसे हैं, जहां गांवों में सिर्फ बुजुर्ग ही बचे हैं। साउथ के राज्यों में फर्टिलिटी रेट लगातार गिरता जा रहा है। देश में औसत प्रजनन दर जहां 2.1 है, वहीं साउथ स्टेट्स में यह आंकड़ा गिरकर 1.6 तक पहुंच गया है। सीएम ने कहा, पहले वह पॉपुलेशन कंट्रोल की बात करते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

बूढ़ा हो रहा भारत, युवा आबादी घट रही :
केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के मुताबिक 2036 तक देश की 34.55 करोड़ आबादी ही युवा होगी, जो अभी 47 प्रतिशत से ज्यादा है। अभी देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं। अगले 15 साल में यह और तेजी से गिरेगी।

2036 तक आबादी में 12 प्रतिशत से ज्यादा होंगे बुजुर्ग :
संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 की मानें तो 2011 में भारत में युवा आबादी की औसत उम्र 24 साल थी, जो अब 29 साल हो गई है। 2036 तक भारत में बुजुर्ग जनसंख्या का 12.5 प्रतिशत, 2050 तक 19.4 प्रतिशत तो सदी के अंत तक 36 प्रतिशत होंगे।

क्या होती है फर्टिलिटी रेट :
नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-5) के मुताबिक, भारत में हर महिला औसतन दो या उससे ज्यादा बच्चे को जन्म देती है। हालांकि, इनमें से कई बच्चे ऐसे हैं जो 18 साल तक जीवित नहीं रहते। वहीं कुछ महिलाएं बच्चे पैदा नहीं कर पातीं। फिलहाल नेशनल लेवल पर 2.1 फर्टिलिटी रेट होना चिंताजनक नहीं है। यह इस बात का संकेत देता है कि एक जेनरेशन दूसरी जेनरेशन को बदल सकती है। यदि किसी देश का टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) लंबे समय तक 2.1 से नीचे गिरती है, तो यह आम तौर पर जनसंख्या में गिरावट का संकेत देता है।

2036 में भारत की आबादी 152 करोड़ होगी

भारत की जनसंख्या साल 2036 में 152.2 करोड़ तक हो सकती है। इसको लेकर सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय ने 12 अगस्त को एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया गया था कि सेक्स रेशो 2036 तक प्रति 1000 पुरुषों पर 952 महिलाओं तक पहुंचने की उम्मीद है। 2011 की जनगणना में यह आंकड़ा 943 था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जनसंख्या में महिलाओं के प्रतिशत में भी थोड़ा-बहुत सुधार देखने को मिल सकता है।

साल 2036 में महिलाओं का प्रतिशत बढ़कर 48.8 प्रतिशत होने की उम्मीद है। 2011 में यह 48.5 प्रतिशत था। फर्टिलिटी रेट में गिरावट के चलते 15 साल से कम उम्र के लोगों का रेशो साल 2011 के मुकाबले साल 2036 में घटने का अनुमान है। इस दौरान 60 साल और उससे ज्यादा उम्र की जनसंख्या का रेशो में काफी तेजी से बढ़ेगा।

मोदी बोले-लोग पूछते हैं इतनी मेहनत क्यों करते हो

> इसका एक ही जवाब है, जो सपना देखा है उसमें चैन है, न आराम

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भारत के सपनों को साकार करने के लिए उनके पास आराम का समय नहीं है। पीएम ने कहा, मैं कई लोगों से मिलता हूं जो मुझसे कहते हैं कि भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, इतने सारे मील के पत्थर हासिल किए गए हैं। फिर आप इतनी मेहनत क्यों कर रहे हैं?

मोदी ने कहा, इसका एक ही जवाब है कि हमने जो सपने देखे हैं, जो संकल्प लिए हैं, उसमें न चैन है, न ही आराम। आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। यह युवा क्षमता हमें आसमान तक ले जा सकती है। दरअसल पीएम मोदी ने ये बातें सोमवार (21 अक्टूबर) को वर्ल्ड समिट को संबोधित करते हुए कहीं।

मोदी बोले- भारत अब लुक फॉरवर्ड अप्रोच से आगे बढ़ रहा :
प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत अब 'लुक फॉरवर्ड' अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा है। यह परंपरा रही है कि हर सरकार अपने काम की तुलना पिछली सरकार के काम से करती है। हम भी इसी रास्ते पर चलते थे, लेकिन अब हम अतीत और वर्तमान की तुलना करके खुश नहीं रह सकते। अब से सफलता का पैमाना यह होगा कि हम क्या हासिल करना चाहते हैं। भारत के पास अब दूरदर्शी दृष्टिकोण है। 2047 तक विकसित भारत का विजन इसी मानसिकता का हिस्सा है।

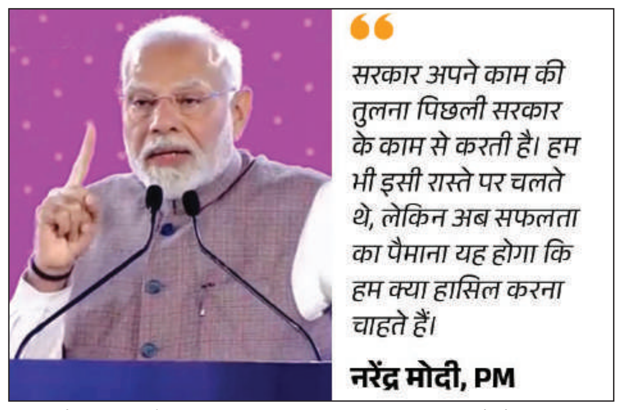

मोदी बोले- दुनिया के पास एक एआई, भारत के पास दो :
मोदी ने कहा, आज भारत के पास एडवांटेज है, जो इस सदी को भारत की सदी बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आप सब जानते हैं कि ये एआई का दौर है। दुनिया का वर्तमान और भविष्य एआई से जुड़ा हुआ है। लेकिन भारत के पास डबल एआई पावर की एडवांटेज है। 21वीं सदी का ये समय मानव इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण समय है। ऐसे में आज के युग की बड़ी जरूरतें हैं- स्थिरता, सततता और समाधान ये मानवता के बेहतर भविष्य के लिए सबसे जरूरी शर्तें हैं। और भारत आज यही प्रयास कर रहा है।

विमानों में बम की धमकी के मामले में केंद्र सख्त

कानून में बदलाव की तैयारी, कठोर सजा के साथ जुर्माने का होगा नियम

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश भर की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला पिछले कई हफ्तों से जारी है। रविवार को भी 25 विमानों में बम होने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद 25 विमानों में बम होने की धमकी दी गई। इन धमकियों को लेकर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक आरएस भट्टी और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के महानिदेशक जुल्फिकार हसन ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस बैठक के दौरान गृह मंत्रालय को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर धमकी भरे फर्जी कॉल के बारे में अवगत कराया गया। केंद्र सरकार इस मामले में सख्त हो गई। उन्होंने कानून में बदलाव करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही अपराधी को जुर्माने के साथ सजा भी दी जाएगी। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायुडू किंजरापु ने विमानों को बम से उड़ाने की धमकी पर बात की। उन्होंने कहा, अगर आवश्यक हुआ तो हमने मंत्रालय की तरफ से कुछ विधायी कार्रवाई के बारे में सोचा है। हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि ऐसे दो क्षेत्र हैं जिन पर हम काम कर सकते हैं। 1. विमान सुरक्षा नियमों में संशोधन। एन नियमों को बदलकर हम जो करना चाहते हैं, वह यह है कि अपराधी जब पकड़ा जाएगा तो हम उन्हें नो-फ्लाइंग सूची में डालना चाहते हैं। 2. नागरिक उड्डयन सुरक्षा अधिनियम के विरूद्ध गैरकानूनी कार्यों को खत्म करना।

अगर आस्था है, तो भगवान रास्ता निकालेंगे : सीजेआई

पुणे, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि अगर आस्था हो तो ईश्वर कोई भी रास्ता निकाल देते हैं। राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए मैंने भी ईश्वर से प्रार्थना की थी।

दरअसल, सीजेआई पुणे के खेड़ तालुका में अपने पैतृक गांव कन्हेरसर में लोगों को संबोधित कर रहे थे। जहां उन्होंने 2019 को सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से जुड़ा किस्सा शेयर किया। तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली 5 जजों की बेंच ने 9 नवंबर, 2019 को राम मंदिर-बाबरी विवाद का निपटारा किया था। सीजेआई उसी बेंच का हिस्सा थे। बेंच ने यह फैसला भी सुनाया था कि अयोध्या में ही वैकल्पिक पांच एकड़ के भूखंड पर मस्जिद बनाई जाएगी। सीजेआई ने कहा, अक्सर हमारे पास फैसलों के लिए मामले आते हैं, लेकिन हम किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाते। अयोध्या के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ। केस 3 महीने तक मेरे सामने था। मैं ईश्वर के सामने बैठा और कहा कि आपको समाधान ढूंढना होगा। मेरा यकीन करें, यदि आपको भरोसा है, तो ईश्वर ही कोई रास्ता निकाल देंगे। 6 अगस्त से 16 अक्टूबर तक इस मामले पर 40 दिन सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

एलएसी पर पेट्रोलिंग को लेकर भारत-चीन के बीच बनी सहमति

> विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर पेट्रोलिंग को लेकर एक नई सहमति बनी है। विदेश मंत्रालय ने इसको लेकर बयान जारी किया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि पिछले कई हफ्तों से भारत और चीन के बीच राजनयिक और सैन्य स्तर पर वार्ता हो रही थी। उन्होंने कहा कि चीन के साथ हमारा मुद्दों पर समझौता हुआ है। सैनिकों की वापसी और स्थिति के समाधान के लिए पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है।

विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान :
वहीं पत्रकारों ने द्विपक्षीय वार्ता पर सवाल पूछा। इसके जवाब में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि हम अभी भी समय के अनुरूप काम कर रहे हैं। विदेश सचिव ने कहा, पिछले कई हफ्तों में हुई चर्चाओं के कारण भारत-चीन सीमा क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पेट्रोलिंग व्यवस्था पर एक सहमति बनी है। 2020 में इन क्षेत्रों में जो मुद्दे उठे थे, उनका समाधान हो रहा है। सीमा पर मुद्दों को सुलझाने के लिए भारतीय और चीनी वार्ताकार पिछले कुछ हफ्तों से संपर्क में हैं। कथित तौर पर यह समझौता देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों में पेट्रोलिंग व्यवस्था से संबंधित है। पूर्वी लद्दाख सीमा पर 2020 में हुई झड़प के बाद से चीन और भारत दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। इसके कारण ही गलवान में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे और बड़ी संख्या में चीनी सैनिकों की भी मौत हुई थी।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे पीएम मोदी
भारत के लिए यह बड़ी सफलता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर पीएम मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कल कज़ान के लिए रवाना होंगे। ब्रिक्स के इस सेशन का विषय वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना है। भारत ब्रिक्स के लिए बहुत महत्व रखता है और इसके योगदान ने आर्थिक विकास और वैश्विक शासन सुधार जैसे क्षेत्रों में ब्रिक्स प्रयासों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रज्वल रेवन्ना की जमानत अर्जी खारिज

बेंगलूरू, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट से दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के आरोपी जनता दल (एस) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। प्रज्वल रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न के तीन मामले दर्ज हैं। इसके अलावा उन पर कई महिलाओं से दुष्कर्म का भी आरोप है।

पूर्व सांसद के खिलाफ मामले दर्ज होने के बाद जेडी-एस ने उन्हें पार्टी से भी निलंबित कर दिया था। दरअसल प्रज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। उन्होंने इस साल हासन से एनडीए उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले सोशल मीडिया पर कई अश्लील वीडियो वायरल हुए थे। प्रज्वल पर ये भी आरोप हैं कि वे महिलाओं का यौन शौषण करते वक्त खुद ही वीडियो रिकॉर्ड करते थे और बाद में रिकॉर्डिंग दिखाकर महिलाओं को ब्लैकमेल कर बार-बार उनका शोषण करते थे।

गौरी लंकेश हत्याकांड के आरोपी को शिवसेना शिंदे गुट में पद देने पर लगी रोक, एनसीपी ने किया कटाक्ष

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जालना में शिवसेना शिंदे में शामिल हुए पत्रकार गौरी लंकेश हत्याकांड के आरोपी श्रीकांत पंगारकर को पद देने पर रोक लगा दी गई है। इसे लेकर एनसीपी ने शिवसेना शिंदे गुट पर कटाक्ष किया है। एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि पार्टी में शामिल हुए आरोपी को केवल चुनाव होने तक पद से हटाया गया है। चुनाव के बाद शिवसेना शिंदे गुट में गुंडों को शामिल किया जाएगा। दरअसल, पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या के आरोपी श्रीकांत पंगारकर ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव से पहले जालना में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना का दामन थाम लिया था। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी नेता और पूर्व राज्य मंत्री अर्जुन खोतकर की मौजूदगी में पंगारकर को पार्टी को सदस्यता दिलाई गई थी। इसके बाद मुख्यमंत्री और शिवसेना शिंदे के गुट के प्रमुख एकनाथ शिंदे ने रविवार को श्रीकांत पंगारकर को जालना इकाई में पार्टी में कोई भी पद देने पर रोक लगा दी।

मदरसे बंद करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मदरसों को लेकर दो फैसले दिए। पहला- केंद्र और राज्य सरकारों के सरकारी मदरसों को बंद करने के फैसले पर रोक लगा दी। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने 7 जून और 25 जून को राज्यों को इससे संबंधित सिफारिश की थी। केंद्र ने इसका समर्थन करते हुए राज्यों से इस पर एक्शन लेने को कहा था।

दूसरा-कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकार के उस आदेश पर भी रोक लगाई, जिसमें मदरसों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को सरकारी स्कूल में ट्रांसफर करना था। इसमें गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के साथ-साथ सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों में पढ़ने वाले गैर-मुस्लिम स्टूडेंट्स शामिल हैं। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने केंद्र सरकार, एनसीपीसीआर और सभी राज्यों को नोटिस जारी कर 4 हफ्ते के भीतर जवाब मांगा।

> गुजरात यूनिवर्सिटी मानहानि केस

केजरीवाल की याचिका खारिज

समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, पीएम की डिग्री को फर्जी बताया था

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने सोमवार को कहा संजय सिंह के खिलाफ भी इसी केस से जुड़ी याचिका लगाई गई थी, जो 8 अप्रैल को खारिज कर दी गई थी। हमें इस याचिका को लेकर भी एक जैसी अप्रोच रखनी होगी। दरअसल, अरविंद केजरीवाल और आप नेता संजय सिंह ने मार्च 2023 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीएम मोदी की डिग्री को लेकर सवाल उठाए थे। ये डिग्रियां गुजरात यूनिवर्सिटी से जारी की गई थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद गुजरात यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार ने केजरीवाल और संजय सिंह के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया था, जिसे लेकर अहमदाबाद की निचली अदालत ने केजरीवाल को समन भेजकर कोर्ट में पेश होने के लिए कहा था। समन के खिलाफ केजरीवाल गुजरात हाईकोर्ट पहुंचे थे, जहां उनकी याचिका खारिज हो गई थी। इसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट रुख किया था, जहां से आज उनकी याचिका खारिज हो गई। गुजरात यूनिवर्सिटी ने केस दर्ज कराते हुए कहा था कि केजरीवाल और संजय सिंह ने यूनिवर्सिटी की छवि खराब करने की कोशिश की है।

कर्नाटक सरकार को गिराने के लिए 1000 करोड़ रुपये जुटा रहे एचडी कुमारस्वामी, प्रियांक खड़गे का दावा

बेंगलूरू, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने सोमवार को जद (एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि कुमारस्वामी और भाजपा दोनों एक-एक हजार करोड़ रुपये एकत्र कर रहे हैं, ताकि राज्य सरकार को गिराया जा सके।

खड़गे ने कहा, (भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल) यतनाल का बयान सही साबित हुआ है कि राज्य सरकार को गिराने के लिए 1000 करोड़ रुपये एकत्र किए जा रहे हैं। भाजपा 1000 करोड़ रुपये एकत्र कर रही है और कुमारस्वामी भी 1000 करोड़ रुपये एकत्र कर रहे हैं। जद (एस) के एक पदाधिकारी ने परसों क्या आरोप लगाया था? उसने पचास करोड़ रुपये की मांग की गई है। कुमारस्वामी के खिलाफ जबरन वसूली के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। क्या वह मुख्यमंत्री बनने के लिए यह सारा पैसा इकट्ठा कर रहे हैं? केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे की ओर से बिरथी सुरेश पर लगाए गए आरोपों पर भी प्रियांक खड़गे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, शोभा करंदलाजे को थोड़ा और जिम्मेदार होना चाहिए। वह एक केंद्रीय मंत्री हैं। वह बिरथी सुरेश पर सबूत मिटाने का आरोप लगा रही हैं। यह गंभीर आरोप हैं। उनके पास क्या सबूत हैं? क्या वह वहीं महिला नहीं है, जिन्होंने परेश मेस्ता के बारे में बात की थी? केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की फोरेंसिक रिपोर्ट का विरोध किसने किया? उस समय वह झूठ बोलने वाली साबित हुईं थीं। अब भी वह ऐसा ही कर रही हैं। खड़गे ने पत्रकारों से कहा, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप उनसे सवाल करें कि परेश मेस्ता की फोरेंसिक रिपोर्ट पर उनका क्या रुख है। भाजपा को हिट एंड रन की आदत हो गई है। वे जन्मजात झूठे हैं।

बेंगलूरू में गड्ढों की समस्या पर मंत्री ने कहा कि इस साल असामान्य बारिश हुई है, जो आगे भी जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार लगातार बारिश के कारण बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री ने बीबीएमपी ने बेंगलूरू में गड्ढों को भरने और नालियों को साफ करने की एक स्पष्ट योजना बनाई है।

पुलिस स्मृति दिवस : गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

मुंबई में सीएम शिंदे के किया नमन

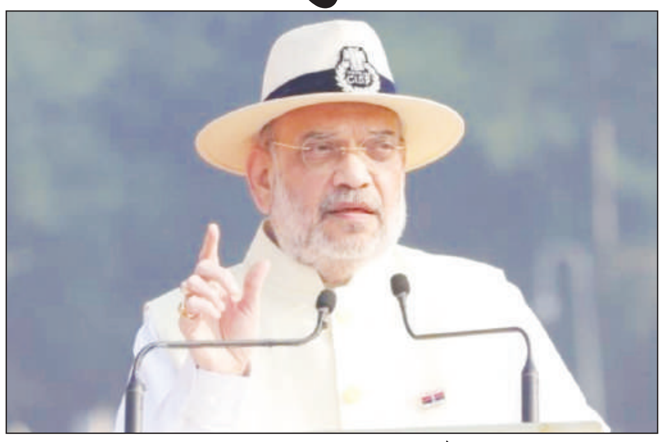

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस पर ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सभी पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने देश के लिए पुलिसकर्मियों की तरफ से दिए गए सभी बलिदानों के लिए उनके प्रति कृतज्ञता जताते कहा कि यह एक ऐसा अवसर है जो भारत को सुरक्षित रखने के लिए उनके और उनके परिवारों की तरफ से किए गए असीम बलिदानों का सम्मान करता है।

'सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर जवानों को नमन'

इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि आज मुझे यहां अमर जवानों को पुष्पांजलि अर्पित करने का मौका मिला है। यही जवान हमारी सीमाओं को सुरक्षित रखते हैं। -50 से +50 डिग्री तापमान में सीमाओं की सुरक्षा करते हैं, उन्होंने जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, उनके परिजनों को भी श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूं। वहीं उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, पुलिस स्मृति दिवस पर, मैं अपने कर्तव्य के दौरान अपने सर्वोच्च बलिदान से अमर हुए हमारे शहीदों को नमन करता हूं।

1959 में चीनी सैनिकों ने किया था हमला

बता दें कि 21 अक्टूबर, 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों की तरफ से किए गए हमले के दौरान दस पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे। तब से, हर साल 21 अक्टूबर को इन शहीदों और ड्यूटी के दौरान शहीद हुए अन्य सभी पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। वहीं दिल्ली में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अब तक 36,468 पुलिसकर्मियों ने दी शहादत

इस मौके पर दिल्ली में इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका ने कहा, आज पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर हम सभी उन बहादुर पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए हैं जिन्होंने पिछले साल देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। 21 अक्टूबर 1959 को 10 बहादुर सीआरपीएफ जवानों ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उस दिन से हम हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं।

आखिर किसने किया था बम ब्लास्ट?

रोहिणी धमाके में नया खुलासा पुलिस ने मांगी टेलीग्राम से डिटेल

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के रोहिणी में ब्लास्ट के बाद देर रात पाकिस्तान से चलने वाले टेलीग्राम चैनलों पर बम धमाकों के पीछे खालिस्तानी आतंकियों के हाथ होने का दावा किया जा रहा है, देर रात पाकिस्तान से चलने वाले टेलीग्राम चैनल पर इस धमाके में खालिस्तानी उग्रवादियों के शामिल होने का दावा किया गया है, टेलीग्राम चैनल 'जस्टिस लीग इंडिया' पर सीसीटीवी फुटेज डालकर बम धमाके का दावा किया गया है, उसके बाद इस मैसेज को पाकिस्तान से चलने वाले कई टेलीग्राम चैनल पर सर्कुलेट किया गया है, दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने टेलीग्राम मैसेंजर को पत्र लिखकर टेलीग्राम चैनल जस्टिस लीग इंडिया के बारे में जानकारी मांगी है। प्रशांत विहार, रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के बाहर रविवार को हुए धमाके के बाद चैनल पर धमाके की सीसीटीवी फुटेज के साथ घटना पर एक पोस्ट शेयर की गई थी। पुलिस अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी जानकारी मांग रही है। टेलीग्राम ने अभी तक दिल्ली पुलिस को कोई जवाब नहीं दिया है। जांच जारी है, धमाके के सिलसिले में अभी तक किसी संगठन का नाम सामने नहीं आया है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है

दिल्ली में सीआरपीएफ स्कूल के पास धमाका

राष्ट्रीय राजधानी के रोहिणी इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के स्कूल के पास भीषण धमाका हुआ। धमाका इतना तेज था कि उसकी आवाज दो किलोमीटर दूर तक सुनी गई और आसपास के क्षेत्रों में 10 मिनट तक धुआं छाया रहा। कई गाड़ियों और दुकानों के शीशे टूट गए। गनीमत रही कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। स्फिोट के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) समेत केंद्रीय एजेंसियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

खबरें जरा हटके

'शुरू हो चुका है विनाश', और भी मुश्किल होगा 2025 !

बाबा वेंगा और नास्त्रेदमस ने की थी भविष्यवाणी

बाबा वेंगा और नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों को काफी हद सटीक माना जाता है क्योंकि उनकी सैकड़ों साल पहले कही गई बातें हूबहू सच साबित हो रही हैं. ऐसे में साल 2025 को लेकर एक बार फिर चिंता गहरा रही है. आने वाले साल 2025 को दोनों ही भविष्य वक्ताओं ने विनाश का साल कहा था. फ्रेंच एस्ट्रोलॉजर नास्त्रेदमस ने कहा था कि साल 2025 में विनाश ही विनाश होगा और इसका सेंटर यूरोप का मध्य हिस्सा बनेगा. वहीं बल्गेरियन मिस्टिक बाबा वेंगा ने भी कुछ ऐसा ही कहा था और विनाशकारी युद्ध की चेतावनी दी थी. चूंकि इस वक्त दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध चल रहा है और इसके खत्म होने के आसार नहीं हैं, ऐसे में उनकी भविष्यवाणी सही होती हुई नज़र आ रही है. फ्रेंच भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस की मौत 1566 में हुई थी. उनकी भविष्यवाणियों को उनकी किताब में संकलित किया गया था और इसे 450 साल पहले रिलीज़ किया गया था. इस किताब में हिटलर की तानाशाही, अमेरिकन प्रेसिडेंट जॉन एफ केनेडी की हत्या लेकर कोरोना महामारी तक के बारे में बताया गया था. इसी किताब में लिखा है कि यूरोप की ज़मीन के लोग एक क्रूर युद्ध करेंगे. उन्होंने कहा था प्लेग की महामारी इस तरह फैलेगी कि ये दुश्मन से भी ज्यादा खतरनाक होगी. बल्गेरियन रहस्यमयी भविष्यवक्ता बाबा वेंगा ने भी कुछ ऐसा ही कहा था. उनके मुताबिक साल 2025 विश्व के लिए कयामत का साल होगा और बहुत विनाश होगा. इसके अलावा उन्होंने इसी साल में एलियंस के धरती पर आने और टेलीपैथी के परफेक्शन का दावा किया था. अच्छी बात ये है कि नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी के मुताबिक रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत हो जाएगा क्योंकि दोनों सेनाएं थक जाएंगी. हालांकि ज्वालामुखी फूटने और ब्राज़ील में भयानक बाढ़ आने का भी दावा किया गया था.

जमीन की खुदाई में मिला पुराना घड़ा, फिर अंदर से निकला 'गड़ा धन'

देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में आर्कियोलॉजिस्ट की टीम अक्सर जमीन की खुदाई करती रहती है, ताकि प्राचीन ऐतिहासिक धरोहरों का पता लगा सकें. इस चक्कर में कई बार उन्हें सोने-हीरे के खादान भी मिल जाते हैं, तो कई बार प्राचीन धरोहरें और उस दौर में रहने वाले लोगों की जानकारी मिलती है. हालांकि, आर्कियोलॉजिस्ट की टीम से अलग कई बार आम लोगों को भी ऐसे खजाने अनजाने में मिल जाते हैं. इसी से जुड़ा एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक शख्स जमीन की खुदाई कर रहा होता है, तभी उसे एक पुराना घड़ा दिखाई देने लगता है. वो तुरंत सावधानी के साथ उस घड़े को बाहर निकालता है, तो अंदर से गड़ा हुआ धन दिखने लगता है. यह किसी खजाने से कम नहीं है. शख्स की किस्मत एक झटके में ही चमक गई. वायरल हो रहे इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक शख्स पहले जमीन की खुदाई कर रहा होता है. उसे अचानक जब पुराना घड़ा दिखता है, तो वह हाथों में छोटी सी कन्नी (करनी) लेकर मिट्टी को हटाने लगता है. घड़ा काफी पुराना दिख रहा है, जो मिट्टी में धंसा हुआ है. शख्स हार नहीं मानता. वो मिट्टी को लगातार हटाता जा रहा है. शख्स ने पूरी घटना का वीडियो भी बनाया. अपने हेलमेट में भी गोप्रो कैमरा लगा लिया था, ताकि सारी चीजों की रिकॉर्डिंग होती रहे. जैसे ही घड़ा बाहर आता है, उसके ऊपर काफी मिट्टी रहती है. हाथों से वो घड़े को बाहर की तरफ खींचता है और मिट्टी को हटाने लगता है. तभी अंदर एक बर्तन में काफी पुराने सिक्के नजर आने लगते हैं. साथ ही कई अन्य चीजें भी हैं.

एक अनोखा मंदिर, जहां है इंसान जितनी बड़ी मछली की समाधि-इसके चमत्कार से हैरान रह जाते थे लोग

मछली की समाधि...क्या आपने कभी देखी है? मन में सवाल आएगा कि भला कोई मछली की समाधि बनाएगा ही क्यों. लेकिन यूपी के एक मंदिर में ऐसा है. लोग आज भी इस समाधि की पूजा करते हैं. दरअसल, हम बात कर रहे हैं यूपी के मऊ जनपद में मोहम्मदाबाद गोहना के किशुन दास बाबा मंदिर की. इसी मंदिर परिसर में सालों पहले एक मछली की समाधि बनाई गई थी.

इंसान जितनी बड़ी मछली!

मंदिर के पुजारी राम ज्ञान दास बताते हैं कि इस मंदिर में लोग मन्नत मांगते हैं. मन्नत पूरी होने पर लोग यहां एक घंटा बांधते हैं. लगभग 150 वर्ष पूर्व एक तालाब में एक मछली रहती थी. जो मनुष्य जितनी बड़ी थी. तालाब से कुछ ही दूरी पर बने एक मंदिर पर एक पुजारी रहते थे, जिन्हें इस मछली से काफी लगाव था. इसी मछली की समाधि इस मंदिर में बनी है. उस मछली की यह विशेषता थी कि जब भी कभी मंदिर में किसी भी प्रकार की पूजा होती थी, तो वह मछली पानी से बाहर आ जाती थी. जब तक पूजा पाठ होता था तब तक मछली पानी के बाहर ही बैठी रहती थी. पूजा-पाठ समाप्त होने के बाद वह पानी के अंदर चली जाती थी. इसी तरह एक दिन मंदिर में कोई यज्ञ हो रहा था और वह मछली तालाब से निकल कर के बाहर सड़क पार करते हुए मंदिर में जा रही थी. तभी किसी वाहन ने उस मछली को टक्कर मार दी, जिससे मछली की मौत हो गई. इसके बाद पूरे रीति रिवाजों के साथ इस मंदिर में समाधि बनाई गई. जहां आज भी लोग पूजा पाठ करते हैं. आज भी इस तालाब से कोई भी व्यक्ति मछली नहीं खा पाता है. क्योंकि जो भी इस तालाब से मछलियों को मार कर घर ले जाते हैं, घर पहुंचते-पहुंचते उन मछलियों में कीड़े पड़ जाते हैं.

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के आरोपियों की पुलिस हिरासत बढ़ी

कोर्ट ने 25 अक्तूबर तक रिमांड पर भेजा

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों की पुलिस हिरासत एस्प्लेनेड कोर्ट ने बढ़ा दी है। कोर्ट ने आरोपी गुरमेल सिंह, धर्मराज कश्यप, प्रवीण लोनकर और हरीश कुमार को 25 अक्तूबर तक पुलिस हिरासत में भेजा है। मुंबई पुलिस ने चारों आरोपियों को रिमांड खत्म होने के बाद सोमवार को कोर्ट में पेश किया था। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी को 12 अक्तूबर की रात उनके बेटे और कांग्रेस नेता जीशान सिद्दीकी के ऑफिस से बाहर निकलने के दौरान गोली मारी गई थी। जिसके बाद लीलावती अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

हत्याकांड में सबसे पहले आरोपी गुरमेल सिंह और धर्मराज कश्यप को सबसे पहले पकड़ा गया था। इसके बाद हत्याकांड की साजिश रचने वाले आरोपी शुभम लोनकर के भाई प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया गया। कुछ दिन बाद एक और आरोपी हरीश कुमार को पकड़ा गया। एस्प्लेनेड कोर्ट ने चारों आरोपियों को 20 अक्तूबर तक पुलिस हिरासत में भेजा था। सोमवार को पुलिस रिमांड समाप्त होने पर पुलिस चारों आरोपियों को लेकर कोर्ट पहुंची। कोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए चारों आरोपियों की पुलिस रिमांड 25 अक्तूबर तक बढ़ा दी। वहीं बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुंबई पुलिस अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं हत्याकांड के मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम, शुभम लोनकर और मोहम्मद जीशान अख्तर फिलहाल फरार हैं।

'कश्मीर पाकिस्तान नहीं बनेगा, नहीं बनेगा, नहीं बनेगा'

गांदरबल आतंकी हमले को लेकर पाक पर भड़के फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के गांदरबल में रविवार को हुए आतंकी हमले मे सात लोगों की मौत हुई है. इस आतंकी हमले के बाद जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान की जमकर आलोचना की. फारूक अब्दुल्ला ने गांदरबल आतंकी हमले पर कहा कि ये बहुत ही दर्दनाक वाकया है. कई गरीब मजदूर जो अपनी कमाई के लिए कश्मीर आते हैं. उन बेचारों को इन दरिंदों ने कल शहीद कर दिया. इसके साथ ही हमारे एक डॉक्टर साहब जो लोगों की खिदमत करते हैं, वो भी अपनी जान खो बैठे. अब बताइए, मुझे कि इन दरिंदों को मिलेगा क्या? क्या वो समझते हैं कि इससे यहां पाकिस्तान बनेगा?

फारूक ने कहा कि हम कई सालों से देख रहे हैं कि वे लोग यहां आ रहे हैं. हम कोशिश कर रहे हैं कि ये मामला खत्म हो. हम लोग आगे बढ़ें. हम मुश्किल हालातों से निकल सकें. मैं पाकिस्तान के हुक्मरानों से कहना चाहता हूं कि अगर वे सचमुच हिंदुस्तान से दोस्ती चाहते हैं तो ये बंद कीजिए. कश्मीर, पाकिस्तान नहीं बनेगा. नहीं बनेगा, नहीं बनेगा. उन्होंने कहा कि हमें मेहरबानी करके इज्जत से रहने दीजिए, तरक्की करने दीजिए. कब तक आप हमले करते रहेंगे? 1947 से आपने शुरू किया. बेगुनाहों को मरवाया. क्या पाकिस्तान बना? जब ये 75 साल में पाकिस्तान नहीं बना तो आज कैसे बनेगा. अल्लाह के वास्ते अपने मुल्क की तरफ देखिए और हम लोगों को अपने खुदा के पास छोड़ दीजिए. हम अपनी तकदीर बनाना चाहते हैं. हम गरीबों को दूर करना चाहते हैं. अगर यही चलता रहा तो हम लोग कैसे आगे बढ़ेंगे?

कहां और कैसे हुआ था हमला?

जम्मू कश्मीर के गांदरबल में आतंकियों के कायराना हमले में सात लोगों की मौत हुई है. मरने वालों में एक स्थानीय डॉक्टर और टनल पर काम करने वाले 6 कर्मचारी शामिल हैं. मरने वालों में पांच लोग गैर-स्थानीय हैं, जिनमें 2 अधिकारी वर्ग और 3 श्रमिक वर्ग के हैं. इस मामले की जांच को लेकर एनआईए की टीम भी गांदरबल पहुंचेगी. इस अटैक में 5 वर्कर गंभीर रूप से घायल हो गये हैं, जिन्हें इलाज के लिये श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसकेएमएस) रेफर किया गया है. हमला गांदरबल जिले के सोनमर्ग में हुआ है. हमले के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है. अटैक को अंजाम देने वाले आतंकियों की तलाश की जा रही है. आतंकी हमले में 6 लोगों की तो मौके पर ही मौत हो गई थी और एक ने अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में दम तोड़ दिया.

पीडब्ल्यूडी बोला-केजरीवाल के घर में 5.6 करोड़ रुपये के 80 पर्दे

› 15 करोड़ रुपये की सैनेटरी फिटिंग › भाजपा बोली-12 लाख रुपये का स्मार्ट टॉयलेट गायब

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के 6 फ्लैग स्टाफ रोड बंगला खाली करने के बाद पीडब्ल्यूडी की ओर से इन्वेंट्री लिस्ट (सामान की सूची) रविवार को जारी की गई। इसमें बताया गया है कि केजरीवाल के घर में बॉडी सेंसर और रिमोट कंट्रोल सिस्टम वाले कुल 80 पर्दे लगे थे। इन पर्दों की कीमत 4 करोड़ से 5.6 करोड़ रुपए थी। साथ ही बाथरूम में 15 करोड़ रुपए की वाटर सप्लाई और सैनेटरी फिटिंग की गई थी। इसके अलावा लिस्ट में किचन और बाथरूम के भी लाखों करोड़ों की कीमत वाले सामान का जिक्र है। लिस्ट जारी होने के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा-सीएम आवास में फुली ऑटोमैटिक सेंसर वाली स्मार्ट टॉयलेट सीट लगाई गई थी। इसमें आटोमैटिक ओपन-क्लोज सीट, हीटेड सीट, वायरलेस रिमोट डियोडोराइजर और आटोमैटिक फ्लशिंग जैसी सुविधाएं थीं। इसकी कीमत 10-12 लाख रुपए के बीच थी। यह सीट अब गायब है। इसके साथ ही कई करोड़ रुपए की लागत का सजावटी सामान भी गायब है। दरअसल, केजरीवाल 6 फ्लैग स्टाफ रोड के बंगले में 9 साल तक रहे। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने 4 अक्टूबर को यह बंगला खाली किया था।

भाजपा नेता बोले-केजरीवाल महाराजाओं की तरह सुख भोग रहे थे

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि लंबे समय से भाजपा यह मांग कर रही है कि सीएम आवास की जानकारी मीडिया के सामने लाई जाए और आज जो इन्वेंट्री लिस्ट (सामान की सूची) सामने आई है, उससे यह जाहिर होता है कि आखिर केजरीवाल इस बंगले में मीडिया को इनवाइट क्यों नहीं कर रहे थे। सीएम आवास की चाबी पीडब्ल्यूडी की बजाय चोरी छिपे सीएम आतिशी को क्यों सौंप दी गई।

24 अक्टूबर को ओडिशा के तटों से टकराएगा साइक्लोन दाना

120kmph की रफ्तार से हवा चलेगी; एक दिन पहले ही शुरू हो जाएगी भारी बारिश

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंडमान सागर से उठा चक्रवाती तूफान दाना 23 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी पहुंच जाएगा। 24 अक्टूबर को यह ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तट से टकराएगा। मौसम विभाग ने साइक्लोन के लैंडफॉल की जानकारी नहीं दी है। अनुमान है कि यह पुरी से टकरा सकता है। तूफान का दाना नाम सऊदी अरब ने दिया है। दाना का मतलब उदारता होता है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 23 अक्टूबर से ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर हवा की रफ्तार 60 Kmph तक पहुंचने का अनुमान है, जो 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह तक बढ़कर 120 Kmph हो जाएगी।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, तूफान के टकराने से एक दिन पहले यानी 23 अक्टूबर को ही भारी बारिश शुरू हो जाएगी। ओडिशा-बंगाल के तटीय इलाके में कुछ स्थानों पर 24-25 अक्टूबर को 20 सेमी बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर 30 सेमी यानी 11 इंच (एक फुट) से ज्यादा बारिश भी हो सकती है।

जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन पर भड़के टीएमसी नेता

बोले-मरीज चाहें तो डॉक्टरों पर कर दें केस

कोलकाता, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में जूनियर डॉक्टर अनशन पर बैठे हैं। वे मृतक को न्याय दिलाने और राज्य स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, रविवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट रूप से स्वास्थ्य सचिव को पद से हटाने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने जूनियर डॉक्टरों से अनशन खत्म कर काम पर लौटने की भी अपील की। इसके ठीक एक दिन बाद ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता कुणाल घोष ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ममता बनर्जी की सराहना करते हुए वामपंथ पार्टियों को निशाने पर लिया। टीएमसी नेता ने कहा कि कहा कि विरोध की आड़ में वामपंथ जूनियर डॉक्टरों को अनशन पर बिठा रहे हैं। उन्होंने भड़कते हुए कहा कि मरीज चाहें तो डॉक्टरों पर केस कर दें। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बातचीत के लिए अक्सर प्रदर्शनकारियों से मिलने जाती है या उन्हें अपने आवास पर बुलाती हैं। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए वह हर संभव कोशिश कर रही हैं। वामपंथ दल विरोध की आड़ में छात्रों को अनशन पर बिठा रहे हैं। वे ऐसा करके बहुत गलत कर रहे हैं। उन्हें अपना अनशन खत्म कर देना चाहिए। इस मामले के निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए चर्चा करनी चाहिए। वाम और अति वामपंथ से प्रभावित होकर अगर उन्होंने अपना अनशन खत्म नहीं किया तो हम किसी भी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाएंगे। इन कारणों से अगर किसी भी मरीज को परेशानी उठानी पड़ती है तो मरीजों को डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए कहा गया है।

क्या है पूरा मामला?

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना नौ अगस्त की है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। आठ अगस्त को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद रात के 12 बजे उसने अपने दोस्तों के साथ डिनर किया।

इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। घटना के दूसरे दिन सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नग्न अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। पोस्टमॉर्टम की शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। जूनियर महिला डॉक्टर का शव गद्दे पर पड़ा हुआ था और गद्दे पर खून के धब्बे मिले।

जस्टिस गवई बोले-जज नेता की प्रशंसा न करें

इससे लोगों का ज्यूडिशियरी से भरोसा उठता है, चुनाव लड़ने से भी निष्पक्षता पर सवाल

"ज्यूडिशियरी की स्वतंत्रता पर कोई भी अतिक्रमण, चाहे वह राजनीतिक हस्तक्षेप, विधायी अतिक्रमण या कार्यकारी हस्तक्षेप के जरिए हो निष्पक्ष न्याय की धारणा को कमजोर करता है। — जस्टिस बीआर गवई

अहमदाबाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि बेंच पर और बेंच से बाहर जज का व्यवहार ज्यूडिशियल एथिक्स के हाई स्टैंडर्ड के मुताबिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पद पर रहते हुए और शिष्टाचार के दायरे से बाहर जज के किसी राजनेता या नौकरशाह की प्रशंसा करने से पूरी न्यायपालिका में लोगों का भरोसा प्रभावित हो सकता है। चुनाव लड़ने के लिए किसी जज का इस्तीफा देना निष्पक्षता को लेकर लोगों की धारणा को प्रभावित कर सकता है। ज्यूडिशियल एथिक्स और ईमानदारी ऐसे बुनियादी स्तंभ हैं जो कानूनी व्यवस्था की विश्वसनीयता को बनाए रखते हैं। जस्टिस गवई ने उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के एक जस्टिस को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की आलोचना करने वाली टिप्पणियों के लिए माफी मांगनी पड़ी थी। जस्टिस गवई ने 19 अक्टूबर को गुजरात के अहमदाबाद में यह बात कही। वे यहां न्यायिक अधिकारियों के लिए हुए वार्षिक सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे थे। हालांकि, इसकी जानकारी 20 अक्टूबर को सामने आई।

जनता का विश्वास बरकरार रखना जरूरी

जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि न्यायपालिका में जनता के विश्वास को बरकरार रखना जरूरी है। इसका सैद्धांतिक कारण यह है कि यदि न्यायपालिका में लोगों का विश्वास कम हुआ तो वे ज्यूडिशियल सिस्टम के बाहर न्याय तलाश करेंगे। उन्होंने कहा कि न्याय के लिए लोग भ्रष्टाचार, भीड़ के न्याय के जैसे तरीके अपना सकते हैं। इससे समाज में कानून और व्यवस्था का नुकसान हो सकता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024 3

सुविचार: अगर आप जिंदगी में कुछ हासिल करना चाहते हो तो मेहनत से दोस्ती कर लो।

अपराधों में हो रहे बदलावों पर बारीकी से नजर रखें : रेवंत रेड्डी

सीएम ने शहीद स्मारक पर "पुलिस झंडा दिवस परेड" में भाग लिया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पुलिस को अपराध के तरीके में हो रहे बदलावों पर बारीकी से नजर रखने की सलाह दी है। सोमवार को यहां गोशामहल स्टेडियम में पुलिस शहीद स्मारक पर "पुलिस झंडा दिवस परेड" में भाग लेने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधी नए-नए तरीके अपना रहे हैं और यहां तक कि उच्च शिक्षित लोग भी साइबर अपराधों में ठगे जा रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा, लोग कुछ ही सेकंड में साइबर अपराध के जाल में फंस रहे हैं।

इसलिए, ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, किसी भी राज्य के विकास के लिए शांति और सुरक्षा दो महत्वपूर्ण कारक हैं। कोई भी राज्य कानून और व्यवस्था बनाए बिना निवेश आकर्षित नहीं कर सकता। हालांकि, तेलंगाना ने एसआईबी और ग्रेहाउंड की स्थापना करके देश के लिए एक मिसाल कायम की है और राज्य पुलिस देश के लिए रोल मॉडल बन गई है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी साइबर अपराधों से निपटने में तेलंगाना पुलिस के प्रयासों की सराहना की है।

पिछले दस वर्षों के दौरान तेलंगाना में गांजा, हेरोइन और कोकीन जैसे नशीले पदार्थों के दुरूपयोग में वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो की स्थापना करके मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने खुलासा किया कि राज्य सरकार नारकोटिक ब्यूरो को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर रही है और इसके अलावा, यह मादक पदार्थों की तस्करी को खत्म करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद शहर में यातायात की समस्या देखी जा रही है और उन्होंने पुलिस को सुझाव दिया कि यातायात नियमन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। सिकंदराबाद के मुत्यालम्मा मंदिर में हुई घटना को चिंताजनक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ भावनाएं और पागलपन वाली ताकतें मंदिरों पर हमला करके अशांति पैदा कर रही हैं। उन्होंने सलाह दी कि तेलंगाना के लोग चतुर हैं और उन्हें ऐसी घटनाओं के प्रति सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पुलिस के आत्मसम्मान को बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 50 एकड़ में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप यंग इंडिया पुलिस स्कूल स्थापित करने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि स्कूल में शिक्षा के अलावा खेलकूद की भी व्यवस्था होगी। सरकार पुलिस के बच्चों को सहयोग करेगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सीएम रेवंत ने दी प्रतिक्रिया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तुरंत बाद, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर ग्रुप-1 के उम्मीदवारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनसे शांत रहने और अपनी परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया, उम्मीद जताई कि वे सफल होंगे और तेलंगाना के पुनर्निर्माण में योगदान देंगे। उनका संदेश तब से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

सियोल की हान नदी की तरह चमकेगी मुसी नदी : पोंगुलेटी

चेओन्गगीचेओन (हान नदी)

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सियोल की चेओन्गगीचेओन (हान नदी) के पुनरोद्धार से प्रेरित होकर तेलंगाना सरकार प्रदूषित मुसी नदी में नई जान फूंकने की योजना बना रही है, ताकि इसे व्यवसाय और मनोरंजन केंद्र में बदला जा सके। आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मुसी नदी को पुनर्जीवित करने की इस महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह तेलंगाना के लोगों के लिए समृद्धि और आधुनिक सुविधाएं लेकर आए। इस परियोजना के हिस्से के रूप में, मंत्री पोंगुलेटी के नेतृत्व में 12 सदस्यीय विशेष प्रतिनिधिमंडल ने हान नदी के परिवर्तन का अध्ययन करने के लिए सियोल का दौरा किया, जो कभी एक अत्यधिक प्रदूषित जल निकाय थी, लेकिन अब एक संपन्न शहरी आकर्षण है। टीम ने बहाली के प्रयासों की समीक्षा की, जो शुरूआती सार्वजनिक विरोध के बावजूद 1 अक्टूबर, 2003 को शुरू हुई थी। दक्षिण कोरियाई सरकार ने हान नदी के किनारे विस्थापित परिवारों और छोटे व्यवसायों को आश्वस्त किया कि वे पुनरुद्धार से लाभान्वित होंगे। परियोजना दो वर्षों के भीतर पूरी हो गई, और 1 अक्टूबर, 2005 तक, एक बार गंदी नदी की जगह सुंदर परिदृश्य, हलचल भरे वाणिज्यिक क्षेत्र और संपन्न पर्यटन ने ले ली, जिसने वैश्विक ध्यान भी आकर्षित किया। प्रतिनिधिमंडल ने देखा कि कैसे हान नदी के पुनरुद्धार ने विस्थापित समुदायों के लिए स्वच्छ परिवेश और नए आर्थिक अवसरों को जन्म दिया। पर्यटन फल-फूल रहा है, जिससे नदी का किनारा स्थानीय लोगों और आगंतुकों दोनों के लिए एक जीवंत स्थान बन गया है। इस सफलता से प्रेरित होकर, तेलंगाना का लक्ष्य मुसी नदी के लिए एक समान विकास मॉडल को दोहराना है, ताकि इसे शहरी पुनरुद्धार और सतत विकास का प्रतीक बनाया जा सके। मंत्री पोंगुलेटी ने इस बात पर भी जोर दिया कि विपक्षी दलों के निराधार दावों के विपरीत, मुसी नदी परियोजना नदी की वर्तमान स्थिति से प्रभावित लोगों को ठोस लाभ पहुंचाएगी। कायाकल्प प्रयासों के साथ-साथ, राज्य सरकार कचरे से बिजली बनाने के लिए अपशिष्ट-से-ऊर्जा (डब्ल्यूटीई) संयंत्र लगाने की संभावना भी तलाश रही है। पांच दिवसीय दौरे में तेलंगाना के प्रमुख नेता जैसे कि पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी, विधायक प्रकाश गौड़, काले यदय्या, मालरेड्डी रंगा रेड्डी और मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी आदि शामिल है।

हॉस्टल में मृत पाई गई छात्रा

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को एक इंटरमीडिएट की छात्रा अपने बाचुपल्ली स्थित छात्रावास में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाई गई। पीड़िता का शव छात्रावास भवन के एक कमरे में छत से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान प्रथम वर्ष की इंटरमीडिएट छात्रा अनुषा के रूप में हुई है, जो संगारेड्डी जिले के नागिरेड्डीपल्ली की निवासी थी। अनुषा की मौत की खबर मिलते ही उसके माता-पिता और परिवार के सदस्य छात्रावास पहुंच गए। मृतका दशहरा की छुट्टियों में अपने घर गई थी और उसके माता-पिता उसे हॉस्टल में छोड़कर आए थे। रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने अनुषा के माता-पिता को बताया कि वह बेहोश है। लड़की के माता-पिता ने आत्महत्या के लिए कॉलेज प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। नाराज परिवार के सदस्यों ने कॉलेज के सामने विरोध प्रदर्शन किया और कॉलेज प्रबंधन के साथ बहस की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

सीपी राचकोंडा, सुधीर बाबू ने ग्रुप-। मुख्य परीक्षा के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करने के लिए मेघा और प्रिंसटन कॉलेजों का दौरा किया और कर्मचारियों को सुचारू व सुरक्षित परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शहीद पुलिस भाइयों को श्रद्धांजलि देने से रोका गया : प्रवीण कुमार

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने आज गोशामहल पुलिस स्टेडियम में पुलिस शहीदों के लिए एक स्मृति कार्यक्रम आयोजित किया। डीजीपी जितेंद्र ने इस कार्यक्रम के लिए सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारियों और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को भी आमंत्रित किया। पूर्व आईपीएस अधिकारी आरएस प्रवीण कुमार को भी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सरकार की ओर से निमंत्रण मिला था। लेकिन, रविवार रात को पुलिस ने उन्हें नजरबंद कर दिया। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रवीण कुमार ने डीजीपी से पूछा कि क्या निमंत्रण देने के बाद उन्हें नजरबंद करने का यह सही तरीका था? उन्होंने पूछा, क्या मैं ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले पुलिस भाइयों को श्रद्धांजलि देने का भी हकदार नहीं हूं? क्या मैं आतंकवादी हूं। उन्होंने सीएम रेवंत रेड्डी से पूछा कि वे बीआरएस पार्टी के नेताओं से क्यों डरते हैं? इस बीच, पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट के विधायक हरीश राव ने आरएस प्रवीण कुमार के खिलाफ कार्रवाई के लिए तेलंगाना पुलिस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, प्रवीण कुमार को गोशामहल स्टेडियम में पुलिस शहीदों की स्मृति में आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। आमंत्रण देने के बाद राज्य सरकार उन्हें फिर से नजरबंद कैसे कर सकती है। हरीश राव ने कहा कि यह शर्मनाक है कि पुलिस शहीद दिवस के दिन एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी का अपमान किया गया। उन्होंने कहा कि हर कदम पर प्रतिबंध लगाना और नजरबंदी व्यवस्था लागू करना एक दुस्साहस है।

तेलंगाना के छात्रों का युवा संगम के लिए 25 तक होगा पंजीकरण

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने युवा संगम (चरण वी) के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर, तक बढ़ा दी है। तेलंगाना के छात्र तथा 18-30 वर्ष की आयु के युवा जो युवा संगम कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक हैं, वे युवा संगम पोर्टल https://ebsb.aicte-india.org/ के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी डॉ.मो. मुस्तफ़ा अली ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय ने तेलंगाना राज्य में युवा संगम (चरण वी) कार्यक्रम कार्यान्वित करने के लिए मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) को नोडल विश्वविद्यालय के रूप में नामित किया है। अब तक युवा संगम कार्यक्रम के चार चरण पूर्ण हो चुके हैं। पांचवें चरण में, शिक्षा मंत्रालय ने मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी को एन.आई.टी, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश के साथ सम्मिलित किया है। एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) के अंतर्गत युवा संगम, विशेष रूप से विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच राष्ट्र भर में लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करने की सरकार की एक पहल है। इसका उद्देश्य युवाओं के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य में संपर्क यात्राएं आयोजित करना है, जिसमें मुख्य रूप से उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र और कुछ ऑफ-कैम्पस युवा सम्मिलित हैं।

संगारेड्डी में बुजुर्ग दंपति ने कर ली आत्महत्या

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी के झारासंगम में रविवार को एक बुजुर्ग दंपति ने आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान 60 वर्षीय बोंडीली प्रताप सिंह और 55 वर्षीय कलावती के रूप में हुई है, जो श्री केथकी संगमेश्वर स्वामी मंदिर में एक होटल चलाते थे। हालांकि, व्यवसाय ठीक से नहीं चल रहा था, घाटे की चिंता में दंपति ने एक खेत में कीटनाशक पी लिया। प्रताप और कलवती को देखकर स्थानीय लोगों ने उन्हें जहीराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने दंपति को मृत घोषित कर दिया। संगारेड्डी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस पर साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने साइबराबाद पुलिस परेड मैदान में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि दी। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद, उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित की और शहीदों की याद में दो मिनट का मौन रखा। सीएसडब्ल्यू एडीसीपी श्रीनिवास राव ने पुलिस कर्मियों के नामों की घोषणा की, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाई। उन्होंने कहा कि पुलिस स्मृति सप्ताह के हिस्से के रूप में, साइबराबाद पुलिस ने छात्रों के लिए ऑनलाइन ओपन हाउस, पुलिस कर्मियों के लिए निबंध प्रतियोगिता और रक्तदान शिविर सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इस वर्ष, निबंध प्रतियोगिताएं समाज में पुलिस की छवि सुधारने में मेरी भूमिका (पीसी से एएसआई/एआरएसआई), स्वस्थ शरीर में स्वस्थ दिमाग (एसआई से उच्च अधिकारियों तक) जैसे विषयों पर केंद्रित होंगी और विजेताओं को पुरस्कार दिए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त, छात्र शीर्ष प्रविष्टियों के लिए स्मृति चिन्ह और पुरस्कार के साथ मोबाइल फोन के विवेकपूर्ण उपयोग विषय पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। अतीत में अपने प्राणों की आहुति देने वालों को पहचानने के लिए एक रोल कॉल ऑफ ऑनर आयोजित किया गया था।

आयुक्त ने एसआई के. हनुमंत रेड्डी (अमंगल), कांस्टेबल फहीमुद्दीन (तालक्कोंडापल्ली) और सशस्त्र कांस्टेबल ईश्वर राव के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में साइबराबाद ज्वाइंट सीपी ट्रैफिक डी. जोएल डेविस, माधापुर डीसीपी डॉ.जी. विनीत, मेडचल डीसीपी कोटि रेड्डी, शमशाबाद डीसीपी बी. राजेश, बालानगर डीसीपी के. सुरेश कुमार, राजेंद्रनगर डीसीपी चौ. श्रीनिवास, डीसीपी क्राइम के. नरसिम्हा, डीसीपी ईओडब्ल्यू के. प्रसाद, महिला एवं बाल सुरक्षा, डीसीपी सृजना कर्णम, डीसीपी साइबर क्राइम श्रीबालादेवी, डीसीपी एसबी बी.साई, एडीसीएसपी, इंस्पेक्टर, आरआई, आरएसआई स्टाफ एवं अन्य उपस्थित थे।

कचरा मुक्त सर्कल में परिवर्तित करने के निर्देश

जीएचएमसी आयुक्त ने निरीक्षण किया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती ने संबंधित अधिकारियों को कचरा संवेदनशील बिंदुओं (जीवीपी) को हटाने और उन क्षेत्रों को कचरा मुक्त सर्कल में बदलने का निर्देश दिया है। सोमवार को उन्होंने खैरताबाद जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती के साथ केबीआर पार्क, श्रीरामनगर बस्ती, रोड नंबर 35 और यूसुफ गुड़ा में सफाई कार्यों का औचक निरीक्षण किया। आयुक्त ने एएम एंड एचओ को स्वच्छ ऑटो द्वारा 100 प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण करने का निर्देश दिया ताकि इसे जीवीपी मुक्त सर्कल बनाया जा सके। यूसुफगुडा ने एसटीपी की जांच करने और वाहन क्षमता 25 टन बढ़ाने के उपाय करने का सुझाव दिया। श्रीराम नगर बस्ती में प्रतिदिन कूड़ा उठाव के दौरान निर्धारित निष्पादन का पालन करने का आदेश दिया गया है। इस अवसर पर आयुक्त ने केबीआर पार्क में विद्युत लाईटों के ऑन-ऑफ स्विच कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने रात के समय स्ट्रीट लाइटें चालू रखने के लिए कदम उठाने के आदेश दिए ताकि लोगों को असुविधा न हो। आयुक्त के साथ खैरताबाद क्षेत्रीय आयुक्त अनुराग जयंती, सहायक चिकित्सा अधिकारी भार्गव नारायण, ईई और अन्य लोग थे।

आईआरसीटीसी सबरीमाला यात्रा भारत गौरव ट्रेन चलाएगी : अरुण कुमार जैन

महाप्रबंधक ने ट्रेन का ब्रोशर जारी किया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के नाम से शुरू की गई थीम-आधारित सर्किट ट्रेन दक्षिण मध्य रेलवे में बहुत सफल रही है। जोन से संचालित की जाने वाली पिछली ट्रेनों को लगातार व्यस्तता के साथ भारी समर्थन मिला है। भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने तेलंगाना राज्य से शुरू होने वाली एक और भारत गौरव ट्रेन शुरू करने की योजना बनाई है, जिसमें तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में बोर्डिंग/डिबोर्डिंग स्थान होंगे। अरुण कुमार जैन आईआरसीटीसी सबरीमाला यात्रा भारत गौरव पर्यटक ब्रोशर जारी किया। इस अवसर पर आईआरसीटीसी के समूह महाप्रबंधक पी. राजकुमार भी उपस्थित थे। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने एससीआर से संचालित की जा रही भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों के लिए यात्रियों से मिली अच्छी प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत गौरव ट्रेनें देश में आध्यात्मिक पर्यटन के विकास को बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने रेल उपयोगकर्ताओं से सबरीमाला मंदिर और अन्य जुड़े तीर्थ स्थानों की यात्रा करने के अवसर का उपयोग करने की अपील की। इसके हिस्से के रूप में, आईआरसीटीसी ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होने वाली सबरीमाला यात्रा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन नामक एक नए पर्यटक पैकेज की घोषणा की है। यह ट्रेन प्रसिद्ध भगवान अयप्पा मंदिर, सबरीमाला और छोटानिकारा देवी मंदिर, छोटानिकारा को कवर करेगी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में नलगोंडा, पिदुगुराल्ला गुंटूर, तेनाली, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर, रेनीगुंटा, तिरुपति और चित्तौड़ में बोर्डिंग/डी-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान की जाती है। पूरी यात्रा चार रातों पांच दिनों की अवधि में पूरी की जाएगी। इसमें सभी यात्रा सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन दोनों सहित), आवास सुविधा, खानपान व्यवस्था (सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना (ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड दोनों) शामिल हैं। ट्रेन में सुरक्षा (सभी कोचों में लगे सीसीटीवी कैमरे सहित), सभी कोचों में सार्वजनिक घोषणा सुविधा, यात्रा बीमा और सहायता के लिए पूरी यात्रा के दौरान आईआरसीटीसी टूर मैनेजर की मौजूदगी रहेगी।

बच्चों के लिए शुरू होंगे सहायता समूह

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बच्चों और परिवारों के लिए एक होम सपोर्ट फोकस ग्रुप 'न्यूरोन्यूट्रीशन', क्लीनिकल थेरेपी और घर के माहौल के बीच की खाई को पाटने के लिए हैदराबाद में लॉन्च किया गया। अनन्या चाइल्ड डेवलपमेंट एंड अर्ली इंटरवेंशन क्लिनिक द्वारा यू.के. स्थित पीडियाट्रिक ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट सियान विल्सन के सहयोग से शुरू की गई निःशुल्क होम सपोर्ट पहल, विशेष जरूरतों वाले बच्चों के माता-पिता की सहायता करेगी।

रक्तदान शिविर में दिव्यांग ने रक्तदान किया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस स्मृति सप्ताह समारोह के एक भाग के रूप में, गोलकोंडा पुलिस स्टेशन ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति जाहेद अली निवासी गोलकोंडा ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। डीसीपी, एसडब्लूजेड चंद्र मोहन ने भी रक्तदान किया और रक्तदान शिविर का हिस्सा बनने के लिए शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति की सराहना भी की।

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सूचना सं. eT-HQ-WAT-22-2024, दिनांक: 14.10.2024

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/एस्टेट/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन (1) सीनियर सेक्शन इंजीनियर/W/साउथ/वाल्टियर के सेक्शन में ईकोर्सा स्टेडियम के निकट वॉकर्स पार्क में शिविरों एवं कार्यक्रमों (Camps and Events) के दौरान स्काउट्स एवं गाइड्स के लिए टेंट लगाने हेतु प्लेटफॉर्म का निर्माण एवं (2) सीनियर सेक्शन इंजीनियर/W/वेस्ट/वाल्टियर के सेक्शन में RMS भवन विशाखापट्टनम (डाक विभाग) में विविध नवीकरण कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 24,81,493.26, EMD: ₹ 49,600/-

(2) निविदा सूचना सं. eT-HQ-WAT-23-2024, दिनांक: 14.10.2024

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/एस्टेट/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर/W/मुख्यालय/वाल्टियर के सेक्शन में मण्डल रेलवे प्रबंधक कार्यालय परिसर की पहली मंजिल में इंजीनियरिंग विभाग के कॉरिडर एवं इंजीनियरिंग सम्मेलन कक्ष का उन्नयन एवं नवीकरण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 21,20,044.44, EMD: ₹ 42,400/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 02 (दो) महीने (क्रम सं. 1 के लिए) एवं 08 (आठ) महीने (क्रम सं. 2 के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 07.11.2024 को 1500 बजे (दोनों निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-638/P/24-25

बिहार उपचुनाव : लालू यादव की पार्टी पर पड़ा 'पी' फैक्टर का ग्रहण, बेलागंज से रामगढ़ तक असर

पटना, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा की चार सीटों पर हो उप चुनाव को लेकर लगभग सभी प्रमुख दलों ने अपने-अपने उम्मीदवारों के पत्ते खोल दिए हैं। लेकिन उम्मीदवारों की घोषणा के बाद राष्ट्रीय जनता दल 'पी फैक्टर' के ग्रहण से घिरता जा रहा है। और यह फैक्टर इस उप चुनाव के प्रारंभिक दौर में इस कदर प्रभावी हो गया है कि राजद के रणनीतिकार अभी से ही डैमेज कंट्रोल में लग गए है। आइए जानते हैं उस 'पी फैक्टर' को जो राजद के लिए खतरे की घंटी बन कर आया है।

पी फॉर परिवारवाद का कहर बेला विधानसभा पर

इस उप चुनाव को लेकर राजद के भीतर परिवारवाद का कहर बेला विधानसभा क्षेत्र पर बरसने लगा है। दरअसल राजद के रणनीतिकारों ने बेला विधानसभा से राजद के चर्चित नेता सुरेंद्र यादव के पुत्र विश्वनाथ प्रसाद सिंह को चुनावी जंग में उतारा हैं। बेला विधानसभा पर एक तरह से सुरेंद्र यादव का साल 1990 से ही कब्जा है। पहली बार इस विधानसभा से 1990 में जीत कर आए थे। इसके बाद से ही बेला विधानसभा सुरेंद्र यादव का गढ़ बनता चला गया।

अब तक बेलागंज विधानसभा सीट पर लगातार 8 बार सुरेन्द्र यादव ने जीत हासिल की है। लेकिन जब सुरेंद्र यादव जहानाबाद लोकसभा से सांसद बने तो बेलागंज के वरीय कार्यकर्ता को उम्मीद थी कि यह के स्थानीय कार्यकर्ता को टिकट मिलेगी। पर राजद के रणनीतिकारों ने बेला से सुरेंद्र यादव के बेटे विश्वनाथ प्रसाद सिंह को उतार दिया। राजद रणनीतिकारों को बेला विधानसभा के कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी झेलनी पड़ी। अब परिवारवाद की नाराजगी को जितना पाट पायेगी उतना राजद के उम्मीदवार के हित में होगा। ऐसा इसलिए कि जेडीयू ने बिंदी यादव की पत्नी मनोरमा यादव को उतारकर पहले ही यादव मतों में सेंध मारी कर दी है।

पी फॉर प्रशांत किशोर

बेलागंज चुनाव में जन सुराज के नायक प्रशांत किशोर ने राजद की परेशानी और बढ़ा दी है। पीके ने प्रोफेसर खिलाफत हुसैन को खड़ा कर राजद के एमवाई समीकरण में पहले से ही सेंध मार दी है। बता दें कि बेलागंज में 15.8 प्रतिशत मुस्लिम है। ये मुस्लिम मत जन सुराज के जितने पक्ष में जाएंगे राजद को नुकसान होगा। बेला विधानसभा में पहले से यादव के 15.6 प्रतिशत वोट बैंक पर जदयू के मनोरमा देवी का भी प्रभाव दिख रहा है। ऐसे में राजद के उम्मीदवार विश्वनाथ प्रसाद सिंह की जीत की राह कंटकों से भरा है।

रामगढ़ विधानसभा

रामगढ़ विधानसभा पर भी परिवारवाद का फैक्टर हावी हो चला है। रामगढ़ सीट कभी राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के नाम से जाना जाता रहा है। आरजेडी के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह यहां 1985 से 2005 तक लगातार 6 बार विधायक रहे हैं। वर्ष 2009 और 2010 में राजद के अंबिका यादव ने जीत दर्ज की। 2015 में बीजेपी के अशोक कुमार सिंह ने विजय प्राप्त की थी। 2020 में राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे सुधाकर सिंह जीते। 2024 में सुधाकर सिंह के बक्सर लोकसभा से सांसद बनने का बाद हो रहे उप चुनाव में राजद ने जगदानंद सिंह के छोटे बेटे अजीत सिंह को चुनावी जंग में उतारा है।

डिप्टी एसपी के बाद एडिशनल एसपी ग्रामीण पवित्र मोहन त्रिपाठी पर कार्रवाई, हटाये गए

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहराइच के महाराजगंज में हुई हिंसा के बाद अफसरों पर कार्रवाई जारी है। सोमवार को बहराइच के अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पवित्र मोहन त्रिपाठी को हटा दिया गया। उन्हें डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। वहीं, डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध चल रहे दुर्गा प्रसाद तिवारी को अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बनाया गया।

बता दें कि इसके पहले डिप्टी एसपी को निलंबित कर दिया गया था। बहराइच में 13 अक्तूबर को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा में एक युवक की मौत हो गई थी, जिसके बाद जिले के कई इलाकों में जमकर उपद्रव हुआ था। इस दौरान प्रशासन पूरी तरह असहाय नजर आया था। हालांकि, मामले के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बहराइच हिंसा पर अखिलेश यादव का बड़ा बयान

भाजपा पर लगाया दंगा कराने का आरोप, बताई बडी वजह

मैनपुरी, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। मैनपुरी की करहल विधानसभा से तेज प्रताप यादव ने नामांकन किया। उनके नामांकन में आए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा को घेरा। अखिलेश यादव ने कहा कि तेज प्रताप यादव भारी बहुमत से जीतकर जाएंगे। मैनपुरी के लोगों ने सपा और नेताजी का हमेशा साथ दिया है।

करहल की जनता समाजवादी पार्टी को हमेशा चुनती रही है। इस बार चुनाव में पहले से अधिक समर्थन मिलेगा, जिसके चलते चुनाव परिणाम ऐतिहासिक होने वाला है। अखिलेश यादव ने कहा कि उपचुनाव में पीडीए से भाजपा घबराई हुई है। अब तो भाजपा पीडीए का नाम लेना भी भूल गई है। उन्होंने कहा कि चैनलों को चिंता थी कि तेज प्रताप ने तिलक कितना बड़ा लगाया है। विकास की कोई चिंता नहीं थी। समाजवादियों के विकास को भाजपा ने रोकने का काम किया है। लोकसभा चुनाव की लड़ाई जीतने के बाद भाजपा थोड़ी बहुत रुकी है। भाजपा सारी संस्थाओं से खुद को ऊपर समझती है। अब जमीनों पर कब्जा करने का काम भी कर रही है। बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने बहराइच में जानबूझकर दंगा कराया है। वजह भी साफ है कि चुनाव आ गया है। सवालों के जवाब न देने और राजनीतिक लाभ लेने के भारतीय जनता पार्टी ने ये साजिश रची है। वहां पर्याप्त प्रशासन और पुलिस का इंतजाम नहीं किया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जिसको चाहे गिरफ्तार करा दे। पत्रकारों की भी कराई जा रही है। एक सवाल के जवाब में कहा कि करहल की जनता के सामने मशीनरी का कोई दुरुपयोग नहीं हुआ। टिकट बंटवारे को लेकर कहा कि यह आपसी मामला है। हम हल निकाल लेंगे।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय जमकर भड़के

कहा-कायर की तरह हमला करते हैं आतंकवादी

वैशाली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय वैशाली पहुंचे, जहां उन्होंने जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में हुए आतंकी हमले में 7 मजदूरों की मौत पर जमकर बोले। उन्होंने कहा कि कायर की तरह आतंकियों ने हमला किया है। आतंकवाद अब अंतिम सांस ले रहा है और बहुत जल्द आतंकवाद को साफ कर दिया जाएगा। भारत के मिट्टी में आतंकवाद को मिला दिया जाएगा।

आतंकी हमले में 7 मजदूरों की मौत पर भड़के केंद्रीय मंत्री गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आतंकी हमले में 7 मजदूरों की मौत पर जमकर बोले। दरअसल जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में हुए आतंकी हमले में 7 मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि 5 गंभीर रूप से घायल हैं। उन्होंने कहा कि हाल में ही घाटी में नया सरकार उमर अब्दुल्ला की सरकार बनी है और सरकार बनने के तुरंत बाद आतंकी हमला हो गया है। जम्मू कश्मीर में चल रहे भारत सरकार की महत्वाकांक्षी श्रीनगर-सोनमर्ग टनल पर काम चल रहा है। इस दौरान गांदरबल इलाके में बीती रात करीब 8.30 पर हमला किया गया। ये हमला तब हुआ उस दौरान जब टनल में काम करने वाले मजदूर खाना खाने के लिए मेस में एकत्रित हुए थे। खाना खाने के दौरान ही तीन आतंकी मेस में घुसे और अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। इससे पहले कि मजदूर कुछ समझ पाते तब तक आतंकी अपना काम करके वहां से फरार हो गए। इस हमले में कुल 7 लोगों की मौत को गई जबकि पांच लोग घायल हैं। मरने वाले मजदूर में तीन मजदूर बिहार के भी हैं। केंद्रीय मंत्री गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय आज वैशाली पहुंचे, जहां उन्होंने कहा कि आतंकियों ने कायर की तरह हमला किया है। देश में आतंकी बुझता हुआ चिराग है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की नेतृत्व में आतंकवादी को साफ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद अब अंतिम सांस ले रहा है और बहुत जल्द आतंकवाद को साफ कर दिया जाएगा। भारत के मिट्टी में आतंकवाद को मिला दिया जाएगा।

जमीन पर सो रही मां और दो बच्चों को सांप ने काटा, इलाज के दौरान तीनों की मौत

हापुड़, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से दर्दनाक खबर सामने आई है। बहादुरगढ़ थाना इलाके में एक महिला और उसके दो बच्चों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। गांव में एक साथ तीन मौत से कोहराम मचा हुआ है।

एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार से बात कर मदद का आश्वासन दिया है। जानकारी के अनुसार, बहादुरगढ़ थाना इलाके के गांव सदरपुर में रहने वाला रिंकू सिंह मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है। सर्प दंश से मजदूर रिंकू सिंह की पत्नी पूनम (30), बेटी साक्षी (12) और बेटे कनिष्क (9) की मौत हो गई।

गुड्डू मुस्लिम, साबिर व अरमान के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

उमेश पाल हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई

प्रयागराज, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रहे पांच लाख के तीन इनामी शूटरों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की कर दी गई है। इनमें गुड्डू मुस्लिम के साथ ही साबिर व अरमान शामिल हैं। तीनों हत्याकांड के बाद से ही लगभग डेढ़ साल से फरार हैं। उनके खिलाफ पूर्व में कुर्की की कार्रवाई भी की जा चुकी है।

तीनों उमेश पाल हत्याकांड के नामजद आरोपी हैं। घटना के बाद ही उनके खिलाफ पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। तलाश में एसटीएफ तक लगी लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका। गुड्डू मुस्लिम मूल रूप से शिवकुटी के लाला की सराय, साबिर पूरामुफ्ती के मरियाडीह व अरमान सिविल लाइंस का रहने वाला है। तीनों उमेश पाल व उनके दो सरकारी गनर की हत्या की घटना के सीसीटीवी फुटेज में भी नजर आए हैं। गुड्डू मुस्लिम ने घटना के दौरान उमेश व उनके गनर राघवेंद्र सिंह पर बम से हमला किया था जबकि साबिर व अरमान ने कार में बैठे गनर संदीप निषाद पर राइफल व पिस्टल से गोलियां बरसाई थीं।

हत्याकांड के बाद से ही तीनों चल रहे हैं फरार

कुर्की की कार्रवाई के बाद भी वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुए और इसी क्रम में अब पुलिस ने उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें बताया गया है कि वारदात को अंजाम देने में तीनों शामिल थे और सीसीटीवी फुटेज, अन्य अभियुक्तों के बयान व विवेचना के दौरान संकलित साक्ष्यों से इसकी पुष्टि हुई है। तमाम प्रयासों के बावजूद वह गिरफ्तार नहीं हुए और आदेश के बावजूद कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। उन पर अदालत के आदेश की अवमानना का भी केस दर्ज किया जा चुका है। ऐसे में उनके खिलाफ चार्जशीट लगाई गई है। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट लगा दी गई है।

शाइस्ता, जैनब व आयशा नूरी की तलाश जारी

इस प्रकरण में 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन समेत अतीक अहमद के परिवार की तीन महिलाएं भी आरोपी हैं, जिनकी तलाश जारी है। इनमें अशरफ की पत्नी जैनब उर्फ रूबी और अतीक-अशरफ की बहन आयशा नूरी शामिल हैं। तीनों घटना के बाद से फरार हैं। मेरठ निवासी आयशा नूरी का शौहर इकलाख अहमद भी इस हत्याकांड का आरोपी है और जेल भेजा जा चुका है।

अब तक 15 पर चार्जशीट

उमेशपाल हत्याकांड में अब तक 15 आरोपियों पर चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। इनमें से 12 जेल में हैं जबकि तीन फरार हैं। जेल में निरुद्ध आरोपियों में अतीक के दो बेटे उमर व अली भी शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि इस प्रकरण में जिन आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट लगाई जा चुकी है, उनके खिलाफ जल्द ही गैंगस्टर की भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को इस बात के प्रमाण मिले हैं कि यह गैंग आर्थिक लाभ के लिए संगठित होकर अपराध करता रहा है। पूर्व में यह गैंग अतीक व अशरफ की सरपरस्ती में संचालित होता रहा। जबकि अब इसका सरगना अतीक का बेटा अली है। माना जा रहा है कि जल्द ही इस गैंग पर शिकंजा कसा जाएगा।

कानपुर में बैडटच करने वाला दरोगा सस्पेंड

मुंबई से महिला को बरामद किया, ट्रेन में अश्लील हरकत की; घरवालों की शिकायत पर एक्शन

कानपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर में महिला को बैड टच करने वाले दरोगा को सस्पेंड कर दिया गया है। फेतफुलगंज के चौकी इंचार्ज गजेंद्र सिंह ने महिला को मुंबई से बरामद कर लाते समय अश्लील हरकत की। महिला के परिजनों ने पुलिस अधिकारियों से इसकी शिकायत की। इसके बाद दरोगा के खिलाफ कार्रवाई हुई। घटना अक्टूबर माह के शुरुआत की बताई जा रही है।

घर से भाग गई थी महिला

दरअसल, कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के साउथ जोन में रहने वाली महिला ईस्ट जोन में रहने वाले एक व्यक्ति के साथ घर से फरार हो गई थी। पुलिस को उसकी लोकेशन मुंबई में मिली। फेतफुलगंज के चौकी इंचार्ज गजेंद्र सिंह उसे लेने के लिए टीम के साथ मुंबई पहुंचे। मुंबई से महिला को लेकर पुलिस टीम कार से कानपुर के लिए रवाना हुई। गजेंद्र ने ट्रेन में महिला के साथ अश्लील हरकत की। कानपुर पहुंचने पर महिला के परिजनों को बुलाया गया। इस दौरान महिला ने अपने परिजनों को ट्रेन में हुई घटना के बारे में बताया। परिवार वालों ने घटना की शिकायत उच्च अधिकारियों से की। जांच में प्रथम दृष्टया दरोगा गजेंद्र सिंह दोषी पाया गया। इसके बाद उसे सस्पेंड कर दिया गया। इस मामले में जब अधिकारियों से पूछा गया तो उन्होंने पहले स्पष्ट कुछ नहीं बोला। कहा कि दरोगा के खिलाफ पहले भी कई शिकायतें थीं। इसके कारण उस पर कार्रवाई की गई। अगले दिन यानी सोमवार को एडीसीपी ने वीडियो बयान जारी कर बैडटच के आरोपों में सस्पेंड करने की बात कही। फेतफुलगंज के चौकी इंचार्ज गजेंद्र सिंह ने युवती को बरामद किया और इसी दौरान बैडटच के आरोप लगे। पुलिस के मुताबिक, परिवार वालों से इस पर बात की गई, मगर उन्होंने लोक-लाज का हवाला देकर कोई शिकायत या प्रार्थना पत्र नहीं दिया। परिवार वालों से मामले में तहरीर देने के लिए कहा गया है। वह लिखा-पढ़ी में तहरीर देते हैं तो उसके हिसाब से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला सिपाही से रेप, दांत तोड़ा

कानपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर में महिला हेड कॉन्स्टेबल को लिफ्ट देने के बहाने युवक ने किडनैप कर लिया। जबरन उसे खेत में ले जाकर रेप किया। विरोध करने पर महिला को पीटा और उसका एक दांत तोड़ दिया। पीड़ित महिला पुलिसकर्मी की तैनाती अयोध्या में है। शनिवार को सुल्तानपुर में ड्यूटी की, फिर करवाचौथ मनाने वह कानपुर में ससुराल आ रही थी। रास्ते में पैदल जाते समय युवक ने बाइक पर बैठा लिया था। घटना सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने आरोपी का नाम कल्लू उर्फ धर्मेंद्र पासवान (34) निवासी गांव बुधेड़ा, थाना सेन पश्चिम पारा है।

'मुझे तुमसे बिछड़ना ही पड़ेगा'

सुपुर्द-ए-खाक हुए शायर फहमी बदायूंनी, लोगों ने नम आंखों से दी विदाई

बदायूं, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। मशहूर शायर पुत्तन खां फहमी बदायूंनी के शव को सोमवार को बिसौली कस्बे के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। उनके इंतकाल पर दुनियाभर के साहित्यकारों ने दुख व्यक्त किया। फहमी बदायूंनी 72 साल के थे। पिछले एक माह से उनकी तबीयत खराब चल रही थी। रविवार शाम को उनका निधन हो गया था। सोमवार को ईदगाह रोड पर नमाज-ए-जनाजा अदा कराई गई। ईदगाह रोड के पास कब्रिस्तान में दोपहर करीब दो बजे उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जाने-माने शायर और कवि उनके जनाजे में शामिल हुए। वहीं, बेटे जावेद ने पिता की कब्र को मिट्टी दी, लेकिन दूसरा बेटा नावेद विदेश से नहीं आ सका। वह रूस में हैं। 4 जनवरी 1952 को बिसौली कस्बे के मोहल्ला पठान टोला में जन्मे पुत्तन खां फहमी ने पढ़ाई करने के बाद लेखपाल की नौकरी की लेकिन नौकरी में उनका दिल नहीं लगा। इसके बाद 80 के दशक में शायरी में कदम रखा। उन्होंने पहले बिसौली व आसपास के मुशायरों में भाग लिया। इसके बाद एक मुशायरे में उन्होंने पढ़ा-प्यासे बच्चे पूछ रहे हैं, मछली-मछली कितना पानी, छत का हाल बता देता है, परनालों से बहता पानी। उनका यह शेर खासा प्रसिद्ध हुआ। प्यासे बच्चे पूछ रहे हैं... शेर के बाद फहमी बदायूंनी का प्रदेश फिर देशभर के मुशायरों में आना जाना हो गया। एक के बाद एक उनके कई शेर खासे चर्चित हुए। उन्होंने देश में करीब 250 मुशायरों में शिरकत की।

दो बच्चों को छोड़ 18 साल छोटे प्रेमी के साथ जाने पर अड़ी मां, रील्स से शुरू हुई कहानी

बरेली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली जिले में प्रेम प्रसंग का अजब मामला सामने आया है। 40 साल की महिला 18 साल छोटे प्रेमी के साथ चली गई थी। पुलिस ने उसे खोज निकाला। रविवार को महिला को थाने लाया गया, जहां वह अपने प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी रही। अब उपजिलाधिकारी के समक्ष पुलिस महिला का बयान दर्ज कराएगी।

शेरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक महिला जुलाई माह में कहीं चली गई थी। इसके बाद उसके पति ने 26 जुलाई को थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने छानबीन में 40 वर्षीय महिला को हरियाणा के पानीपत से उसके प्रेमी के साथ पकड़ लिया।

उसका 22 वर्षीय प्रेमी गोविंद बदायूं के दातागंज क्षेत्र का रहने वाला है। पूछताछ में गोविंद ने पुलिस को बताया कि महिला से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। वह महिला की रील देखता था।

वह रील लाइक करने लगा। मैसेज से दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। दोनों ने एक-दूसरे के फोन नंबर ले लिए। दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद महिला अपनी बेटी और बेटे को घर पर ही छोड़कर चली गई।

नालंदा में सामूहिक हत्या मामले में 15 को उम्रकैद

3 साल पहले जमीन विवाद में हुई थी 5 की हत्या मूंछ पर ताव देकर निकले दोषी

नालंदा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। नालंदा में 3 साल पहले जमीन विवाद को लेकर सामूहिक हत्या का मामला सामने आया था। इस मामले में बिहारशरीफ व्यवहार न्यायालय ने 15 लोगों को उम्रकैद की सजा दी गई। इस दौरान मूंछ पर ताव देकर सभी दोषी कोर्ट से बाहर निकले। 4 अगस्त 2021 को छबीलापुर थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। मृतकों में 60 साल के यदुनंदन यादव, उनके दो बेटे पिंटू यादव(30) और मधेश यादव(25), साथ ही परशुराम यादव के बेटे धीरेंद्र यादव(50) और शिवेंद्र यादव(32) शामिल थे। इस घटना में 4 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए थे। विवाद की जड़ें एक दशक पुरानी हैं। लगभग 50 बीघा जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच साल 2010 से तनाव चल रहा था। घटना के दिन एक पक्ष ने विवादित खेत में जुताई करने का प्रयास किया, जिसे रोकने गए दूसरे पक्ष पर गोलियों की बौछार कर दी गई थी।

अदालत ने 27 सितंबर को दिया था दोषी करार

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तीन अखौरी अभिषेक सहाय की अदालत ने 27 सितंबर को भोला यादव, रामकुमार यादव समेत 15 लोगों को हत्या, जानलेवा हमला और सशस्त्र अधिनियम के तहत दोषी करार दिया था। दो नाबालिग आरोपियों का मामला किशोर न्याय परिषद में विचाराधीन है। तीन साल बीत जाने के बाद भी गांव में सहम का माहौल है। जिस जमीन के लिए इतना खून-खराबा हुआ, वह आज भी बंजर पड़ी है। पीड़ित परिवार की सुरक्षा में तैनात होमगार्ड के जवान मूक गवाह हैं कि न्याय की प्रक्रिया के बावजूद शांति की बहाली अभी दूर है। दोषी करार दिए गए लोगों के घरों में ताले लटके हुए हैं, जो इस त्रासद घटना की मूक गवाही दे रहे हैं।

महिला ने करवाचौथ पर होटल में किया सुसाइड

कानपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर में करवाचौथ पर होटल में महिला ने सुसाइड कर लिया। महिला ने लव मैरिज की थी। तलाक के बाद पति ने बच्चों को अपने पास रख लिया। इसके बाद वह एक युवक के साथ लिव-इन में रह रही थी। दो तीन दिन पहले मायके गई थी, परिजनों ने घर रखने से मना कर दिया। इससे वह डिप्रेशन में चल रही थी। घटना रायपुरवा थाना क्षेत्र के झकरकटी बस अड्डे के पास की है। पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया है। एडीसीपी सेंट्रल महेश कुमार ने बताया- रायबरेली के लालगंज थाना क्षेत्र के बेहटा कलां निवासी नसीर शाह की बेटी तहरुन्निशा (27) ने फांसी लगाकर सुसाइड किया है।

पूर्व मंत्री किरणपाल सिंह का निधन-बुलंदशहर की अगौता सीट से पांच बार बने थे विधायक

मेरठ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कद्दावर जाट नेता व पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री किरणपाल सिंह का निधन हो गया है। वह काफी समय से बीमार चल रहे थे। मेरठ के एक अस्पताल में सोमवार सुबह साढ़े दस बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। प्रोफेसर किरण पाल सिंह वर्तमान में राष्ट्रीय लोकदल में सचिव थे। उन्होंने 2021 में भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर राष्ट्रीय लोकदल का दामन थाम लिया था। वो 2020 में सपा छोड़ कर भाजपा में आए थे। बुलंदशहर की अगौता सीट से पांच बार विधायक बने। किरणपाल सिंह कभी मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबी माने जाते थे। समाजवादी सरकार में मुलायम सिंह यादव ने उन्हें बेसिक शिक्षा मंत्री बनाया था। लोकनायक जयप्रकाश नारायण आंदोलन की उपज और चौधरी चरण सिंह के कट्टर अनुयायी प्रोफेसर किरणपाल सिंह 1980 में पहली बार अगौता विधानसभा सीट से विधायक बने थे। इस सीट से वह पांच पर विधायक चुने गए। किरण पाल सिंह मुलायम सिंह यादव की सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे। किरणपाल का नाम साल 2006 के सबसे चर्चित कविता हत्याकांड में भी सामने आया था।

गिरती जनसंख्या पर नायडू की सलाह से एक कदम आगे निकले सीएम स्टालिन, बोले-16 बच्चे पैदा करें

चेन्नई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में विकास दर की वृद्धि के लिए प्रत्येक परिवार को दो या उससे ज्यादा बच्चे पैदा करने की सलाह दी। उनके बयान के तुरंत बाद तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने प्रतिक्रिया दी। सीएम स्टालिन ने जो कहा वह चंद्रबाबु नायडू के बयान से भी एक कदम आगे था। उन्होंने सभी को 16 बच्चे पैदा करने का लक्ष्य रखने को कहा। तमिलनाडु हिंदू रिलिजियस एंड चैरिटेबल एंडोमेंट्स विभाग द्वारा 31 जोड़ों के लिए आयोजित विवाह समारोह में सीएम स्टालिन ने यह बयान दिया।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने समारोह के दौरान कहा, तमिल में एक पुरानी कहावत है, पधिनारुम पेत्रु पेरु वज्वि वज्गा, जो दंपतियों को संतान समेत 16 संपतियों की कामना करता है। लेकिन अब ऐसे हालात बन रहे हैं कि लोकसभा क्षेत्र घटते जा रहे हैं। इससे यह सवाल उठता है कि हमें खुद को कम बच्चे पैदा करने तक ही सीमित क्यों रखना चाहिए। हम 16 बच्चे पैदा करने का लक्ष्य क्यों नहीं रखते हैं?

चंद्रबाबू नायडू ने क्या कहा?

आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबु नायडू ने भविष्य के लिए जन्म दर बढ़ाने की जरूरत पर दिया। उन्होंने कहा, मैंने जनसंख्या नियंत्रण की वकालत की, लेकिन अब हमें भविष्य के लिए जन्म दर बढ़ाने की जरूरत है। राज्य सरकार एक कानून लाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो या उससे अधिक बच्चों वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे। बता दें कि देश में औसत प्रजनन दर जहां 2.1 है (ये चिंता का विषय नहीं है), वहीं दक्षिणी राज्यों में यह आंकड़ा गिरकर 1.6 तक (ये चिंता का विषय है) पहुंच गया है। केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के अनुसार 2036 तक देश की 34.55 करोड़ आबादी ही युवा होगी, जो अभी 47 फीसदी से ज्यादा है। इसके अनुसार अभी देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं। लेकिन अगले 15 साल में यह और तेजी से गिरेगी। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 की मानें तो साल 2011 में भारत में युवा आबादी की औसत उम्र 24 साल थी, जो अब 29 साल हो गई है।

नैनीताल में कांग्रेस की जनाक्रोश रैली

नैनीताल, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। नैनीताल जिले में विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस की ओर से सोमवार को जनाक्रोश रैली का आयोजन किया गया। इससे पूर्व कार्यकर्ता पंत पार्क में एकत्रित हुए। जिसके बाद कार्यकर्ताओं की ओर से कमिश्नरी घेराव किया गया। जनाक्रोश रैली की अगुवाई नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने की। वक्ताओं ने कहा कि निकाय चुनाव कराने की सरकार की मंशा नहीं है। भाजपा को डर सता रहा है कि वह चुनाव हार जायेंगे। कांग्रेसियों ने राज्य के विभिन्न विभागों में व्याप्त घोर भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के साथ ही राज्य के निवासियों को जल, जंगल, जमीन पर हक दिए जाने की मांग की।

संजय राउत ने कहा, जल्द सीट शेयरिंग फॉर्मूले की घोषणा करेगा महाविकास अघाड़ी

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का शंखनाद हो गया है। ऐसे में बीजेपी ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। वहीं विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी में अभी तक सीट बंटवारा ही नहीं हो पाया है। इस बीच शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट और कांग्रेस के बीच मतभेद की बात सामने आई। इसका लेकर रविवार को उद्धव ठाकरे ने मातोश्री पर शिवसेना यूबीटी गुट के नेताओं की आपात बैठक बुलाई।

वहीं संजय राउत ने पहले कहा था कि अगर अलग फैसला लेने का समय आएगा तो हम लेंगे। इसके बाद से यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या शिवसेना यूबीटी 288 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। हालांकि अब संजय राउत ने इन सभी चर्चाओं पर पानी फेर दिया और कहा कि हम साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने दावा किया कि सीट बंटवारे को लेकर जो भी सवाल है, उसे आज यानी सोमवार शाम तक सुलझा लिया जाएगा।

उद्धव-कांग्रेस के बीच 7 सीटों पर अनबन

आज हो सकता है सीट बंटवारा, कांग्रेस की पहली लिस्ट भी जारी होगी

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 288 सीटों पर महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच सीट शेयरिंग अभी फाइनल नहीं हुई है। लगभग 17 सीटों पर सहमति नहीं बन पाई है। वहीं विदर्भ की 7 सीटों पर उद्धव गुट और कांग्रेस अपना-अपना दावा कर रही है। इस बीच कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की पहली लिस्ट कल घोषित की जाएगी। साथ ही महाविकास अघाड़ी की सीटों का बंटवारा भी कल हो जाएगा।

कांग्रेस नेता बोले- तीन पार्टियों में सीट बंटवारे में समय लगता

महाराष्ट्र विधानसभा में अपोजीशन लीडर और कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि, महाविकास अघाड़ी में अंतिम 17 सीटों पर चर्चा बाकी है। हमारा कुछ सीटों पर ठाकरे गुट के साथ विवाद चल रहा है। गठबंधन में तीन पार्टियां हैं। तीन दलों के बीच सीट शेयरिंग में समय लगता है। वडेट्टीवार ने यह भी कहा कि हम असंतुष्ट कार्यकर्ताओं को समझेंगे और महाविकास अघाड़ी के साथ ही चुनाव लड़ेंगे।

अखिलेश ने एमवीए से 12 सीटें मांगी

समाजवादी पार्टी (सपा) ने महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) से 12 सीटें मांगी हैं। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को धुले विधानसभा सिटी सीट से उम्मीदवार की घोषणा की। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा- हमने एमवीए से 12 सीटें मांगी हैं। सीटों की डीटेल्स भी उन्हें भेज दी गई हैं। इससे पहले पार्टी ने शुक्रवार को भिवंडी पूर्व से मौजूदा विधायक रईस शेख, भिवंडी पश्चिम से रियाज आजमी और मालेगांव मध्य से शान-ए-हिंद को प्रत्याशी बनाया था। सपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अबू आसिम आजमी ने बताया- हमने पांच उम्मीदवारों की घोषणा की है ताकि एमवीए को पता चले कि हम यहां मजबूत हैं, वरना वे बैठक में बताएंगे कि आपका उम्मीदवार मजबूत नहीं है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को बीजेपी ने 99 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी है।

शिंदे गुट के एमएलए पर पुलिस ने दर्ज किया केस

घर से बाहर रहने वाले वोटर्स को पैसों की पेशकश का आरोप

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनेताओं की तरफ से मतदाताओं को लुभाने का प्रयास जारी है। वहीं राज्य के छत्रपति संभाजीनगर जिले में शिंदे गुट एक विधायक पर घरों से बाहर रह रहे मतदाताओं को धन की पेशकश करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। मामले में छत्रपति संभाजीनगर पुलिस ने एक वीडियो सामने आने के बाद शिवसेना के विधायक संतोष बांगर के खिलाफ गैर-संज्ञेय मामला दर्ज किया है जिसमें कथित तौर पर उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि घर से दूर रह रहे उनके विधानस क्षेत्र के मतदाता, वोट देने के लिए अगर अपने घर पर आते हैं तो उन्हें ऑनलाइन पैसे दिए जाएंगे।

विधायक ने कहा-फोनपे समेत सभी सुविधा मिलेगी

मामले में एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि यह मामला हिंगोली जिले में दर्ज किया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ शिवसेना के नेता संजय बांगर हिंगोली जिले की कलमनुरी विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें उन्हें कथित तौर पर यह कहते हुए सुना जा सकता है, जो भी मतदाता बाहर हैं, उनकी सूची हमें अगले दो-तीन दिन में दे दी जाए। उनसे कहिए वाहन किराए पर लें और उन्हें वो सब कुछ मिलेगा जो वे चाहते हैं। उन्हें फोनपे (ऑनलाइन भुगतान ऐप) समेत सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उन्हें बताएं कि वे हमारे लिए आ रहे हैं।

मामले में चुनाव आयोग ने मांगा था स्पष्टीकरण

बता दें कि इस वीडियो को कुछ क्षेत्रीय समाचार चैनलों ने भी प्रसारित किया है। निर्वाचन आयोग ने पिछले सप्ताह यह वीडियो सामने आने के बाद संजय बांगर से स्पष्टीकरण मांगा था जो उन्होंने पेश कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को कलमनुरी पुलिस ने बांगर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 170 (1) (1) (किसी चुनावी अधिकार का प्रयोग करने के लिए किसी व्यक्ति को प्रेरित करने की खातिर रिश्वत देना या ऐसे किसी अधिकार का प्रयोग करने के लिए किसी व्यक्ति को पुरस्कृत करना) और 173 (रिश्वत) के तहत गैर-संज्ञेय मामला दर्ज किया।

गुजरात के अंकलेश्वर में 250 करोड़ की ड्रग्स जब्त

7 दिन पहले ही इसी फैक्ट्री के पास से जब्त की गई थी 5000 करोड़ की कोकीन

अंकलेश्वर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंकलेश्वर जीआईडीसी से एक बार फिर भारी मात्रा में ड्रग्स जब्त की गई है। सूरत और भरूच पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन में देर रात अंकलेश्वर की अवसर एंटरप्राइजेस नाम की फैक्ट्री पर छापा मारकर 250 करोड़ रुपए कीमत की ड्रग्स जब्त की। इस मामले में पुलिस ने फैक्ट्री मैनेजर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि 7 दिन पहले भी इसी फैक्ट्री के पास दूसरी फैक्ट्री से 5000 करोड़ की ड्रग्स जब्त की गई थी।

हाल ही में सूरत क्राइम ब्रांच ने 2 करोड़ रुपए कीमत की 2100 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। तीनों ने पूछताछ में बताया था कि उन्हें ड्रग्स की डिलीवरी अंकलेश्वर की अवसर एंटरप्राइजेज से हुई है। इसके बाद पुलिस ने भरूच पुलिस के साथ जॉइंट ऑपरेशन में फैक्ट्री पर छापेमारी की। हालांकि, कंपनी का मालिक विदेश में रहता है, जिससे पूछताछ की जा रही है। कंपनी में केमिकल तैयार होता है और इसी की आड़ में ड्रग्स तैयार की जा रही थी।

5 हजार करोड़ की कोकीन जब्त की गई थी

बता दें, इससे पहले 13 अक्टूबर को भरूच पुलिस ने इसी फैक्ट्री के पास स्थित अवकार नाम की केमिकल फैक्ट्री से 5 हजार करोड़ रुपए कीमत की 518 किग्रा कोकीन जब्त की थी। इस मामले में कंपनी के 3 संचालकों अश्विन रमानी, ब्रिजेश कोठिया, विजय भेसानिया समेत 2 केमिस्टों को गिरफ्तार किया था। राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने इस मामले में कहा कि गुजरात और सूरत पुलिस नशे के खिलाफ अभियान नहीं बल्कि युद्ध लड़ रही है.

मनीष सिसोदिया सड़क का निरीक्षण कर 22 दिन बाद भी नहीं लौटे, भाजपा विधायक ने कर दिया उद्घाटन

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार ने 29 सितंबर को दावा किया था कि राजधानी की सभी टूटी-फूटी सड़कों का निरीक्षण किया जाएगा और इसे तत्काल ठीक कराया जाएगा। इसके अगले ही दिन यानी 30 सितंबर को आम आदमी पार्टी ने यह अभियान शुरू किया, दिल्ली सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अपने विधानसभा क्षेत्र पटपड़गंज में आने वाली एक सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने इसे जल्द ठीक करने का वादा भी किया। सिसोदिया के इस दावे के 22 दिन बीत चुके हैं, स्थानीय निवासी कह रहे हैं कि मनीष सिसोदिया ने सड़क ठीक कराने का दावा किया था, लेकिन तब से अब तक वे यहां पर वापस नहीं लौटे हैं।

लेकिन ठीक इसी जगह पर 21 अक्टूबर को लक्ष्मीनगर से भाजपा विधायक अभय वर्मा ने सड़क को ठीक कराने के कार्य का उद्घाटन कर दिया है। गणेश चौक से वीथ्रीएस मॉल जाने वाली यह सड़क लगभग डेढ़ करोड़ रुपये से ठीक की जाएगी। मौके पर मौजूद इंजीनियर ने कहा कि रोड को ठीक होने में करीब एक महीने का समय लग जाएगा।

भाजपा विधायक अभय वर्मा ने से कहा कि अरविंद केजरीवाल की तरह आम आदमी पार्टी के सभी नेता झूठ बोलने और झूठे वादे करने में माहिर हो गए हैं। मनीष सिसोदिया ने सड़क का निरीक्षण तो किया, लेकिन अब तक इसे ठीक कराने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। जबकि इसी बीच उन्होंने अपने क्षेत्र की सड़क को ठीक कराने का काम शुरू कर दिया है। अभय वर्मा ने कहा कि इसके लिए भी पीडब्ल्यूडी उन्हें फंड नहीं दे रही थी। इसके लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ा। रविवार देर शाम को उनके पास फोन आया कि वे अपने क्षेत्र की सड़क का काम करवा सकते हैं। इसके बाद उन्होंने इस सड़क को ठीक कराने के काम का उद्घाटन किया। भाजपा नेता ने दावा किया कि उनकी पार्टी जमीनी स्तर पर बहुत काम कर रही है और अपने काम के बल पर वह इस बार सत्ता में आने में कामयाब रहेगी, जबकि आम आदमी पार्टी को अपने गलत कार्यों का भुगतान करना पड़ेगा और उसकी विदाई तय है।

लड़कियों के साथ फ्लैट में पकड़ा गया फैजान-खुद को बताता था सीबीआई ऑफिसर

इंदौर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिंदू युवतियों को देह व्यापार में धकेलने और ड्रग्स की लत लगाने के आरोप में गिरफ्तार फैजान खान सीबीआई अफसर भी बनता था। यह बात फैजान उर्फ गोल्डी से मिले आईडी कार्ड से पता चली है। लसूड़िया पुलिस अभी तक फैजान को कैफे संचालक बताकर पल्ला झाड़ रही थी। आईडी कार्ड मिलने के बाद यूटर्न लेते हुए पुलिस को फैजान के विरुद्ध धोखाधड़ी का केस दर्ज करना पड़ा। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक राजकुमार टेटवाल, मानसिंह राजावत, कृष्ण वाघ, नवीन शर्मा ने गुरुवार रात महालक्ष्मीनगर स्थित एक इमारत में छापा मारकर फैजान उर्फ गोली पुत्र अफजल पठान निवासी मल्हार कॉलोनी देवास को आपत्तिजनक अवस्था में पकड़ा था।

फैजान युवतियों से देह व्यापार करवाता था

फैजान के रूम से हिंदू युवतियां भी मिलीं, जो विभिन्न शहरों से आकर रुकी थीं। नशे की सामग्री, एयरगन, नकली पिस्टल (लाइटर वाली) और एक तलवार भी मिली थी। हिंदू संगठन के नेताओं ने कहा कि फैजान देह व्यापार करवाता था। युवतियों को ड्रग्स की लत लगाता था। पुलिस ने कहा कि फैजान कैफे चलाता है। लव जिहाद, ड्रग्स जिहाद के कोई सबूत नहीं मिले हैं। तीन दिन बाद रविवार को मामले में नया मोड़ आ गया, जब पुलिस को फैजान का सीबीआई स्पेशल ऑफिसर के नाम का आईडी कार्ड मिला। फैजान पर धोखाधड़ी का शक गहरा गया है। डीसीपी जोन-2 अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक मामला गंभीर है। फैजान पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। वर्ष 2019 में सराफा पुलिस ने भी नकली सीबीआई अफसर विक्रम गोस्वामी को गिरफ्तार किया था। कार्ड हूबहू वैसा ही बनाया गया है।

1 लाख का साइलेंसर लगाए घूम रहा था राइडर

बुलडोजर ने किया साइलेंट, 15 लाख के साइलेंसरों का बना पापड़

उज्जैन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। एमपी की उज्जैन पुलिस ने टॉवर चौक पर धमाकेदार कार्रवाई की है। प्रशासन की टीम ने तेज आवाज वाले 100 साइलेंसरों को बुलडोजर एक्शन से साइलेंट कर दिया है। इन साइलेंसरों की कीमत 15 लाख रुपए के आसापास बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि त्योहारों के मद्देनजर यह कार्रवाई की गई है।

त्योहारों के मौके पर शहर में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए उज्जैन पुलिस ने ऐसा कदम उठाया है। यातायात पुलिस जगह-जगह वाहनों की चेकिंग अभियान चला रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने तेज आवाज वाले साइलेंसर लगी इन सैकड़ों स्पोर्ट्स बाइक और बुलेट जैसे वाहनों को पकड़ा और उन पर यह कार्रवाई की है। पुलिस ने इन वाहनों से तेज आवाज और पटाखों जैसी आवाज करने वाले साइलेंसर जब्त कर लिए। रविवार को इन सभी साइलेंसरों को टॉवर चौक पर रखकर रोड रोलर चला दिया गया। देखते ही देखते 15 मिनट में लाखों रुपये के ये साइलेंसर पापड़ बन गए। इस कार्रवाई को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे।

लगाने और लगवाने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

इस दौरान एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि शहर में माता बहने व वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की कार्रवाई की गई है। उन्होंने लोगों से अपील है कि वे अपने वाहनों में तेज आवाज के साइलेंसर ना लगाए और न ही उसे मॉडिफाई करें। आगामी समय में भी इस प्रकार के साइलेंसर लगाने वाले और लगवाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कुछ साइलेंसरों की कीमत थी एक से दो लाख

गौरतलब है कि कुछ साइलेंसरों की कीमत तो एक से दो लाख रुपये तक थी। पर पुलिस ने किसी को नहीं बख्शा और सभी साइलेंसरों को कुचल दिया। साइलेंसरों पर बुलडोजर को देखने सैकड़ों की संख्या में लोग इकट्ठा हुए। यही नहीं बाइक चालकों पर ढाई से तीन लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई एसपी प्रदीप शर्मा, एडिशनल एसपी नितेश भार्गव और यातायात पुलिस की मौजूदगी में हुई।

मोगा में लॉरेंस बिश्नोई और बंबीहा गैंग के चार शातिर काबू, छह अवैध हथियार बरामद

चंडीगढ़, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोगा पुलिस ने बंबीहा गैंग से जुड़े विदेश में बैठे लकी पटियाल के एक सहयोगी को तीन अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। वहीं लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े मनप्रीत सिंह उर्फ मनी भिंडर के तीन सहयोगियों को तीन अवैध हथियारों की बरामदगी के साथ गिरफ्तार किया। दो गिरोहों के कुल 4 सहयोगियों को 6 अवैध हथियारों की बरामदगी के साथ गिरफ्तार किया गया। ये आरोपी मोगा में जबरन वसूली के लिए व्यवसायी को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे। इन पर दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। इससे पहले रविवार को जालंधर पुलिस ने बंबीहा-कौशल गैंग के पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार बरामद हुए थे। पुलिस को इनसे 9 बंदूकें और 15 कारतूस मिले हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार किए गए बदमाश इन हथियारों को मध्य प्रदेश से तस्करी कर लाए थे।

साइबर हमले के 17 दिन बाद आईटीडीए का डाटा सेंटर बहाल

देहरादून, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश के सबसे बड़े साइबर हमले के 17 दिन बाद आईटीडीए का डाटा सेंटर पूर्ण रूप से बहाल हो गया है। आईटीडीए की निदेशक नितिका खंडेलवाल ने बताया कि एसडीसी पूरी तरह से बहाल हो गया है। वह एप्लिकेशन जो लाइव नहीं चल रहे हैं या बंद हैं, उन्हें डेवलपर से हल कराएंगे। कहा कि हमने आईटीडीए में नवीनतम मशीनें रखी हैं, जहां डेवलपर और एसडीसी टीम, दोनों साथ बैठकर एप व साइटें ठीक कर सकते हैं। हमने संबंधित विभागों को भी इसके बारे में सूचित कर दिया है। वहीं, आईएफएमएस फाइनेंस डाटा सेंटर से काम कर रहा है। आपको बता दें कि तीन अक्तूबर को माकोप रैनसमवेयर का हमला होने के बाद प्रदेश की सभी आईटी सुविधाएं ठप हो गई थीं।

मध्य प्रदेश में विपक्षी गठबंधन में फूट, सपा ने घोषित किया उम्मीदवार

भोपाल, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दल गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने का दावा और वादा कर रहे हैं, लेकनि मध्य प्रदेश में उनका यह गठबंधन बिखरता नजर आ रहा है। क्योंकि राज्य में होने वाले विधानसभा के उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने बुधनी विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

राज्य के दो विधानसभा क्षेत्रों बुधनी और विजयपुर में उपचुनाव हो रहे हैं और 13 नवंबर को मतदान होना है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों सीटों के लिए अपने-अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है। इसी बीच समाजवादी पार्टी ने बुधनी से अर्जुन आर्य को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। अर्जुन आर्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव पद से इस्तीफा देकर सपा में शामिल हुए हैं। ज्ञात हो कि विपक्षी दलों ने आईएनडीआईए मोर्चा बनाया है और सभी मिलकर समय-समय पर एक मंच पर आकर चुनाव लड़ने का दावा और वादा करते रहे हैं। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी इन दलों की बैठक हो चुकी है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर उम्मीदवार को लेकर मंथन भी किया। कांग्रेस ने बुधनी से पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल को उम्मीदवार बनाया और यह सूची आने के कुछ समय बाद ही समाजवादी पार्टी ने रविवार देर रात को बुधनी से अर्जुन आर्य को अपना उम्मीदवार घोषित कर दया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता यश भारतीय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधनी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए अर्जुन आर्य को प्रत्याशी बनाया है।

अर्जुन आर्य समाजवादी पार्टी के पुराने युवा नेता रहे हैं, उन्हें समाजवादी पार्टी के युवा फ्रंटल संगठनों का प्रभारी भी बनाया गया था। बुधनी उपचुनाव में प्रत्याशी बनाए जाने के साथ अर्जुन आर्य की समाजवादी पार्टी में घर वापसी हुई है। वहीं कांग्रेस के पूर्व विधायक और बुधनी के लिए उम्मीदवार चयन करने को बनाई गई कमेटी के सदस्य शैलेंद्र पटेल ने कहा है कि दोनों ही दलों के बीच आपसी समन्वय के बाद ही कांग्रेस ने उम्मीदवार घोषित किया है अभी नामांकन की अंतिम तारीख और नाम वापसी की तारीख शेष है। उन्हें उम्मीद है कबिात बन जाएगी।

डीएपी खाद की कमी पर एक्शन में विधायक गोकुल सेतिया, किसानों को दिलाया मदद का भरोसा

सिरसा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिरसा से कांग्रेस विधायक गोकुल सेतिया ने डीएपी खाद की कमी को लेकर कृषि विभाग का निरीक्षण किया। अपने समर्थकों और किसान संगठनों के साथ कृषि विभाग पहुंचे सेतिया ने उपनिदेशक सुखदेव कंबोज से डीएपी की कमी पर विस्तृत जानकारी ली। गोकुल सेतिया ने दावा किया कि किसी भी हाल में किसानों को डीएपी की किल्लत नहीं होने दी जाएगी और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

हाईकोर्ट में जनहित याचिका, टिकट कालाबाजारी के खिलाफ दिशा-निर्देश जारी करने की मांग

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटिश बैंड कोल्डप्ले के जनवरी 2025 में नवी मुंबई में होने वाले बहुप्रतीक्षित कॉन्सर्ट के लिए ऑनलाइन टिकट बिक्री के दौरान कथित गड़बड़ी की मामले में, प्रमुख आयोजनों में टिकट कालाबाजारी पर लगाम लगाने के लिए दिशा-निर्देश मांगने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है।

टिकटों की बिक्री के दौरान कई अनियमितताएं

मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की खंडपीठ के समक्ष सोमवार को तत्काल सुनवाई के लिए याचिका का उल्लेख किया गया। वकील अमित व्यास की तरफ से दायर जनहित याचिका (पीआईएल) में कहा गया है कि कॉन्सर्ट, लाइव शो आदि जैसे प्रमुख आयोजनों के लिए टिकटों की बिक्री के दौरान कई अनियमितताएं और अवैधताएं हैं। उन्होंने याचिका में दावा किया, कि इस तरह की अनियमितता और अवैधता पिछले महीने देखी गई थी जब कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के टिकट बुक माय शो प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराए गए थे। वकील अमित व्यास की ओर से पेश हुए एक वकील ने हाईकोर्ट को सूचित किया कि कुछ माध्यमिक वेबसाइट अभी भी कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के टिकट अत्यधिक कीमतों पर बेच रही हैं। इस पर पीठ ने कहा कि पुलिस जांच चल रही है और मामले की सुनवाई दिवाली की छुट्टियों के बाद नवंबर में तय की गई है। इस याचिका में अदालत से ऐसे बड़े आयोजनों के लिए कालाबाजारी, टिकट दलाली और ऑनलाइन टिकटों की बिक्री रोकने के लिए सख्त दिशा-निर्देश तय करने की मांग की गई है। पीआईएल में दावा किया गया है कि आईपीएल मैचों, 2023 में होने वाले क्रिकेट विश्व कप मैचों और गायक टेलर स्विफ्ट और दिलजीत दोसांझ के संगीत समारोहों के दौरान इस तरह के अवैध तरीके अपनाए गए। इस तरह के आयोजनों के दौरान आयोजक और टिकटिंग पार्टनर्स टिकटों को दूसरी टिकट वेबसाइटों पर बहुत अधिक कीमत पर सूचीबद्ध करके प्रशंसकों का शोषण करते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 22 अक्टूबर- 2024

गठबंधन में तकरार

लगता है हरियाणा में करारी हार के बाद भी कांग्रेस ने कोई सबक नहीं सीखा है। इसलिए जहां भी वह इंडिया गठबंधन के साथ है वहीं उसके साथी परेशानी महसूस करने लगते हैं। फिर चाहे महाराष्ट्र हो या झारखंड। झारखंड में सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन में शुरू हुई अनबन अब तकरार का रूप ले चुकी है। कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान कर दिया लेकिन आरजेडी को विश्वास में नहीं लिया। दोनों ने मिल कर राजद के लिए सिर्फ छह सीटे दी हैं। इससे राजद मुखिया सहित पार्टी के नेताओं की नाराजगी जायज है। अब राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा धमकी दे रहे हैं कि उनकी पार्टी अकेले चौबीस सीटों पर चुनाव लडेगी। वे कम से कम बारह सीटों पर गठबंधन के मार्फत चुनाव लडने की मांग कर रहे हैं। जाहिर है गठबंधन की इस खींचतान से रही-सही संभावनाएं भी क्षीण होती नजर आ रही हैं। झारखंड में सीट बंटवारे के सवाल पर उसमें स्पष्ट बिखराव दिख रहा है। मजेदार बात तो यह है कि सीट बंटवारे की जिस दिन घोषणा की गई थी उस दिन न सिर्फ राहुल गांधी रांची में मौजूद थे, बल्कि राजद प्रमुख तेजस्वी यादव भी रांची में ही थे। फिर भी, मीडिया में सीट बंटवारे पर सहमति का एलान करते हुए राजद या लेफ्ट का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई नहीं था। एकतरफा घोषणा कर देने से ही राजद व लेफ्ट का माथा ठनका है। झारखंड में 81 में से 70 सीटों पर कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा लड़ेंगे। बाकी सीटें राजद और सीपीआई-एमएल को दी जानी हैं। मगर किसे कितनी सीटें मिलेंगी, इसे लेकर अटकलबाजी जारी है। कुछ ही समय पहले यूपी में दस सीटों पर हो रहे उपचुनाव के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने भी कुछ ऐसा ही किया था। कांग्रेस को विश्वास में लिए बगैर दस में से छह सीटों पर उसने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिया। वैसे तो राज्यों के चुनावों में पार्टियों का ऐसा रुख पहले भी दिखता रहा है, लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद इंडिया के क्षेत्रीय घटक दलों के बीच उसका रुतबा घट गया है। इसलिए सोमवार को कांग्रेस ने यूपी में चुनाव न लडने का ऐलान कर दिया है। लेकिन झारखंड में कांग्रेस को जिस तरह से जेएमएम का साथ मिला है, उसने पार्टी के लिए टानिक का काम किया है। राजद को झटका देकर कांग्रेस ने घटक दलों को जवाब देने की कोशिश की है। वैसे, अगर पिछले चुनावों के आंकड़ों की कसौटी पर कसें तो सीट बंटवारे का जेएमएम-कांग्रेस फॉर्म्युला अटपटा नहीं लगता। पिछले विधानसभा चुनाव में राजद ने सात सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे और एक सीट पर उसे जीत मिली थी। पांच सीटों पर वह दूसरे नंबर की पार्टी थी। ऐसे में उसे छह सीटों की पेशकश एक स्तर पर तर्कसंगत ही माना जाना चाहिए। लेकिन राजद इसे राज्य में अपने बढ़े हुए प्रभाव के आधार पर गलत करार दे रहा है। उसका कहना है कि आपसी बातचीत से मिलजुलकर कोई रास्ता निकाला जाना चाहिए था। दूसरे शब्दों में, उसे कुछ ज्यादा सीटें दी जानी चाहिए थीं। खास बात यह कि कोई सर्वसम्मत फॉर्म्युला न निकाले जाने पर उसने 15 से 24 सीटें ऐसी बताई हैं जिन पर उसे भरोसा है कि राष्ट्रीय जनता दल, बीजेपी को हरा भी सकता है। अगर इसे बढ़ा-चढ़ाकर दिया गया बयान मान भी लें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पार्टी इन सीटों पर इंडिया गठबंधन की संभावनाओं से खेला कर सकती है। आखिर, हरियाणा में कुछ हजार वोटों के अंतर से कांग्रेस के हाथ से तीसरी बार सत्ता की चाबी फिसली है। इसलिए अच्छा होगा कि गठबंधन के साथी समय रहते आपसी तालमेल से पुनर्विचार कर लें।

भ्रष्टाचार के साए में दीपावली

रामविलास जांगिड़

हमेशा की तरह चोर, अफसर और एक बाबू अपने-अपने भ्रष्टाचारी तरीके से दीपावली का त्योहार को मनाने की तैयारी कर रहे थे। भ्रष्टाचार की मिठाई चखते हुए, नए नोटों की झालर लगाकर और झूठ कु फुलझड़ियों में मस्त होकर एक ऐसी दीपावली मना रहे थे, जिसे देखकर राह चलते हुए कोई भी लक्ष्मी जी अपना माथा पीट लें। चोर कई दिनों से ही दीपावली की तैयारी में जुटा था। उसने सोचा, आज का दिन बड़ा शुभ है। लक्ष्मी जी तो वैसे भी चोरी की गाड़ी में बैठकर आती हैं, तो क्यों न मैं भी कुछ घरों में जाकर उनकी सवारी कर लूं? उसने पुराने औजारों की जगह नए चमचमाते औजार खरीदे। त्योहार का मौका है, भईया, पुरानी चीज़ों से काम नहीं चलेगा। उसने रात के लिए अपना 'शुभ मुहूर्त' तय कर लिया। जब लोग पटाखे फोड़ रहे होंगे, तब वह घरों के ताले फोड़ रहा होगा। फिर उसने एक बड़ा पिटारा खोला, जिसमें हर तरफ नए नोट थे। उसने उन नोटों को दीपों की तरह सजाया। उधर अफसर जी की दीपावली तैयारी भी जोर-शोर से चल रही थी। सरकारी फाइलें एक ओर पड़ी थीं और फाइलों के नीचे से नोटों की गड्डियाँ झाँक रही थीं। वह अपने चपरासी से कह रहे थे, देखो, इस बार के सारे घोटालों की फाइलें बंद करो। ये दीपावली हमारे लिए खास है। घर में तो रोशनी की कोई कमी नहीं थी, क्योंकि हर ठेकेदार और सप्लायर की ओर से भारी-भरकम गिफ्ट्स आ रहे थे। इस साल की दीवाली सबसे जगमग होनी चाहिए, उन्होंने अपनी पत्नी से कहा। सड़क बनाने के ठेके से जो मिला है, वो चंदे के रूप में डबल करके दिखाओ। अफसर जी ने सरकारी गाड़ी में घूमते हुए शहर के हर कोने को देखा, जहां उनके इशारे पर ठेकेदारी चलती थी। वह हर जगह जाकर इस बात की तसल्ली कर रहे थे कि उनके दिए आदेशों का पालन ठीक से हो रहा है या नहीं। उनकी दीपावली की तैयारी का मुख्य आकर्षण रहा, शहर की सड़कों पर लगे सजावटी बल्ब, जो उन्होंने 'कमीशन' से खरीदे थे। बाबू जी की दीपावली का रंग भी निराला था। वो दफ्तर में फाइलों के बीच बैठे थे, लेकिन मन उनके दिमाग में नोटों वाली लक्ष्मी के प्रति पूरी तरह समर्पित था। फाइलों पर मंत्री जी की सिफारिश लगी है, इसमें रोकड़ा नहीं मिलेगा। इसलिए उसने सिफारिश वाली फाइलों को एक किनारे रखा और तुरंत अपने अलमारी से मिठाई का डिब्बा निकाला। ये असली मिठाई तो वो है, जो सरकारी सिस्टम से मिलती है। बाकी लोग तो मिठाई के डिब्बे में खील-बताशे डालकर आते हैं, लेकिन असली आनंद तो नोटों का है। उनके पास हर साल की तरह इस बार भी गिफ्ट का ढेर लग गया था। वह इस भ्रष्टाचारी फेस्टिवल को बड़े शान से मना रहा था। उन्होंने एक हाथ से फाइलों पर हस्ताक्षर किए और दूसरे हाथ से मिठाई खाते हुए कहा, लक्ष्मी जी के स्वागत का सही तरीका तो यही है! बाबू जी ने अपने घर को सरकारी टेंडर के बचे हुए माल से सजाया। दीपावली की रात को जब सब अपने-अपने घरों में लक्ष्मी पूजा कर रहे थे, तब ये तीनों भ्रष्टाचारी अपने तरीके से लक्ष्मी जी का स्वागत कर रहे थे। चोर ने अपने लूट के पैसे लेकर खूब आतिशबाजी की। अफसर जी ने अपने सरकारी ठेकों के पैसों से पार्टी दी और बाबू ने सरकारी गिफ्ट्स का भव्य आयोजन किया। चोर ने कहा, हम चोरों की दुनिया में हैं। यही हमारा त्योहार है।

अफसर बोला, अरे भाई, हम तो अफसर हैं। भ्रष्टाचार पर पहला हक हमारा है। बाबू ने भी सहमति जताते हुए कहा, और मैं बाबू हूं, हमारे बिना तो कोई भी घोटाला सफल नहीं होता।

जातीय आंदोलन से शुरू हुआ राजनीतिक नेता 'मनोज जरांगे'

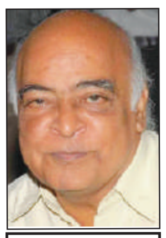
अशोक भाटिया

मराठा आरक्षण आन्दोलन के कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र की उन विधानसभा सीटों पर मराठा उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है, जहां इस समुदाय के लोगों की अच्छी-खासी आबादी है। जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में जरांगे ने कहा कि वह केवल उन्हीं सीटों पर मराठा उम्मीदवार उतारेंगे, जहां समुदाय की जीत की संभावना है। जरांगे ने कहा कि उनका समूह अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए आरक्षित क्षेत्रों में मराठा मुद्दों का समर्थन करने वाले अन्य उम्मीदवारों का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि जिन निर्वाचन क्षेत्रों में मराठा समुदाय की जीत की संभावना नहीं है, वहां उनका समूह पार्टी, जाति या धर्म की परवाह किए बिना उम्मीदवारों का समर्थन करेगा। बशर्ते वे आरक्षण की मांग का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हों। मनोज जरांगे ने कहा कि जो उम्मीदवार उपरोक्त मांग से सहमत हैं, उन्हें लिखित प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर करना होगा। माना जा रहा है कि इस कदम से कई उम्मीदवारों का राजनीतिक समीकरण बिगड़ सकता है। मालूम हो कि महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। जरांगे ने संभावित उम्मीदवारों से नामांकन पत्र दाखिल करने का आग्रह करते हुए कहा कि उनकी उम्मीदवारी के बारे में अंतिम निर्णय 29 अक्टूबर को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी उम्मीदवार से नामांकन वापस लेने का अनुरोध किया जाता है तो उसे इसका अनुपालन करके नामांकन पत्र वापस लेना होगा। हाल फ़िलहाल उन्होंने अपनी पार्टी का नाम नहीं रखा है । जरांगे ने कहा कि मराठा समाज का जो उम्मीदवार कहने के बावजूद नाम वापस नहीं लेगा, समाज समझेगा कि उसने पैसा खाया है। उन्होंने कहा कि मराठवाडा की कई सीटों पर मराठा वोटिंग 1 लाख से ज्यादा है। इतने बहुमत को तोड़ना किसी के लिए भी संभव नहीं है। कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में अन्य समीकरण महत्वपूर्ण हैं। वह उन समीकरणों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। अगर समीकरण जुड़ गए तो ठीक है, लेकिन अगर नहीं जुड़े, तो सबके लिए मुश्किल होगी। गौरतलब है कि 2015 गुजरात की राजनीति में एक महत्वपूर्ण वर्ष था, । उस वर्ष, राजस्थान के गुज्जर आंदोलन से प्रेरित होकर, गुजरात के पाटीदार समुदाय ने जुलाई के महीने में अपना आंदोलन शुरू किया, जिसमें ओबीसी दर्जे और प्रभावी रूप से सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग की गई।इस आंदोलन की अगुआई पाटीदार अनामत आंदोलन समिति ने की थी, जिसके नेता हार्दिक पटेल थे। उस समय उनकी लोकप्रियता, सिर्फ़ 22 साल की उम्र के बावजूद, इतनी ज़्यादा थी कि लाखों पटेलों की भीड़ उन्हें पाटीदारों के साथ हो रहे अन्याय के बारे में बोलते हुए सुनने के लिए इकट्ठा हुई थी।इसी पाटीदार आंदोलन से गुजरात में एक राजनीतिक नेता तैयार हो गए हार्दिक पटेल । इसी से प्रेरित होकर शायद महाराष्ट्र में जातीय आन्दोलन कर रहे मनोज जरांगे-पाटिल भी राजनीतिक क्षेत्र में कूद पड़े है । मनोज जरांगे-पाटिल के मराठा आरक्षण आन्दोलन की कहानी भी गुजरात के हार्दिक पटेल से मिलाती जुलती है ।इस साल अगस्त के आखिर से, महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त मराठवाड़ा क्षेत्र से आने वाले 41 वर्षीय मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे-पाटिल ने राज्य में सभी मराठों के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में पूर्ण आरक्षण की मांग करके एकनाथ शिंदे सरकार को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है । श्री जरांगे -पाटिल ने 2 नवंबर को अपना दूसरा अनशन वापस ले लिया, जब सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें मराठों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रमाण पत्र देकर और उन्हें ओबीसी कुनबी श्रेणी में शामिल करके आरक्षण देने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए और समय (2 जनवरी, 2024 तक) देने के लिए मना लिया। मराठा आरक्षण आंदोलन के पुनर्जीवित होने का तात्कालिक कारण जालना जिले (मुंबई से 400 किमी।) के अंतरवाली सरती गांव में 1 सितंबर को प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प थी, जहां श्री जारेंजे-पाटिल, जो अब तक अज्ञात थे, 29 अगस्त से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षाकर्मियों पर पथराव करके हिंसा शुरू करने का आरोप लगाया, जबकि आंदोलनकारियों ने दावा किया कि पुलिस ने उन पर अनुचित लाठीचार्ज किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मुद्दे ने तेजी से राजनीतिक रंग ले लिया और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और श्री शिंदे द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के बावजूद, श्री जरांगे-पाटिल अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर चले गए, उन्होंने पीने का पानी भी त्याग दिया। श्री शिंदे के बार-बार मनाने के बाद कार्यकर्ता ने आखिरकार 14 सितंबर को हड़ताल वापस ले ली और सरकार को सभी मराठों को ओबीसी कुनबी समुदाय का सदस्य मानने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए 40 दिन की समयसीमा दी। मुख्यमंत्री ने मराठों को ओबीसी प्रमाण पत्र देने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित करने के लिए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संदीप शिंदे के नेतृत्व में पांच सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। हालांकि, 24 अक्टूबर को समय सीमा समाप्त होने पर श्री जारांगे-पाटिल ने अपनी दूसरी भूख हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने घोषणा की कि जब तक मराठों को उनका कोटा नहीं मिल जाता, तब तक सभी राजनेताओं को गांवों में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले मनोज जरांगे-पाटिल कभी जालना के युवा कांग्रेस जिला प्रमुख थे। उन्होंने 2003 में इस पद से इस्तीफा देकर 'शिवबा संगठन' नाम से अपना खुद का संगठन बनाया। श्री जरांगे-पाटिल के विरोध की प्रकृति 1982 की है, जब सतारा से कांग्रेस के विधायक अन्नासाहेब पाटिल ने आर्थिक मानदंडों के आधार पर आरक्षण की मांग करके अपनी पार्टी की लाइन के खिलाफ जाकर काम किया था। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे अपनी जान ले लेंगे और 1982 में उन्होंने दुखद रूप से खुद को गोली मार ली थी। अपने से पहले अन्नासाहेब की तरह, श्री जरांगे-पाटिल ने भी खुद को ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया है जिसे सत्ताधारी सत्ताधारी ₹संभाल नहीं सकते₹। सरकार पर उनका दबाव ऐसे समय में आया है जब सत्तारूढ़ भाजपा महाराष्ट्र में राजनीतिक रूप से कमजोर है, और अपने गठबंधन सहयोगियों - सीएम शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) गुट के बीच सामंजस्य बनाए रखने और विदर्भ में अपने मूल ओबीसी मतदाता आधार को बरकरार रखने के लिए संघर्ष कर रही है। दरअसल मराठा आरक्षण का मुद्दा 2016 में सुर्खियों में आया था, जब अहमदनगर के कोपार्डी में मराठा समुदाय की एक नाबालिग लड़की के बलात्कार-हत्या की घटना हुई थी, जिसके बाद मराठाओं ने राज्य भर में करीब 60 'मूक मोर्चा' (मौन रैलियां) निकाले थे, जो करीब दो साल तक चले थे।

इन रैलियों ने मराठा आरक्षण के लिए समुदाय के लंबे समय से चले आ रहे दावे को सामने ला दिया। हालांकि, ये रैलियां काफी हद तक शांतिपूर्ण रहीं। इसके विपरीत, श्री जारांगे-पाटिल के दूसरे भूख हड़ताल के दौरान आंदोलन ने मराठवाड़ा और अन्य जगहों पर अराजकता फैला दी, कार्यकर्ताओं ने वाहनों में तोड़फोड़ की और राजनेताओं और उनसे जुड़े लोगों के घरों में आग लगा दी। कुछ समय के लिए, इन कार्यकर्ताओं ने राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया, बस सेवाओं को बाधित किया और आवागमन को पूरी तरह से बाधित करने की धमकी दी। हिंसा विपक्ष और सत्तारूढ़ राजनेताओं दोनों के खिलाफ सामूहिक गुस्से का संकेत है, जो पिछले कुछ वर्षों में उनके खोखले वादों के लिए हैं। महाराष्ट्र के 20 मुख्यमंत्रियों में से 12 मराठा समुदाय से होने के बावजूद, मराठों के लिए आरक्षण अभी भी मायावी साबित हुआ है। 2018 में, महाराष्ट्र विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया था, जिसमें मराठा समुदाय को सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (SEBC) का दर्जा देकर नौकरियों और शिक्षा में 16% आरक्षण दिया गया था।

भारत विरोधी ताकतों का शिगूफा विमानों में बम की धमकी!

मनोज कुमार अग्रवाल

देश में विमानों को उड़ाने की धमकी देने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, जो काफी चिंता की बात है,भारत के आसमान में हाल ही में बम धमकी की घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। देशभर की एयरलाइंस को एक हफ्ते में 75 से ज्यादा बम की धमकियाँ मिली हैं, जिनमें से अधिकांश झूठी साबित हुईं। इन घटनाओं ने यात्रियों में डर और असुविधा का माहौल पैदा किया है, जबकि एयरलाइंस और सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव बना है। इस संदर्भ में नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो और अन्य संबंधित एजेंसियाँ लगातार प्रयासरत हैं कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो। आपको बता दें कि सिर्फ शनिवार 19 अक्टूबर 2024 को ही 30 से अधिक विमानों को बम की धमकी मिली, जिससे हवाई सुरक्षा में चिंता बढ़ गई। अब तक कुल 75 विमानों को धमकियाँ मिल चुकी हैं। इन विमानों में विस्तारा , इंडिगो, एयर इंडिया , स्पाइसजेट ,अकासा , स्टार एअर और एलायंस एयर शामिल थीं। इस बीच, मुंबई से कोलंबो जा रही एक विसतारा की फ्लाइट में बम की खबर मिलने के बाद सभी 96 यात्रियों और 8 क्रू सदस्यों को सुरक्षित उतारा गया। इसके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को भी धमकियों का सामना करना पड़ा। हालाँकि जाँच के बाद यह पाया गया कि अधिकांश धमकी फर्जी थीं। यह भी बता दें कि हर एक फर्जी धमकी के बाद होने वाली जाँच और प्रोटोकॉल को पूरा करने में काफी समय और पैसा खर्च होता है। ऐसी हर एक धमकी पर 3 करोड़ से ज्यादा का नुकसान होता है। एक अनुमान के मुताबिक, इन धमकियों से अब तक 200 करोड़ से अधिक का नुकसान हो चुका है। साथ ही यात्रियों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।क्योंकि फर्जी कॉल से आम सवारियों की सांसें हवा में ही अटक जाती है। इसके साथ ही सरकार और विमानन कंपनियों के भी हाथ पांव ठंडे पड़ने लगते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार और विमानन कंपनियों के तरफ से उठाये जा रहे सख्त कदमों के बावजूद ऐसी धमकियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। इससे तो यही साबित होता है कि ऐसा करने वालों को किसी भी प्रकार का डर या भय रही है। हवाई यात्रा को बेहद सुरक्षित और सुगम्य साधन माना जाता है। रेलगाड़ियों में भीड़भाड़ और अधिक समय लगने से यात्रियों का एक बड़ा वर्ग हवाई यात्रा को प्राथमिकता देता है। मगर यहां भी लेटलतीफी, उड़ानों के रद्द होने और विमानों में बम रखे जाने के फर्जी संदेशों तथा धमकियों ने उन्हें मुश्किल में डाल दिया है। यह एक बड़ा सवाल है कि सोशल मीडिया मंच से या ई-मेल भेज कर कोई इस तरह खुलेआम धमकी कैसे दे सकता है। यह हाल तब है जबकि ऐसे फर्जी संदेशों को पकड़ने की आधुनिक तकनीक हमारे पास उपलब्ध है। फिर भी सुरक्षा एजेंसियां झूठी धमकियां देने वालों का पता नहीं लगा पार्टी। आरोपी कहीं भी बैठ कर अपनी हरकत दोहराते रहते हैं। ऐसी घटनाओं से जहां एक ओर सुरक्षित यात्रा के प्रति भरोसा टूटता है, वहीं यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है। इसके साथ ही विमानों में अम की 1 फर्जी कॉल से किसी भी विमानन कंपनी का कम से कम 3 करोड़ रुपये स्वाहा हो जाते हैं। इन शरारती तत्वों ने पिछले कुछ दिनों में करीब 75 विमानों में बम होने की धमकी दी है, जिससे करीब 200 करोड़ रुपये के नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। बम की झूठी धमकी को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं कि कहीं यह वित्तीय आतंकवाद का हिस्सा तो नहीं है? एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 14 अक्टूबर को 130 टन जेट ईंधन से लदे एयर इंडिया बोइंग 777 विमान ने मुंबई से न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे के लिए 16 घंटे की नॉनस्टॉप उड़ान भरी। हालांकि, उड़ान भरने के तुरंत बाद एयरलाइन को बम की धमकी मिली। इस कारण एयर इंडिया के इस विमान को न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे पर ले जाने के बजाय दो घंटे के भीतर दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। यह घटना न केवल सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है, बल्कि एयरलाइन के लिए एक महंगा सौदा भी है। यात्रियों, सामान और कार्यों के साथ विमान का करीब 340-350 टन के बीच था। बोइंग 777 विमान की लैंडिंग का अधिकतम वजन 250 टन है। सुरक्षित रूप से उतरने के लिए चालक दल को लगभग 100 टन इंधन फेंकना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे न केवल ईंधन की बर्बादी हुई, बल्कि इंधन की लागत के तौर 1 करोड़ रुपये का भी नुकसान हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरजेंसी लैंडिंग के विमान में सवार 200 से अधिक यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को होटल में ठहरने की व्यवस्था, छूटे हुए कनेक्शन के लिए मुआवजा, गहन जांच के लिए विमान को रोकना और नए चालक दल की व्यवस्था करने में विमानन कंपनी को अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है, जिससे उड़ान की लागत बढ़ जाती है। एविएशन इंडस्ट्रीज के सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि विमान में बम होने की फर्जी कॉल से विमानन कंपनियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। एयरलाइन अधिकारियों ने विमान में फर्जी कॉल को वित्तीय आतंकवाद बताया है और उन्होंने इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि त्योहारों का सीजन है और विमानने यात्रियों में डर का माहौल पैदा नहीं करना चाहते। यही कारण है कि एयरलाइंस किसी भी खतरे को हल्के में नहीं ले रही हैं, भले ही उन्हें विश्वसनीय माना जाए या नहीं। बम की झूठी धमकियों से सरकार भी तंग आ चुकी है। इसको देखते हुए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने संकेत दिया है कि मंत्रालय अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उरुयन नियमों में संशोधन पर काम कर रहा है। विमानन मंत्रालय इस तरह के खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियमों की समीक्षा कर रहा है। इसके अलावा मंत्रालय बम की धमकी के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों को नो-फ्लाई सूची में रखने का भी निर्णय ले चुका है। इसके अलावा सरकार भी इन घटनाओं के मद्देनजर, गृह मंत्रालय ने कई सुरक्षा एजेंसियों जैसे कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नागरिक उड्डयन ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी और खुफिया ब्यूरो को निर्देश दिया है कि वे इन धमकियों की समीक्षा करें और समय-समय पर अपडेट प्रदान करें। बम की धमकियों के घटनाक्रम बेहद चिंतनीय विषय है, क्योंकि यह बेहर संवेदनशील विषय है। यात्रियों की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित होनी चाहिए और अच्छी बात है कि किसी भी धमकी को एयरलाइंस कंपनियां हल्के में नहीं ले रही है।

वोट रूपी चाबी दे दी

डॉ टी महादेव राव

अगर बोलने वाले को शर्म नहीं है कम से कम सुनने वाले अपने विवेक से काम लें। कहते हैं झूठ भी ऐसे बोलो कि सामने वाले को उस पर यकीन आए। नारियल का पेड़ क्यों चढ़ा कहकर किसी से पूछा गया तो बताया कि बछड़े के घास के लिए। जो ऐसा कह कर समाज में लोगों की मुंह बंद कर सकता है वही बड़ा आदमी है। ऐसा व्यक्ति ही भ्रष्टाचार और अवैध कमाई में अव्वल होता है। हमारे बहुत सारे नेताश्री इसमें पीएचडी कर चुके हैं। उनके प्रियतम शिष्यों के रूप में कुछ अधिकारी और भ्रष्टाचारी उन्हीं के पदचिन्हों पर चल रहे हैं। चल ही नहीं रहे मैराथन दौड़ रहे हैं। परोसने वाला अपना बंदा हो तो कहीं भी बैठो पंगत में, आपको सब कुछ मिलेगा- यही सिद्ध कर रहा है अधिकारियों की व्यवस्था।

इस तरह हमारे जीवन से कितनी चीजें हैं जिन्हें जाने अनजाने लोग बाग लिये जा रहे हैं, गायब किए जा रहे हैं। कभी ध्यान दिया है? नई नई बनी सड़क को रातों-रात वर्षा उड़ा ले जाती है। विकास के कामों में पैसे और गुणवत्ता को भ्रष्टाचार निगल लेता है। सरकारी अस्पतालों में दवाइयां गायब हो जाती हैं और वे कालाबाजारी के काम आती हैं। सारी कल्याणकारी योजनाओं में असली हकदारों के नाम पता नहीं कैसे गायब हो जाते हैं? चुनाव के समय जनता के सारे वोटों को, शराब और पैसा अपने मुट्ठी में कर जाती हैं। सच कहा जाये तो लोकतंत्र में जनता ही शासक है वाले सच को हमारे नेतागण जनता के दिमाग से न जाने कब चुरा ले गए हैं। अब सच तो यह है कि आसमान को छूते चीजों के दाम सामान्य जन की मन की शांति गायब कर रहे हैं। निजी अस्पतालों में अगर भर्ती हुए तो जायदाद के पते बदले जा रहे हैं। कारपोरेट स्कूलों में बच्चों को भर्ती करने पर अपनी जेब में पैसा ठहरता ही नहीं। इन सब का कारण नेताओं में उत्तरदायित्व और ईमानदारी का अभाव है।

सही है लेकिन हर एक पाप भरे काम के पीछे एक नेता का हाथ होता है। यह ऐतिहासिक सारांश है। आजकल वास्तव में राजनीति का मतलब ही कुतंत्र और षड्यंत्र है, यह बड़ा सा कुआं है। लूट के लिए राजमार्ग है। व्यवस्था के सारे कुलक्षणों का वही केंद्र है। पिछले दिनों बिहार में दो बड़े पुलों का लोहा गैस कटर से काटकर रातों-रात गायब कर दिया गया। मुझे बताओ बिना नेताओं के वरदहस्त के इतने साहस के साथ इतना बड़ा काम कौन कर सकता है। जोर शोर से जिन योजनाओं का की घोषणा होती है वे अधिकतर सत्ता पार्टी के कार्यकर्ताओं को ही मिलते हैं। फिर भी जो लोग संतुष्ट नहीं होते हैं वैसे लोगों को खुश करने के लिए इस तरह के पुल को गायब करने का वरदान दिया जा रहा है हमारे नेताओं द्वारा। जब नेता ने हां कह दिया तो अधिकारियों और बाकी लोगों की मदद और बंटवारे का कार्यक्रम तो चलता ही रहता है।

नेट पर बढ़ती निर्भरता शोध के दायरे को सीमित कर सकती है

प्रियंका सौरभ

नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट जिसे यूजीसी नेट या एनटीए-यूजीसी-नेट के रूप में भी जाना जाता है, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर के लेक्चररशिप के लिए योग्यता और भारतीय नागरिकों के लिए जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पुरस्कार के लिए निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है। इसका उद्देश्य शिक्षण व्यवसायों और अनुसंधान में प्रवेशकों के लिए न्यूनतम मानक सुनिश्चित करना है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) सहायक प्रोफेसर के लिए पात्रता या केवल जूनियर रिसर्च फेलोशिप और सहायक प्रोफेसर की योग्यता के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों दोनों में भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए परीक्षण आयोजित करती है। पारंपरिक रूप से जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और सहायक प्रोफेसरशिप पात्रता के लिए उपयोग की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) अब भारत में पीएचडी प्रवेश के लिए एक प्रमुख मानदंड बन गई है। इस बदलाव ने अकादमिक समुदाय के भीतर इस चिंता के कारण काफ़ी बहस छेड़ दी है कि क्या परीक्षण वास्तविक शोध क्षमता की पहचान करने के लिए उपयुक्त है। नेट एक बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) आधारित परीक्षा है जो मुख्य रूप से स्मृति और याददाश्त जैसी निचले क्रम की संज्ञानात्मक क्षमताओं का आकलन करती है। ये क्षमताएँ कुछ संदर्भों में उपयोगी हैं लेकिन डॉक्टरेट स्तर के अनुसंधान के लिए आवश्यक महत्त्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक कौशल का मूल्यांकन करने में कम पड़ जाती हैं। पीएचडी अनुसंधान जटिल विचारों, मौजूदा ज्ञान के महत्त्वपूर्ण विश्लेषण और मूल अंतर्दृष्टि में योगदान करने के लिए रचनात्मकता की मांग करता है, विशेष रूप से साहित्य, सामाजिक विज्ञान और मानविकी जैसे विषयों में तथ्यात्मक स्मरण और तुच्छ प्रश्नों पर नेट का ध्यान उम्मीदवारों की प्रदर्शन करने की क्षमता को कमजोर करता है। सूक्ष्म तर्क विकसित करने और व्यापक सैद्धांतिक अवधारणाओं के साथ जुड़ने की उनकी क्षमता। नेट स्कोर पर निर्भरता से हाशिए पर रहने वाले समुदाय असमान रूप से प्रभावित होते हैं। इन छात्रों को अक्सर प्रणालीगत बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे संसाधनों तक सीमित पहुँच और उच्च लागत वाली कोचिंग, जो नेट पास करने के लिए तेजी से आवश्यक होती जा रही हैं। परिणामस्वरूप, इन पृष्ठभूमियों के प्रतिभाषाली व्यक्तियों को उनकी बौद्धिक क्षमता के बावजूद पीएचडी कार्यक्रमों से बाहर रखा जा सकता है।

नेट के माध्यम से पीएचडी प्रवेश के केंद्रीकरण से उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता को ख़तरा है। परंपरागत रूप से, विश्वविद्यालयों को अपने शोध प्रस्तावों, साक्षात्कार और अनुशासन-विशिष्ट परीक्षणों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन करने की स्वतंत्रता है। यह स्वायत्तता संस्थानों को उन उम्मीदवारों को भर्ती करने की अनुमति देती है जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप होते हैं। एक आकार-सभी के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण के माध्यम से प्रवेश को केंद्रीकृत करने से उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक अनुसंधान के लिए महत्त्वपूर्ण विविधता और नवाचार के क्षीण होने का जोखिम होता है, जैसे कि सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) ने पहले ही भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में संस्थागत स्वायत्तता के क्षरण के बारे में चिंता जताई है।

नेट प्रणाली छात्रों को डॉक्टरेट अनुसंधान की कठोरता के लिए तैयार नहीं करती है। पीएचडी उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे मूल अंतर्दृष्टि प्रदान करें, सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित करें और विद्वानों के प्रवचन में संलग्न हों-प्रतिभाशाली छात्रों का विदेश में पलायन पीएचडी कार्यक्रमों के लिए संस्थानों को घरेलू प्रणाली की सीमाओं के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है, जहाँ मानकीकृत परीक्षण पर ज़ोर को रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को दबाने के रूप में देखा जाता है। नेट पर बढ़ती निर्भरता अनजाने में भारत में शोध के दायरे को सीमित कर सकती है। अनुसंधान विचार, कार्यप्रणाली और परिप्रेक्ष्य की विविधता पर पनपता है। नेट जैसे मानकीकृत परीक्षण, जो आलोचनात्मक सोच पर याद रखने को प्राथमिकता देते हैं, ऐसे विद्वान पैदा कर सकते हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण करने में माहिर हैं लेकिन ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता का अभाव है, पूछताछ की यह संकीर्णता नवाचार और मूल विचारों के विकास, दोनों को सीमित कर सकती है शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के कई शीर्ष विश्वविद्यालय पीएचडी प्रवेश के लिए समग्र दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं।

कार्तिक मास में घर के बाहर बनाएं रंगोली

सुबह घर में करें गंगाजल का छिड़काव और शाम को तुलसी के पास जलाएं दीपक

इअभी कार्तिक मास चल रहा है और आज इस महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी है। इसे करवा चौथ कहा जाता है। इस तिथि पर महिलाएं अपने जीवन साथी की लंबी उम्र, सौभाग्य और अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्रत करती हैं। इसके बाद कार्तिक मास में पुष्य नक्षत्र, धनतेरस, दीपावली, देवउठनी एकादशी और देव दीपावली जैसे व्रत-पर्व मनाई जाएंगे। इन तीज-त्योहारों की वजह से कार्तिक मास का महत्व अन्य महीनों की अपेक्षा काफी अधिक है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक कार्तिक मास में कुछ खास शुभ काम रोज करेंगे तो घर में सकारात्मकता और पवित्रता बनी रहेगी। त्योहारों के समय में घर का वातावरण प्रसन्नता देने वाला और सुखद बना रहेगा। जानिए कार्तिक मास में रोज कौन-कौन शुभ काम कर सकते हैं...

घर के बाहर बनाएं रंगोली

कार्तिक मास में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए और घर की साफ-सफाई करने के बाद घर के बाहर रंगोली बनानी चाहिए। रंगोली बनाने से घर के आसपास का वातारवण सकारात्मक और पवित्र बनता है और घर की सुंदरता भी बढ़ती है। रंगोली की वजह से त्योहारों को लेकर उत्साह बना रहता है।

गंगाजल का करें छिड़काव

कार्तिक मास त्योहारों का महीना है और इस महीने में देवी लक्ष्मी की कृपा पाने का महापर्व दीपावली भी मनाते हैं। देवी लक्ष्मी की कृपा उन्हीं घरों पर होती है, जहां सकारात्मकता और पवित्रता बनी रहती है। घर के वातावरण को शुद्ध और पवित्र बनाने के लिए रोज सुबह हर कमरे की सफाई करें और फिर गंगाजल का छिड़काव करें। गंगाजल के संबंध में मान्यता है कि इसके स्पर्श से हर एक चीज पवित्र हो जाती है। गंगाजल के स्पर्श मात्र से पाप कर्मों के फल नष्ट हो जाते हैं, ऐसी मान्यता है।

घर के मंदिर में जलाएं कर्पूर

घर के मंदिर में पूजा करते समय कर्पूर जरूर जलाना चाहिए। कर्पूर की महक घर में सकारात्मकता बढ़ती है। कर्पूर जलाने से घर का माहौल धार्मिक बनता है। कपूर के बारे में कहा जाता है कि इसकी सुगंध से वातावरण में मौजूद हानिकारक सूक्ष्म जीवाणु खत्म होते हैं। पूजा या हवन करते समय जब हम कर्पूर जलाते हैं तो उससे निकलने वाला धुआं आसपास की नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है।

घर के मुख्य द्वार पर रोज जलाएं दीपक

अभी कार्तिक मास चल रहा है और इस मास में लगभग हर रोज कोई न कोई व्रत-पर्व मनाया जाता है। ये महीना अंधकार दूर करके जीवन में प्रकाश बढ़ाने का संदेश देता है। इसलिए रोज रात में घर के मुख्य द्वार पर दीपक जरूर जलाएं और दीपक जलाते समय मन ये भाव रखे कि देवी-देवताओं की कृपा से हमारे घर से दुखों का अंधकार दूर हो और हम सभी जीवन में दीपक की रोशनी के जैसा प्रकाश आए।

सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास जलाएं दीपक

कार्तिक मास में भगवान विष्णु और महालक्ष्मी की विशेष पूजा करने की परंपरा है। विष्णु-लक्ष्मी के साथ ही विष्णु प्रिया तुलसी की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। इस मास में रोज सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास दीपक जलाएं। तुलसी की वजह से घर के आसपास का वातावरण सकारात्मक बना रहता है। तुलसी घर के वास्तुदोष भी दूर करती है, इसलिए घर के आंगन में तुलसी लगाने की परंपरा है।

दिवाली पर भूलकर भी घर न लाएं ये चीजें, वरना लक्ष्मीजी होंगी नाराज

हिंदू धर्म में दिवाली को 'दीपों की रोशनी' का पर्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को दीपावली का त्यौहार मनाया जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी के साथ भगवान गणेश और कुबेर देव की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि दिवाली के दिन माता लक्ष्मी पृथ्वीलोक पर भ्रमण करने के लिए आती हैं और अपने भक्तों से प्रसन्न होकर उनपर अपनी असीम कृपा बरसाती हैं।

शास्त्रों के अनुसार जिस घर में साफ-सफाई होती है, मां लक्ष्मी वहीं वास करती हैं। इसलिए दिवाली के पहले बहुत से लोग घर में नई वस्तु लाते हैं। लेकिन कुछ चीजें हैं जिन्हें भूल से भी नहीं लाना चाहिए। आइए जानते हैं उज्जैन के पंडित आनंद भारद्वाज से...

भूल से भी घर न लाएं ये चीजें...

– बहुत से लोग घर में दिवाली के पहले वस्तु लाते हैं, लेकिन दिवाली के दिन घर में टूटी हुई चीजें, जैसे बर्तन, फर्नीचर या सजावटी सामान, नकारात्मक ऊर्जा का कारण बनता है। इन्हें बेकार में घर में नहीं रखना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी नाराज होती हैं।

– दीवाली का पर्व बहुत बड़ा पर्व माना जाता है। इसलिए घर में कभी भी नकारात्मकता को दर्शाने वाली तस्वीरों को नहीं लगाना चाहिए, जैसे युद्ध, संघर्ष या उदासी की तस्वीरें। इन्हें हटाकर घर में सकारात्मक और प्रेरणादायक चित्रों को लगाना चाहिए।

– धारदार और नुकीली चीजें लाने की भूल बिल्कुल भी न करें। धारदार चीजें जैसे-कैंची, चाकू लोहा आदि। कहते हैं कि इन्हें दिवाली के दिन घर लाने से नकारात्मकता बढ़ती है, जिससे घर में अशांति रहने लगती है। इसका असर आपके घर की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकती है।

– बहुत से लोग दिवाली पर घर को सजाने के लिए काले रंग के परदे या झालर लगा देते हैं। बता दें कि काला रंग नकारात्मका का प्रतीक माना जाता है। इसलिए दिवाली के दिन काले रंग की कोई वस्तु अपने घर पर न लाएं। काले रंग के कपड़े की खरीददारी करने से भी बचें।

नवंबर और दिसंबर में नौ दिन बजेगी शहनाई

अगर आप भी मांगलिक कार्य करने के लिए इंतजार में बैठे थे और शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रहे थे, तो आपका इंतजार अब खत्म हुआ। दरअसल नवंबर में फिर से शहनाई बजनी शुरू हो जाएगी। जानकारी देते हुए न्यू सेटिंग लोकल से पूर्णिया के पंडित मनोज पाल्या लोकल 18 को बताते हैं कि चातुर्मास का समापन 12 नवंबर देव उठानी एकादशी के दिन हो जाएगा। इस व्रत के खत्म होने के पश्चात विवाह उपनयन और मुंडन जैसे शुभ मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त की शुरुआत हो जाएगी।

तुलसी विवाह के बाद घरों में शादी या समारोह की शुरुआत हो जाती है। चतुर्मास लग जाने के कारण लोग शादी, उपनयन और मुंडन जैसे मांगलिक कार्य के लिए शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रहे थे। इस बार देव उठानी एकादशी 12 नवंबर को पड़ रहा है। इस दिन भगवान विष्णु योग निंद्रा से बाहर आएंगे और तब चतुर्मास का समापन हो जाएगा। इसके बाद फिर अगले 4 महीने से बंद पड़े सभी मांगलिक कार्य दोबारा शुरू हो जाएंगे। इसलिए देव उठानी एकादशी के विवाह, उपनयन, मुंडन के बहुत शुभ मुहूर्त है।

शादी के लिए शुभ मुहूर्त

पूर्णिया के पंडित मनोत्पल झा कहते हैं कि मिथिला पंचांग के अनुसार, नवंबर के महीने में शादी के लिए शुभ मुहूर्त 18, 22, 25 और 27 नवंबर है। वही दिसंबर के महीने में 1, 2, 5, 6 और 11 दिसंबर शादी के लिए शुभ मुहूर्त है। हालांकि बनारसी पंचांग के मुताबिक, अगर शुभ मुहूर्त की बात की जाए, तो बनारसी पंचांग के अनुसार शादी के लिए कुल 9 शुभ मुहूर्त नवंबर के महीने में है और 9 शुभ मुहूर्त दिसंबर के महीने में है। ऐसे में शादी के लिए कुल 18 शुभ मुहूर्त बताए गए हैं।

धनतेरस पर राशि अनुसार करें खरीदारी

दीपावली से पहले धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। धनतेरस के दिन कुछ ना कुछ खरीदारी अवश्य करनी चाहिए। माना जाता है कि धनतेरस में खरीदारी करने से धन की 13 गुना वृद्धि होती है। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरि और माता लक्ष्मी के साथ धन के देवता कुबेर की पूजा आराधना की जाती है। इसी दिन समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश लेकर भगवान धन्वंतरि निकले थे। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा आराधना करने से परिवार के सदस्य आरोग्य रहते हैं।

वहीं धनतेरस के दिन खरीदारी करना शुभ होता है, लेकिन अगर जातक राशि के अनुसार खरीददारी करें तो ज्यादा शुभकारी होता है। हर साल धनतेरस का त्योहार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोंदशी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस साल 29 अक्टूबर को धनतेरस का त्यौहार मनाया जाएगा। इसी दिन समुद्र मंथन के दौरान समुद्र से भगवान धनवंतरी अमृत कलश लेकर निकले थे। इस दिन लोग वाहन, बर्तन, सोना, चांदी इत्यादि खरीदते हैं। धनतेरस के दिन खरीदारी करना बेहद शुभ होता है। इसके साथ ही इस दिन नए कार्य की भी शुरुआत लोग कर सकते हैं। लेकिन राशि के अनुसार खरीदारी करें तो माता लक्ष्मी की कृपा जातक के ऊपर हमेशा बनी रहती है और कभी भी घर में आर्थिक तंगी नहीं रहती है।

राशि अनुसार करें खरीदारी...

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि मेष राशि वाले जातकों को चांदी का बर्तन खरीदना चाहिए।

वृषभ राशि वाले धनतेरस के दिन सादा कपड़ा या चांदी का सिक्का अवश्य ख़रीदें।

मिथुन राशि वाले धनतेरस के दिन पीतल का बर्तन खरीदें। इससे आपको शुभ समाचार मिलेगा।

कर्क राशि वाले चांदी का सिक्का या सफेद वस्तु धनतेरस के दिन खरीदें। इससे माता लक्ष्मी की कृपा साल भर बनी रहेगी।

सिंह राशि वालों को वाहन या आभूषण खरीदना धनतेरस के दिन शुभ रहने वाला है।

कन्या राशि वाले अगर फ्लैट, आभूषण, जमीन खरीदना चाहते हैं तो धनतेरस के दिन खरीदें, जो शुभ रहने वाला है।

तुला राशि वाले धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदें। माता लक्ष्मी बेहद प्रसन्न होंगी।

वृश्चिक राशि वाले धनतेरस के दिन धनिया खरीदें। धनिया माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इससे साल भर घर में धन की बरकत होगी।

धनतेरस के दिन धनु राशि वाले गणेश लक्ष्मी की प्रतिमा या श्री यंत्र खरीद कर घर ले आएं। इससे आर्थिक उन्नति होगी।

मकर राशि वाले धनतेरस के दिन पीला वस्तु या पीला कपड़ा खरीदे शुभ रहने वाला है माता लक्ष्मी प्रसन्न होंगी।

कुंभ राशि वाले धनतेरस के दिन गणेश लक्ष्मी की प्रतिमा या फिर सफेद वस्तु खरीदें या गणेश लक्ष्मी प्रतिमा वाला चांदी का सिक्का अवश्य खरीद लें।

मीन राशि वालों के लिए धनतेरस के दिन सोना खरीदना शुभ रहने वाला है। सोना नहीं खरीद सकते तो पीतल का बर्तन अवश्य खरीद लें।

घर में गलत दिशा में लगी दीवार घड़ी बढ़ा देगी आपकी टेंशन

चाहे जमाना कितना ही आगे निकल गया हो लेकिन घर में टांगी जाने वाली घड़ी आज भी दीवारों की शोभा बढ़ा रही है। घड़ी को अक्सर अच्छे समय से जोड़कर देखा जाता है। कहते हैं अगर घड़ी घर में निरंतर चलती रहे तो जीवन भी इसी तरह निरंतर आगे बढ़ता रहता है। वास्तु शास्त्र की बात करें तो इसमें घर की दिशा को लेकर बहुत से सुझाव दिए जाते हैं। घड़ी को लेकर भी वास्तु शास्त्र में सलाह दी जाती है कि इसे कहां, किस तरह और किस हालत में टांगा जाए। वहीं, वास्तु में घड़ी को घर की आर्थिक स्थिति से भी जोड़ा जाता है। इसी चलते यहां जानिए घर की किस दिशा में वास्तु घड़ी लगाने की सलाह नहीं देता है और यह कौन सी दिशा है, जिस तरफ घड़ी टांगने को आर्थिक दिक्कतों की वजह समझा जाता है।

घड़ी की दिशा : वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर, पूर्व और पश्चिम दिशा में घड़ी लगानी सही मानी जाती है। लेकिन, दक्षिण दिशा में घड़ी टांगना अच्छा नहीं माना जाता है। इस दिशा में घड़ी टांगे जाने पर आर्थिक दिक्कतें उत्पन्न होने लगती हैं। साथ ही इस बात का ध्यान दिया जाना जरूरी है पश्चिम दिशा में तब ही घड़ी लगाएं जब पूर्व और उत्तर दिशा में जगह ना हो।

कहां नहीं लगाते घड़ी: घर के द्वार पर या जिस जगह से घर में प्रवेश करते हैं वहां घड़ी लगाने की सलाह नहीं दी जाती है। घर के एंट्रेस पर दरवाजे के ऊपर या घर के किसी भी दरवाजे के ऊपर घड़ी नहीं लगाई जाती है। पलंग के पास या पलंग के ऊपर दीवार पर भी घड़ी लगाना अच्छा नहीं माना जाता है।

जब बंद हो जाए घड़ी: निरंतर चलती घड़ी को निरंतर आगे बढ़ते जीवन से जोड़कर देखा जाता है। इसी तरह बंद घड़ी को जीवन में रुकावट पैदा करने वाला समझा जाता है। वास्तु के अनुसार घर में टूटी, खराब या बंद घड़ी नहीं रखनी चाहिए। खासकर टूटे कांच वाली घड़ी घर में ना लगाने की सलाह दी जाती है। इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि घड़ी को वक्त-वक्त पर साफ किया जाए।

घड़ी का आकार : वास्तु के अनुसार जिस घड़ी का आकार गोल होता है वह घर के लिए अच्छी होती है। इसीलिए अलग-अलग आकार की घड़ी खरीदने के बजाय सामान्य गोलाकार घड़ी घर की दीवार पर लगाई जाती है।

घड़ी का रंग: घर की आर्थिक स्थिति को अच्छी रखने वाली और जीवन में खुशहाली लाने वाली घड़ी का रंग वास्तु के अनुसार सफेद, हल्का सलेटी, आसमानी, हल्का हरा और क्रीम होना चाहिए। दीवार पर टांगने के लिए मैटालिक रंग की घड़ी भी चुनी जा सकती है। पूर्व दिशा में जिस घड़ी को टांग रहे हैं उसका लकड़ी की तरह भूरा रंग या गहरा हरा रंग भी चुना जा सकता है।

क्या हर दिवाली पर पूजा के लिए नई मूर्ति खरीदना जरूरी है?

दिवाली पर मां लक्ष्मी की प्रतिमा की स्थापना को लेकर देश भर में कई तरह की मान्यताएं हैं। ज्यादातर लोग दिवाली पर घरों में मूर्तियां स्थापित करते हैं। ऐसी मान्यता है कि प्राचीन काल में सिर्फ धातु और मिट्टी की मूर्तियों का ही चलन था। धातु की मूर्ति से ज्यादा मिट्टी की मूर्ति की पूजा की जाती थी। जो हर साल खंडित और बदरंग हो जाती हैं। इसलिए हर साल नई प्रतिमा स्थापित की जाती थी। तभी से ये नई मूर्ति खरीदने की परंपरा चली आ रही है।

किस तरह की खरीदें मूर्ति

ज्योतिष के अनुसार, दिवाली पर पूजा के लिए मां लक्ष्मी की ऐसी मूर्ति न चुनें जिसमें मां लक्ष्मी अपने वाहन उल्लू पर विराजमान हों। ऐसी मूर्ति को काली लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इससे घर में सुख-संपन्नता आती है।

माता लक्ष्मी की ऐसी मूर्ति खरीदनी चाहिए, जिसमें वो कमल के फूल पर विराजमान हों और उनका हाथ वरमुद्रा में हो और धन की वर्षा करता हो।

कभी भी लक्ष्मी मां की ऐसी मूर्ति न खरीदें जिसमें वो खड़ी हों। ऐसी मूर्ति लक्ष्मी मां के जाने की मुद्रा में तैयार माना जाता है। यानि वो घर से प्रस्थान करने की स्थिति में होती हैं।

मां लक्ष्मी की मूर्ति खरीदते समय ध्यान रखें कि उनके साथ गणेश जी की मूर्ति अवश्य होनी चाहिए। क्योंकि हिन्दू धर्म में सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता भगवान गणेश जी है।

दिवाली की पूजा के लिए भगवान गणेश की मूर्ति उनके वाहन मूषक के साथ होनी चाहिए। क्योंकि भगवान गणेश मूषक पर सवार होकर ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं।

मूर्ति लेते समय इन बातों का रखें ख्याल

अक्सर लोग अज्ञानता और भूल के कारण भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्ति खरीदते समय कुछ गलतियां कर देते हैं। वे ऐसी मूर्तियां घर ले आते हैं, जिनकी पूजा करना शुभ नहीं माना जाता है। मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्ति दिवाली से पहले धनतेरस के दिन खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। शास्त्रों के मुताबिक, दिवाली पर मूर्ति पूजन के लिए इस बात का विशेष ध्यान रखे क लक्ष्मी-गणेशजी की एक साथ वाली मूर्ति न खरीदें, बल्कि मां लक्ष्मी और भगवान गणेशजी की अलग-अलग मूर्तियां ही खरीदें।

कभी-कभी 'नैगेटिविटी' भी अच्छी होती है : दीपिका पादुकोण

जब मेरी पहली फिल्म 'ओम शांति ओम' रिलीज हुई, तो कुछ बुरे रिव्यूज मिले, लेकिन मुझे एक बुरी समीक्षा आज भी अच्छे से याद है, जिसने मुझे खुद पर काम करने के लिए प्रेरित किया। फिल्म 'ओम शान्ति ओम' से बॉलीवुड में डेब्यू के साथ ही सबका ध्यान अपनी ओर खींचने में कामयाब रही दीपिका का पादुकोण आज बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में होती है । की गिनती

दीपिका ने एक से बढ़ कर एक फिल्में की हैं और अपने सशक्त अभिनय के दम पर खुद को दर्शकों से लेकर समीक्षकों के सामने साबित किया है।

हालांकि, दीपिका का कहना है कि उसकी डेब्यू फिल्म * ओम शांति ओम' के समय उसके अभिनय से लेकर बोलने के लहजे तक का कुछ लोगों ने खूब मजाक उड़ाया था।

दीपिका ने अपने बॉलीवुड करियर के शुरुआती दिनों में नैगेटिविटी का सामना करने के बारे में बात की और यह भी खुलासा किया कि उसने सारी ट्रोलिंग को काफी पॉजिटिव अंदाज में लिया था।

हाल ही में, 'लिव लव लाफ' फाऊंडेशन की संस्थापिका एरियाना हफिगटन के साथ एक साक्षात्कार में दीपिका ने कहा, कभी-कभी ट्रोलिंग को भी पॉजिटिव तरीके से लेना चाहिए। जब मेरी पहली फिल्म 'ओम शांति ओम' रिलीज हुई, तो कुछ बुरे रिव्यूज मिले, लेकिन मुझे एक बुरी समीक्षा आज भी अच्छे से बाद है, जिसने मुझे खुद पर काम करने के लिए प्रेरित किया। इसने मेरे उच्चारण, मेरे अभिनय के बारे में बात की। नेगेटिविटी कभी-कभी अच्छी चीज होती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप उसे किस नजरिए से देखते हैं और उससे क्या सीखते हैं। दीपिका पादुकोण ने आगे यह भी कहा कि आपको मेहनत करनी होगी और धैर्य भी रखना पड़ेगा। खुद के लिए निकालना चाहिए समय दीपिका ने कहा कि सभी को खुद को तरोताजा करन के लिए अपने लिए भी कुछ समय निकालना चाहिए। एक राष्ट्रीय स्तर की बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में अपने अनुभव को साझा करते हुए (जब तक कि उन्होंने अभिनय को आगे बढ़ाने के लिए 16 साल की उम्र में इसे छोड़ नहीं दिया),दीपिका ने कहा, ₹चीजें बदलने लगी हैं, लेकिन अभी भी यह धारणा है कि अगर किसी को 'डाऊलटाइम' या खुद के लिए समय चाहिए, तो वे काम को लेकर प्रोत्साहित या प्रेरित नहीं है। इसकी बजाय, हम किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश करते हैं, जो आधी रात तक काम करने को तैयार हो और उस व्यक्ति की कड़ी मेहनत, प्रतिवद्धता और समर्पण के लिए प्रशंसा की जाती है। एक एथलीट होने के नाते, मुझे पता है कि आपको आराम और रिकवरी की जरूरत है- आपको बेहतर प्रदर्शन करने और अधिक प्रभावी ढंग से काम करने के लिए इसकी जरूरत है।

अनुष्का सेन ने टाइम्स एक्कावर में स्टेज पर लाइव परफॉर्म करने वाली पहली इंडियन आर्टिस्ट बनकर इतिहास रचा

अनुष्का सेर न्यूयार्क सिटी के टाइम्स एक्कावर में स्टेज पर लाइव परफॉर्म करने वाली पहली इंडियन आर्टिस्ट बनकर इतिहास रच चुकी है। उसने 'सस्टेनेबल डिवैल्पमेंट गोल्स' के लिए यूनाइटेड नेशन के बंग लोडर लोकप्रिय गायक ए. पाई यंग के साथ हाथ मिलाते हुए जमरीका में एक गायिका के रूप में भी अपना डेब्यू कर दिया है। इस दौरान अनुष्का जयपुर के एक लोकल डिजाइनर द्वारा डिजाइन किए गए खूबसूरत आऊटफिट में आत्मविश्वास से भरी नजर जाई। लाइव बैंड के साथ परफॉर्म करते हुए, उसने अपनी आवाज से बहुत ही कॉन्निकर्डस के साथ भारत को गर्व के साथ रिमेंट किया।

अनुष्का ने कहा, यहा सच, कि दुनिया भर से लोग हमें परफॉर्म करते हुए देख रहे थे, एक कमाल का अनुभव था। मैं ए, वाई. यंग की बहुत आभारी हूं जियानें मुझे महा मौका दिया और केन लुईस. जी सिर्फ हमारा समर्थन करने के लिए यहां आए, इससे मुझे ऐसा महसूस होता है जैसे अमरीका में मेरा एक परिधार है। यहा म्यूजिकल जर्नी इसलिए खास है, क्योंकि यह केवल मनोरंजन से कहीं बड़कर है; यह हमने ग्रह के बारे में है और लोगों को यह समझने में मदद करती है कि आने वाले सालों में हमें अपनी धरती मां के लिए क्या करना चाहिए। म्यूजिक के पास दुनिया भर को अलग अलग संस्कृतियों और जगहों के लोगों को एक साथ लाने का एक जादुई तरीका है। दर्शक बहुत गर्मजोशी से भरे और सपोर्टिव थे, इसलिए मुझे नहीं लगा कि यह मेरी पहली परफॉर्मेंस है। बहुत सारे इंडियन फैन्स वहां गाने पर झूम रहे थे। मुझे अपना आऊटफिट बहुत पसंद अख्या क्योंकि ये भारतीय और अमरीकी स्यद्दल का परफेक्ट मिवर था। विदों मेरा पसंदीदा हिस्सा थी। यह एक नई शुरुआत है. और मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि म्यूजिक केइस नए सफर में मैं क्या एक्सप्लोर और अनुभव करूंगी।

फिर से फिल्मों में 'किस्मत' आजमाएगी कैटरीना कैफ की बहन इसाबेल कैफ

लंबे समय से इसाबेल कैफ और पुलकित सम्राट की जिस फिल्म का इंतजार था, वह अब रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इस टीजर को देख साहरुख खान और काजोल को फिल्म 'दिलवाले दुलानिया ले जाएंगे' की याद आती है।

टीजर में पुलकिन सफेद रंग का कुर्ता पहने ट्रेन में अपनी लेडी लब को हाथ देता दिख रहा है। फिल्म में उसकी प्रेमिका के रोल में इसाबेल कैफ है जो उसी स्टेशन पर दुल्हन के लिबास में नजर आती है। फिल्म 22 नवम्बर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। गौरतलब है कि इसाबेल ने 2021 में फिल्म 'टाइम टू डांस' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था. जिसमें उसके साथ सूरज पंचोली था लेकिन यह फिल्म कोई बड़ा कमाल नहीं दिखा सकी। उसके बाद ही इसाबेल ने फिल्म 'सुस्वागतन खुशामदीद' साइन की थी लेकिन यह फिल्म लगभग 3 साल बाद अब जाकर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म के साथ इसाबेल एक बार फिर से फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने जा रही है। उसे आता होगी कि यह फिल्म सफल हो और वह भी अपनी बड़ी बहन कटरीना कैफ की तरह बॉलीवुड में नाम कमा सके।

इसावेल बता चुकी है कि उसके पेरेंट्स इस बात के लिए जरा भी रोमांचित नाहीं थे कि आह फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही है। उसकी बहन कैटरीना कैफ ने ही उसके माता-पिता को उसे अभिनय करने की इज्जत देने के लिए मनाया था। उसके अनुसार, मेरे पेरेंट्स चाहते थे कि मैं बिजनेस, मैथ्स या इंग्लिश में डिग्री लूं ताकि मुझे सिक्योर जॉब मिल सके। वहीं इसाबेल ने अपनी तुलना कैटरीना से किए जाने पर कहा था, ₹मुझे पता है। लोग सालों से यह करते आ रहे हैं और अब मुझे इसकी अव्दत हो गई है। अब इसका मेरे ऊपर कोई असर नाहीं होता है।

किरदार में 'डूब' जाने का मौका मिलता है : सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा अभी तक कई फिल्मों में नजर आ चुकी है। उसकी फिल्में बड़े पर्दे से लेकर ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी हैं। ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म को अहम बताते हुए उसने कहा कि यह कलाकारों को अपने किरदारों की गहराई को समझने और उन्हें निभाने का मौका देता है।

सोनाक्षी ने अभी तक 2 ओ.टी.टी. वैब सीरीज 'दहाड़' और 'हीरामंडी : द डायमंड बाजार' की हैं, जिनमें दर्शकों ने उसे खूब पसंद किया। एक अवॉर्ड शो में सोनाक्षी सिन्हा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया था।

उसने कहा, मैंने लगातार दो साल यह पुरस्कार जीता है। इससे साफ है कि ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म कलाकारों को खुलकर काम करने का मौका दे रहा है। यहां कलाकारों के पास शक्तिशाली भूमिका निभाने का अवसर है।

सोनाक्षी ने कहा, ओ.टी.टी. इस समय वाकई एक गेम चेंजर है। इस पर पेश की जाने वाली भूमिकाएं ज्यादा मुश्किल और चुनौतीपूर्ण होती हैं। बड़े पर्दे पर हमेशा यह संभव नहीं होता। बड़ी स्क्रीन का उद्देश्य हमेशा ही ज्यादा से ज्यादा लोगों का मनोरंजन करना होता है, जबकि मुझे लगता है कि ओ.टी.टी. किरदारों को गहराई से जानने के लिए ज्यादा मौका देता है। मुझे दोनों ही जगह दर्शकों ने बहुत प्यार दिया है, जिसके लिए मैं आभारी हूं। इस डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनना रोमांचक है, जहां कंटेंट ही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मैं सैट पर पहुंचती हूं, कैमरे का सामना करती हूं और तब किरदार मेरे लिए जीवंत हो उठता है। वह जल्द ही 'निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनैस' नामक फिल्म में नजर आएगी।

अरबाज बोले- बेटे अरहान के डेब्यू में अभी वक्त हैं

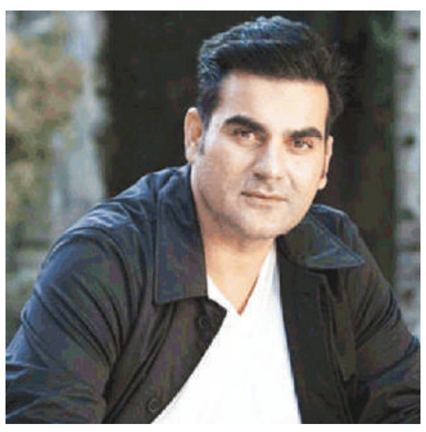

अरबाज खान ने हाल ही में बेटे अरहान खान के बॉलीवुड डेब्यू पर बात की। उन्होंने कहा कि अरहान को फिल्मों में आने के लिए अभी कुछ साल लग सकते हैं। वह अभी काफी युवा हैं और खुद पर काम कर रहे हैं। इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत के दौरान अरबाज खान ने कहा, 'उम्मीद है कि एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने के लिए अरहान को अभी एक से दो साल तक का समय और लग सकता है। मुझे यकीन है कि वह पहले एक एक्टर के रूप में सामने आएगा, फिर वह किसी और काम को करेगा। उसके लिए एक्टिंग ही पहली प्राथमिकता होगी।' बता दें, एक इंटरव्यू के दौरान मलाइका अरोड़ा ने बेटे अरहान खान संग अपने रिश्ते के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था, 'मैं सख्त होने के साथ ही सपोर्टिव मां भी हूं। अरहान जानता है कि वो किसी भी बात के लिए मेरी मदद ले सकता है। हालांकि, मुझे ये भी लगता है कि आज के टाइम में बच्चों के साथ दोस्ती बनाना काफी जरूरी है। लेकिन उससे भी ज्यादा ये जरूरी है कि आप अपने माता-पिता के रोल को गंभीरता से निभाएं।

इसके अलावा अरहान खान के टॉक शो डंब बिरयानी में मलाइका ने बेटे अरहान और पिता अरबाज की आदतों के बारे में भी बात की। एक्ट्रेस ने कहा, 'अरहान की कुछ आदतें अरबाज जैसी हैं, जैसे कान और सिर खुजलाना। इसके साथ ही अरहान अपने पिता अरबाज जैसी साफ और पाक सोच भी रखता है।' अरबाज और मलाइका की शादी दिसंबर 1998 में हुई थी। 19 साल बाद इन दोनों का तलाक मई 2017 में हो गया था। अरबाज और मलाइका का एक बेटा है, जिसका नाम अरहान खान है।

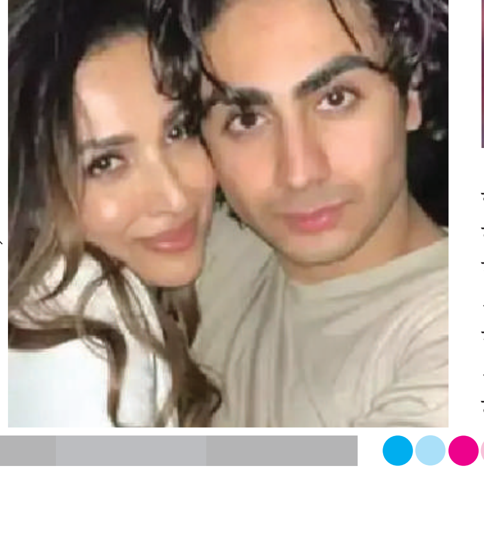

मुझे 'भाभी' वाले रोल मिलने लगे हैं : रुबीना दिलैक

रुबीना दिलैक अब दो बेटियों की मां है। उसने गत वर्ष नवम्बर में जुड़वां बेटियों को जन्म दिया था जिनके नाम उसने ईधा और जीवा रखे हैं। रुबीना अब काम पर वापस लौट आई है। उसने सबसे पहले फिटनैस पर फोकस किया और अब वह काम करने लगी है। यू-ट्यूब पर उसके शो 'किसी ने बताया नहीं' का तीसरा सीजन भी जारी है, जिसमें वह पॅरेंटहुड जर्नी को लेकर बातचीत करती है। रुबीना ने बताया है कि मां बनने के बाद उसे भाभी के रोल ऑफर हो रहे हैं। उसने टाइपकास्ट होने को लेकर भी बातचीत की। जब एक इंटरव्यू में अपनी बॉडी को वापस शेप में लाने के लिए रुबीना की तारीफ की गई तो उसने कहा, ₹खैर, अब मुझे भाभी के रोल ऑफर हो रहे हैं।

रुबीना फिलहाल कोई टी.वी. शो नहीं कर रही। पिछली बार उसे 'एंटरटेनमेंट की रात हाऊसफुल' को होस्ट करते हुए देखा गया था। इसके अलावा उसने रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' और 'झलक दिखला जा' में काम किया था। रुबीना को शो 'छोटी बहू', 'शक्ति- अस्तित्व के एहसास की' जैसे शोज के लिए जाना जाता है।

रुबीना फिल्में भी कर रही है। इसी वर्ष उसे पंजाबी फिल्म 'चल भज चलिए' में देखा गया था और अब वह फिल्म 'हम तुम मकतूब' में नजर आएगी। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। इसके अलावा वह अपना यू-ट्यूब शो 'किसी ने बताया नहीं' में भी बिजी रहती है और जो भी समय मिलता है, वह परिवार के साथ बिताना पसंद करती है।

बोल्ड फैशन' के लिए लोकप्रिय अलाना पांडे

अनन्या पांडे की कजिन और फैशन इन्फ्लुएंसर अलाना पांडे इन दिनों ओ.टी.टी. वैब सीरीज 'द ट्राइब' में नजर आ रही है। इसमें उसके निजी जीवन से जुड़े पलों की भी झलक देखने को मिल रही है। ऐसे ही एक पल से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में अलाना को अपनी मां और अन्य संबंधियों के साथ सोफे पर बैठे देखा जा सकता है। इसी दौरान उसका पिता आलोक शरद पांडे सवाल करता है, अलाना कहीं ऐसा तो नहीं है कि तुम गलती से ऊपर टॉप पहनना भूल गई हो ?

इस सवाल से हैरान अलाना कुछ पल के लिए तो सन्न-सी रह जाती है। इसके बाद वह पापा से पूछती है, क्या आप सीरियसली यह बात कह रहे हैं? और फिर वह तुरंत खड़ी होकर पूछती है कि इस आऊटफिट में आखिर क्या प्रॉब्लम है?

अलाना के जवाब पर आलोक कहता है, तुम्हें नहीं लगता कि इसके साथ शर्ट पहननी चाहिए? यह एल.ए. (लास एंजल्स) नहीं है, बांद्रा है। अपने पापा की बात से परेशान अलाना आखिरकार जोर देकर कहती है, यही टॉप है।

इसे ब्रालेट कहते हैं। बेटी की बातें सुनते ही आलोक तपाक से फटकार लगाते हुए कहता है, ओह तो यह ब्रालेट है। और इसमें कौन-सा शब्द आ रहा है? ब्रा। और ब्रा को कवर होना चाहिए। अलाना का सोशल मीडिया बोल्ड फैशन से भरा है। मॉडल जैसी दिखने वाली अलाना शादीशुदा और एक बच्चे की मां है, बावजूद इसके उसका ग्लैमर कम होता नजर नहीं आता है।

इन लक्षणों का मतलब आप बहुत ज्यादा पी रहे हैं कॉफी, क्या हो सकते हैं इसके नुकसान

कैफीन एक उत्तेजक पदार्थ है जो तुरंत सतर्कता, ऊर्जा और एकाग्रता को बढ़ाने में मदद करती है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि संयमित मात्रा में कॉफी का सेवन किया जाए तो इससे लिवर की बीमारियों जैसे फैटी लिवर का खतरा कम किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर कुछ अध्ययन बताते हैं कि ज्यादा कैफीन प्रजनन, गर्भावस्था, ग्लूकोज कंट्रोल जैसी कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकती है। कैफीन वाली चीजों के अधिक सेवन के कारण मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं जैसे एंग्जाइटी-डिप्रेशन का खतरा भी बढ़ सकता है।

कॉफी पीने के फायदे और नुकसान

शोध में पाया गया है कि कैफीन का अगर संयमित मात्रा में सेवन किया जाए तो इससे वजन कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा लिवर और मस्तिष्क के लिए भी इसे लाभकारी पाया गया है। पर कुछ अध्ययन बताते हैं कि अगर आप ज्यादा कॉफी पीते हैं तो इससे टाइप-2 डायबिटीज और गर्भावस्था से संबंधित कई तरह की दिक्कतों के बढ़ने का खतरा हो सकता है। कुछ अध्ययनों में ज्यादा कैफीन को प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाला भी पाया गया है।

चिंता-तनाव की बढ़ सकती है समस्या

कैफीन को सतर्कता बढ़ाने के लिए जाना जाता है। यह एडेनोसिन के प्रभाव को कम कर देती है। एडेनोसिन मस्तिष्क में मौजूद एक रसायन है जो आपको थका हुआ महसूस कराता है। जब आप बहुत ज्यादा कॉफी पीने लगते हैं तो मस्तिष्क की अति सक्रियता के कारण आपको चिंता और घबराहट जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन के विशेषज्ञों ने कहा, जिन लोगों को इस तरह की दिक्कत रहती है उन्हें कैफीन का सेवन कम करना चाहिए।

नींद न आने की समस्या

कैफीन वाली चीजें आपको जागते रहने में मदद करती हैं। हालांकि बहुत अधिक मात्रा में कैफीन का सेवन करने के कारण आपको अच्छी नींद पाने में भी मुश्किल हो सकती है। अध्ययनों में पाया गया है कि कैफीन की अधिकता के कारण कई लोगों को अनिद्रा की समस्या होने लगती है। यदि आप भी नींद पूरी न होने की दिक्कत से परेशान रहते हैं तो कैफीन या कॉफी का सेवन कम कर दें।

उच्च रक्तचाप का हो सकता है खतरा

कैफीन को वैसे तो हृदय स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक नहीं पाया गया है हालांकि अधिक मात्रा में कॉफी पीने से तंत्रिका तंत्र पर इसके उत्तेजक प्रभाव के कारण रक्तचाप बढ़ने का खतरा हो सकता है। उच्च रक्तचाप दिल का दौरा और स्ट्रोक के लिए एक जोखिम कारक माना जाता है। ये हृदय और मस्तिष्क दोनों के लिए खतरनाक है। इसलिए यदि आपका भी ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ा रहता है तो कॉफी का सेवन कम कर देना चाहिए।

ऑस्टियोपोरोसिस में खोखली हो जाती हैं हड्डियां

ठोकर लगने से भी हो सकता है फ्रेक्चर

लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ता जा रहा है। हड्डियों पर भी इसका नकारात्मक असर होता है, जिसके परिणामस्वरूप आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी दिक्कतें काफी आम हो गई हैं। हड्डियों में होने वाली किसी भी तरह की समस्या क्वालिटी ऑफ लाइफ को प्रभावित करने वाली हो सकती है क्योंकि इसमें चलना-दौड़ना और दिनचर्या के सामान्य कार्य करना भी कठिन हो जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या कई मामलों में ज्यादा चुनौतीपूर्ण मानी जाती है।

ऑस्टियोपोरोसिस की बीमारी आपकी हड्डियों को बहुत कमजोर कर देती है। आपकी हड्डियां सामान्य से कहीं ज्यादा पतली और कम घनत्व वाली हो जाती हैं, जिसके कारण इनके टूटने का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। इस बीमारी की गंभीर स्थिति में हल्के से ठोकर, खांसने-छींकने के कारण भी फ्रैक्चर होने का खतरा हो सकता है।

हड्डियों के स्वास्थ्य के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने तथा ऑस्टियोपोरोसिस के निदान और उपचार के बारे में लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस मनाया जाता है।

ऑस्टियोपोरोसिस के बारे में जानिए

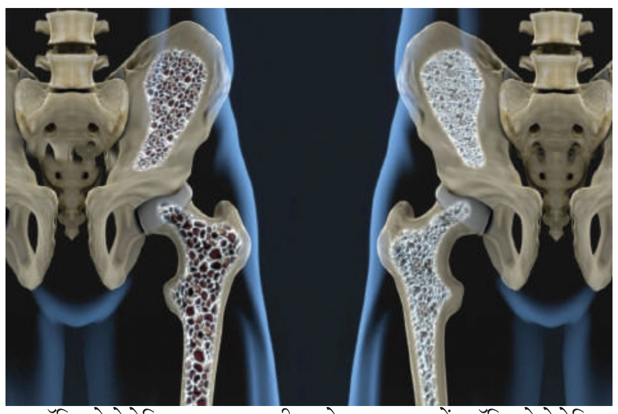

ऑस्टियोपोरोसिस आपकी हड्डियों को काफी कमजोर और भंगुर बना देती है। समय के साथ ये इतनी कमजोर हो जाती हैं कि गिरने या यहां तक कि झुकने या खांसने जैसे हल्के तनाव से भी इनके टूटने का खतरा रहता है। कूल्हे, कलाई या रीढ़ की हड्डी में ऑस्टियोपोरोसिस के कारण फ्रैक्चर के सबसे ज्यादा मामले देखे जाते हैं। असल में हमारी हड्डियां ऐसे ऊतकों से बनी होती हैं जो लगातार टूटती और बनती रहती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या में हड्डियों की कोशिकाओं में क्षति तो होती है लेकिन नए सिरे से इसका निर्माण नहीं हो पाता है। इससे समय के साथ हड्डियों काफी खोखली और कमजोर हो जाती हैं।

क्यों होती है ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या?

उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों में कमजोरी और इसके फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। 50 की उम्र के बाद आपमें ऑस्टियोपोरोसिस होने का जोखिम भी बढ़ जाता है। जिन लोगों में हड्डियां खुद को फिर से विकसित करने और सुधारने की अपनी क्षमता खो देती हैं उनमें इस रोग के मामले सबसे ज्यादा देखे जाते रहे हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस किसी को भी हो सकता है। कुछ लोगों में इसका खतरा अधिक होता है।

50 वर्ष से अधिक आयु के लोग।

जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को ऑस्टियोपोरोसिस रहा है उनमें भी ये समस्या हो सकती है।

महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस होने की आशंका पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक होती है।

ऑस्टियोपोरोसिस हो जाए तो क्या करें?

जिन लोगों को ऑस्टियोपोरोसिस की दिक्कत होती हैं उन्हें फ्रेक्चर से बचे रहने के लिए विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। उपचार के दौरान मुख्य लक्ष्य हड्डियों के नुकसान को धीमा करना और हड्डियों के मौजूद ऊतकों को मजबूत बनाना होता है। इसके लिए डॉक्टर आपको कुछ दवाएं दे सकते हैं। विटामिन्स और मिनरल्स के सप्लीमेंट हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं।

डॉक्टर की सलाह पर कुछ प्रकार के व्यायाम को भी दिनचर्या में शामिल करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए क्या करें?

हड्डियों की दिक्कतों के लिए कैल्शियम की कमी को प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस के विकास में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आहार में कैल्शियम की कमी हड्डियों के घनत्व को कम करने, हड्डियों को जल्दी क्षति पहुंचाने और फ्रैक्चर के जोखिमों को बढ़ाने वाली मानी जाती है। आहार में कैल्शियम और विटामिन डी वाली चीजों को शामिल करना, नियमित व्यायाम की आदत बनाना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल (शारीरिक निष्क्रियता) वाले लोगों में इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है, इसलिए जरूरी है कि रोजाना कम से कम 30 मिनट के व्यायाम की आदत बनाएं।

बांस के चारकोल से जहरीले तत्वों पर वार

कई खनिजों से भरपूर है, इंफ्रा रेड किरणों को भी रोकने में सक्षम

ब्लैक डायमंड के नाम से मशहूर बांस से बनने वाला चारकोल पानी को शुद्ध करने के साथ साथ चेहरे की सेहत के लिए भी फायदेमंद है। एक चिकित्सा अध्ययन में दावा किया है कि बांस का चारकोल वायु प्रदूषण के चलते हवा में मौजूद जहरीले तत्वों को चेहरे पर टिकने नहीं देता है। साथ ही भीषण गर्मी में इसकी परत त्वचा का बचाव भी करती है। इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ मल्टीडिसिप्लेनरी रिसर्च एंड प्रैक्टिस जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में कहा है कि बांस चारकोल प्राकृतिक रुप से कई खनिजों जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, एसीटिक एसिड, हाइड्रॉक्सिल बेंजीन आदि से भरपूर होता है। इससे निर्मित क्रीम या फेसवास बेहद लाभकारी होती हैं जो जीवाणुओं की वृद्धि को रोकते हैं। चेहरे की त्वचा को कीटाणु रहित करते हैं तथा संक्रमण फैलाने वाले जीवाणुओं को मार डालते हैं।

आयुथवेदा के निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने बताया कि सक्रिय बांस चारकोल से निर्मित आयुथवेदा चारकोल फेसवास त्वचा की गंदगी और अशुद्धियों को बाहर निकाल कर त्वचा को साफ़ करता है। यह त्वचा को प्रदूषण से बचाता और अतिरिक्त तेल को सोख लेता है। इससे आसानी से मेकअप भी हट जाता है। जिम के दौरान वर्कआउट के बाद जमा हुए पसीने और विषाक्त पदार्थों को यह कुशलता से खत्म करता है। इसमें सक्रिय बांस चारकोल के साथ साथ अति लाभकारी कमल, पलाश, गेंदा तथा गुलाब के फूलों एवं मौसम्बी और संतरे का अर्क भी मिलाते हैं।

बांस की कटाई के बाद इसे बहुत उच्च तापमान पर कार्बोनाइज किया जाता है जिससे इसका सतह क्षेत्र और वजन का अनुपात लगभग

1200:1 तक बढ़ाया जा सके। और इस विधि से बने सक्रिय बांस चारकोल को विभिन्न उत्पादों में उपयोग किया जाता है।

जब सक्रिय बांस चारकोल के साथ फेसवास का निर्माण किया जाता है, तो यह त्वचा से विषाक्त एवं हानिकारक पदार्थों को अवशोषित करने में अधिक सक्षम होता है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचा अधिक स्वस्थ होती है, इसलिए इसका उपयोग मुँहासे के प्रभावी प्राकृतिक उपचार के रूप में किया जाता है। बांस चारकोल फेसवास की कई किस्में, एशियाई और यूरोपीय बाजार में उपलब्ध हैं।

डॉ. संचित शर्मा बताते हैं कि चारकोल युक्त सौंदर्य प्रसाधन प्रदूषण से होने वाले विभिन्न त्वचा विकारों के खतरों को भी कम करते हैं। उनके मुताबिक बांस के टुकड़ों एवं जड़ों से चारकोल तैयार होता है। इसे ब्लैक डायमंड के नाम से भी जानते हैं।हालांकि चारकोल अन्य लकड़ियों से भी बनता है लेकिन वन कानूनों के चलते इसे हासिल करना आसान नहीं है। जबकि बांस पेड़ नहीं है, एक घास है, उससे हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं है। सबसे तेजी से बढ़ने वाले पौधा बांस में कई अनूठी विशेषताएं हैं जिसमें से अन्य नियमित कोयले की तुलना में इसकी अवशोषण दर चार गुना और सतह क्षेत्र 10 गुना अधिक है।वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार, बांस चारकोल इंफ्रारेड किरणों को भी रोकते हैं और त्वचा को इसके दुष्प्रभाव से बचाकर रखता है ।

डायबिटीज रोगियों के लिए अच्छी खबर, शुगर बढ़ने की टेंशन दूर कर देंगी ये चीजें

डायबिटीज दुनियाभर में तेजी से बढ़ती बीमारी है, जिसका शिकार लगभग सभी उम्र के लोग देखे जा रहे हैं। ब्लड शुगर के अक्सर बढ़े रहने का आंखों, किडनी, हार्ट सहित कई अंगों पर दुष्प्रभाव हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को शुगर के स्तर को कंट्रोल रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की सलाह देते हैं। अगर आप भी बढ़े हुए शुगर की समस्या से अक्सर परेशान रहते हैं तो अब टेंशन की जरूरत नहीं है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, कुछ प्रकार के सीड्स को आहार का हिस्सा बनाकर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। सीड्स में फाइबर की मात्रा होती है जो शुगर को न सिर्फ बढ़ने से रोकने में मदद करती है साथ ही डायबिटीज के कारण होने वाली अन्य जटिलताओं से बचाने में भी सहायक है।

डायबिटीज में फायदेमंद हैं कुछ सीड्स

अध्ययनों से पता चलता है कि चिया सीड्स और फ्लैक्स सीड्स (अलसी के बीज) को आहार में शामिल करना आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। दोनों बीजों में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो इन्हें डायबिटीज की समस्या में काफी फायदेमंद बनाती है। डायबिटीज के रोगियों में पाचन संबंधी समस्याओं और हृदय रोगों का खतरा भी अधिक होता है, आहार में फाइबर वाली चीजों को शामिल करके इनसे भी आराम पाया जा सकता है।

चिया सीड्स के फायदे

डायबिटीज की स्थिति में चिया सीड्स और अलसी के बीज का सेवन बहुत लाभकारी हो सकता है। इनके सेवन से न केवल शुगर लेवल को नियंत्रित किया जा सकता है बल्कि कई अन्य स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। चिया सीड्स में फाइबर की मात्रा होती है, जो शरीर में ग्लूकोज के अवशोषण की प्रक्रिया को धीमा कर देती है। इससे शुगर तेजी से नहीं बढ़ता है।

इसके अलावा इन सीड्स में ओमेगा-3 फैटी एसिड भी प्रचुर मात्रा में पाई जाती है, जो हृदय स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करती है। डायबिटीज से पीड़ित लोगों में हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा अधिक होता है।

फ्लैक्स सीड्स के लाभ

अलसी के बीज (फ्लैक्स सीड्स) को आहार में शामिल करना भी डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाने और शुगर को कंट्रोल करने में इसे फायदेमंद पाया गया है। अलसी के बीज में लिग्नैन नामक कंपाउंड पाया जाता है, जो इंसुलिन की सेंसिटिविटी को बढ़ाने में मददगार है। इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ने से शरीर बेहतर ढंग से ग्लूकोज का उपयोग कर पाता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है। इसके अलावा इन सीड्स में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर होते हैं, जो पाचन को बेहतर बनाने और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी फायदेमंद है।

आहार और दिनचर्या दोनों को ठीक रखना जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज की जटिलताओं से बचे रहने के लिए आहार और दिनचर्या दोनों को ठीक रखना जरूरी है। स्वस्थ और पौष्टिक चीजों जैसे हरी सब्जियां-मौसमी फल, साबुत अनाज, नट्स और सीड्स का सेवन करना मधुमेह की समस्या में फायदेमंद है। इसके अलावा नियमित व्यायाम की आदत बनाना भी शुगर के बेहतर तरीके से प्रबंधन में सहायक हो सकता है। अगर आपमें डायबिटीज का निदान किया गया है कि नियमित रूप से अपने डॉक्टर की सलाह भी जरूर लेते रहें।

शुगर नहीं रहता है कंट्रोल तो अंधेपन का हो सकता है खतरा

ब्लड शुगर का सामान्य से अधिक बने रहना सेहत के लिए कई मामलों में गंभीर हो सकता है। हाई शुगर लेवल के कारण टाइप-2 डायबिटीज की समस्या होती है, जिसे वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती क्रोनिक बीमारी के रूप में जाना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यदि आप अपने शुगर को ठीक तरीके से कंट्रोल नहीं रखते हैं तो इसका कई अंगों पर नकारात्मक असर हो सकता है। यही कारण है कि डायबिटीज के शिकार लोगों में हृदय रोग, किडनी की बीमारी, पैरों में घाव होने और आंखों की समस्याओं का खतरा ज्यादा देखा जाता रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, डायबिटीज रोगियों में आंखों की बीमारी, कम दिखाई देने जैसी समस्याओं का जोखिम अन्य लोगों की तुलना में अधिक होता है। समय के साथ, मधुमेह की बीमारी आंखों की तंत्रिकाओं, रेटिना को नुकसान पहुंचाने लगती है। इससे अंधेपन का भी खतरा हो सकता है।

डायबिटीज में आंखों की समस्याएं

डायबिटीज ऐसी बीमारी है जिसमें आपके रक्त में ग्लूकोज या शुगर का स्तर बहुत अधिक हो जाता है। हमारे शरीर की कोशिकाओं को ऊर्जा के लिए ग्लूकोज की आवश्यकता होती है। इंसुलिन नामक हार्मोन ग्लूकोज को आपकी कोशिकाओं में जाने में मदद करता है। टाइप-2 डायबिटीज की स्थिति में आपका शरीर इंसुलिन का निर्माण या उपयोग ठीक से नहीं करता है। पर्याप्त इंसुलिन के बिना खून में ग्लूकोज का स्तर बढ़ने लगता है। ये स्थिति आंखों की रक्त वाहिकाओं और लेंस को नुकसान पहुंचाने वाली मानी जाती है। डायबिटीज में आंखों की रक्त वाहिकाओं को होने वाले नुकसान को डायबिटिक रेटिनोपैथी के नाम से जाना जाता है।

गर्भावस्था के दौरान बरतें विशेष सावधानी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गर्भावस्था के दौरान मधुमेह की समस्या (गर्भावस्था मधुमेह) या गर्भवती होने से पहले मधुमेह होने पर डायबिटिक रेटिनोपैथी का खतरा और भी बढ़ जाता है। यदि आप गर्भवती हैं और डायबिटीज की भी समस्या है तो गर्भावस्था के दौरान नेत्र चिकित्सक से मिलकर अपने जोखिमों की जांच जरूर करा लें।

गर्भावस्था के दौरान शुगर को कंट्रोल रखना और भी आवश्यक हो जाता है क्योंकि हाई शुगर के कारण कई अन्य तरह की जटिलताओं का जोखिम बढ़ सकता है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी में क्या दिक्कतें होती हैं?

डायबिटिक रेटिनोपैथी वयस्कों में अंधेपन का प्रमुख कारण है। यह रेटिना में मौजूद रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करती है। इसके कारण रक्त वाहिकाओं में सूजन या आंख में तरल पदार्थ का रिसाव हो सकता है।

शुरुआती चरणों में, मधुमेह के कारण होने वाली आंखों की समस्याओं में आमतौर पर कोई लक्षण नहीं होते हैं। इसलिए नियमित रूप से आंखों की जांच कराना बहुत जरूरी है, भले ही आपको लगे कि आंखें स्वस्थ हैं। डायबिटीज रोगियों को कुछ लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है।

आंखों में धब्बे या गहरे रंग की लहरदार रेखाएं दिखना।

देखते समय ऐसे लगना जैसे कुछ काली छाया हो।

कम दिखाई देना।

आंखों में दर्द या लालिमा की दिक्कत बनी रहना।

कैसे करें इन समस्याओं से बचाव?

मधुमेह में आंखों को होने वाले नुकसान से बचे रहने के लिए अपने ब्लड शुगर को अच्छे तरीके से नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है। इसके अलावा नियमित रूप से आंखों की जांच जरूर कराते रहें। ब्लड शुगर के अलावा ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल का बढ़े रहना भी आंखों के लिए हानिकारक है।

डायबिटीज के शिकार लोगों को आहार को लेकर भी विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। स्वस्थ और पौष्टिक आहार, विटामिन ए-सी, एंटीऑक्सीडेंट वाली चीजें आंखों की समस्याओं के कम करने और शुगर को कंट्रोल रखने में भी मददगार हो सकती है।

चेहरे पर एक्ने और ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाने के टिप्स

प्रश्न : मैं कॉलेज स्टूडेंट हूं। चेहरे पर एक्ने और ब्लैकहेड्स होते जा रहे हैं। इससे छुटकारा पाने क्या करूं? कृपा कर बताएं!

- अभिनव रेड्डी, हैदराबाद

उत्तर : अधिकांश किशोर वय के युवाओं की यही समस्या है। इस उम्र में हार्मोनल बदलाव की प्रक्रिया तेज हो जाती है। इस कारण चेहरे पर सीबम का रिसाव होने लगता है। यदि इस तैलीय पदार्थ के बाहर निकलने में कुछ बाधा आती है तब यह मुंहासे और ब्लैकहेड्स की शक्ल अख्तियार करते हैं। मलबद्धता यानी कब्जियत इस स्थिति को और खराब करती है। अतः यह ध्यान रहे कि किसी भी स्थिति में हर दिन पेट साफ होता रहे। इसके लिए आप रात सोते समय औरा लैक्झोल पाउडर या फिर ऊंझा निरोग चूर्ण या स्वादिष्ट विरेचन चूर्ण लेवें। जितना हो सके ताजा फल और सलाद खाएं। यह शरीर को डिटॉक्सिफाई करेगा ।औषधि में ऊंझा रक्त शोधक सिरप लेवें। कैशोर गुग्गुल ,महामंजिष्ठादि घन टिकिया व गंधक रसायन टैबलेट भोजन के बाद लेवें। रात में सोने से पहले नींबू व तुलसी का रस बराबर मात्रा में लेकर ब्लैक व्हाइट हेड्स पर लगाएं । रात भर लगे रहने दें। सुबह उसे गुनगुने पानी से धो लेवें। कुछ ही दिनों में चेहरा मुंहासे व ब्लैकहेड से मुक्ति पाकर तरोताजा खिल उठेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 47 वर्ष है । पिछले कई दिनों से खाया हुआ हजम नहीं होता । अजीर्ण हो जाता है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- रघुवीर , वारंगल

उत्तर : अजीर्ण का अर्थ है- खाना पीना ठीक से न पचना। इसे अग्निमांद्य या मंदाग्नि भी कहते हैं। यह रोग चिकने पदार्थ खाने, अधिक पानी पीने, दिन में सोने और रात में जगने के कारण हो सकता है। इसके अलावा समय-कुसमय भोजन करने, खाद्य पदार्थों को अच्छी तरह चबाए बगैर ही निकल जाने, तंबाकू खाने, चाय-शराब का अधिक सेवन करने, खटाई, अचार, खट्टी चीज खाने, दूषित वातावरण में रहने, कमर में कसकर वस्त्र बांधने से एवं

शरीर के अंदर खून की कमी के कारण , ईर्ष्या - द्वेष, भय, क्रोध आदि के कारण अजीर्ण तीव्र गति से होता है।

घरेलू चिकित्सा में:-

* नींबू के रस में जायफल घिसकर चाटने से लाभ होता है।

* दालचीनी ,सोंठ तथा लाल इलायची - तीनों को बराबर की मात्रा में लेकर चूर्ण बना लें।इसे भोजन से पहले 2 ग्राम की मात्रा में ले।

* सेंधा नमक, सोंठ तथा हरड़े - तीनों चीजों को बराबर की मात्रा में लेकर चूर्ण बना ले दोनों समय तीन-तीन ग्राम चूर्ण ताजा पानी के साथ लेवें।अवश्य आराम मिलेगा।

* पिप्पली का चरण 3 ग्राम प्रति दिवस शहद के साथ मिलाकर सेवन करें । अवश्य आरंभ मिलेगा।

* आधा चम्मच पपीते के रस में जरा सी चीनी मिलाकर लेने से अजीर्ण खत्म हो जाता है।

* तीन दाने काली मिर्च, तीन लौंग और 30 नीम की कलियां - तीनों को पीसकर जरा सी शक्कर मिलाकर सुबह-शाम 15 दिनों तक सेवन करने से अजीर्ण ठीक हो जाता है।

* अदरक के रस में दो चुटकी पिसा जीरा और शहद मिलाकर पिएं। अजीर्ण में आराम मिलेगा।

आ यु र्वे दि क चिकित्सा में त्रिफला चूर्ण का सेवन लाभप्रद है। भोजन के बाद ऊंझा पंचासव का सेवन करने से अजीर्ण ठीक हो जाता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 28 वर्ष है। 3 माह का गर्भ है। डॉक्टर कहते हैं शरीर में खून कम है। क्या आयुर्वेद में इसका उपाय है? कृपा कर बताएं! - श्रीमती अंबिका राव, सिकंदराबाद

उत्तर : गर्भावस्था में भ्रूण के विकास के लिए लोह तत्व, जीवनीय तत्व के संग प्रोटीन की विशेष आवश्यकता होती है। अधिकतर भारतीय स्त्रियां रक्ताल्पता एवं कैल्शियम की कमी से ग्रसित होती है ।उचित पोषण के अभाव में गर्भिणी व गर्भस्थ शिशु दोनों प्रभावित होते हैं। इस काल में मौसमी सब्जियां, ताजे मौसमी फल, दूध, दही, घी, तरह-तरह की दालों का प्रयोग उचित पोषण प्रदान करता है। आयुर्वेद में ऐसे कई कल्प है जो इस पोषणाभाव की पूर्ति करते हैं। ऊंझा नवरत्नकल्पामृत रस टिकिया, ऊंझा ताप्यादि लोह टिकिया, ऊंझा गर्भपाल रस का प्रयोग रक्ताल्पता नाशक एवं उचित पोषक है । इन्हें गाय के दूध से लेने पर तत्काल नतीजे मिलते हैं। भोजन के बाद ऊंझा लोहासव का प्रयोग रक्त को बढ़ाता है। शतावरी चूर्ण का प्रयोग भी पोषक तत्वों की कमी को पूरी कर नारी को पूर्ण स्वास्थ्य प्रदान करता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की किरण बना

पीएम बोले- हमारा देश आशा का संचार कर रहा

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार दिया और कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह (भारत) उम्मीद की एक किरण बना है और आशा का संचार कर रहा है। समाचार चैनल एनडीटीवी की ओर से आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है 'भारत की शताब्दी।' दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि हालांकि भारत की अपनी चिंताएं हैं, लेकिन इसमें सकारात्मकता की भावना है जो सभी भारत के लिए महसूस भी करते हैं। उन्होंने कहा, भारत आज एक विकासशील देश भी है और उभरती हुई शक्ति भी है। हम गरीबी की चुनौतियां भी समझते हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानते हैं। हमारी सरकार तेजी से नीतियां बना रही है, निर्णय ले रही है, नए सुधार कर रही है। उन्होंने कहा, आज भारत हर सेक्टर में, हर क्षेत्र में जिस तेजी से काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। भारत की गति, भारत का पैमाना अप्रत्याशित है। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के शुरुआती 125 दिनों में किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और यह 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प में भी दिखता है। उन्होंने कहा, हमने गरीबों के लिए 3 करोड़ घरों के निर्माण, 9 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और 15 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई है। मोदी ने कहा कि भारत ने दूरसंचार और डिजिटल भविष्य, वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र, वैश्विक फिनटेक उत्सव से संबंधित कार्यक्रमों में भी भाग लिया और नागरिक उड्डयन और नवीकरणीय ऊर्जा के भविष्य पर चर्चा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया। उन्होंने कहा, ये आयोजन उस विश्वास को प्रदर्शित करता है जो दुनिया का भारत में है।

78 हजार के रिकॉर्ड स्तर पर सोना : इस साल 14,616 महंगा हुआ, चांदी भी 4,884 बढ़कर 97,167 प्रति किलो पर पहुंची

नई दिल्ली,21 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोना और चांदी आज यानी 21 अक्टूबर को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 558 रुपए बढ़कर 77,968 रुपए पर पहुंच गया। इससे एक दिन पहले इसके दाम 77,410 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में 4,884 रुपए की तेजी रही और यह 97,167 रुपए प्रति किलो के भाव से बिक रही है। इससे एक दिन पहले चांदी 92,283 रुपए पर थी। इससे पहले चांदी ने 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो का हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,790 रुपए है। **मुंबई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 73,000 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,690 रुपए है। **हैदराबाद :** 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रु 73000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत रु 79640 रुपए है।

दिवाली से पहले अनिल अंबानी को मिली खुशखबरी

6000 करोड़ रुपए की मिली सौगात

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीते कुछ महीनों से अनिल अंबानी के अच्छे दिन शुरु हो गए हैं, इसकी वजह है अनिल अंबानी की दो कंपनियां। अनिल अंबानी की ये दो कंपनियां हैं रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर। ये दोनों कंपनियां कर्जमुक्त हो चुकी है। अब दिवाली से ठीक पहले रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर एक और खुशखबरी आई है। दरअसल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरधारकों ने शेयरों के क्यूआईपी के जरिए 6,000 करोड़ रुपये जुटाने की कंपनी की योजना को मंजूरी दे दी है।

कंपनी ने खुद दी जानकारी

कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि दोनों प्रस्तावों को शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है, जिसमें डाक मतपत्र के माध्यम से प्रस्तावों के पक्ष में 98 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के निदेशक मंडल ने 19 सितंबर को 6,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना को मंजूरी दी थी। इसमें से 3,014 करोड़ रुपये शेयरों या परिवर्तनीय वारंट के तरजीही आवंटन के जरिए जुटाए जाने थे, जबकि 3,000 करोड़ रुपये क्यूआईपी के जरिए जुटाए जाएंगे।

शेयरों में तेजी

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयरों ने बीते 6 महीने के दौरान निवेशकों को करीब 40 फीसदी की रिटर्न दिया है। खबर लिखे जाने तक रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर का शेयर 272 रुपए पर कारोबार करता दिख रहा है। माना जा रहा है कि इस खबर से कंपनी के शेयरों में और तेजी आ सकती है। वहीं रिलायंस पावर की बात करें तो इस कंपनी ने बीते 6 महीने में निवेशकों को 46 फीसदी का रिटर्न दिया है। अभी इसका मौजूदा भाव 41 रुपए के करीब है।

ऐसे होगा विस्तार

पहले चरण में, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर 240 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 12.56 करोड़ इक्विटी शेयर या परिवर्तनीय वारंट जारी करके 3,014 करोड़ रुपये का तरजीही नियोजन शुरू कर रहा है। इसमें से 1,104 करोड़ रुपये रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रवर्तकों द्वारा प्रवर्तक कंपनी राइजी इनफिनिटी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से निवेश किए जाएंगे। राइजी 4.60 करोड़ शेयर खरीदेगी। तरजीही निर्गम में भाग लेने वाले दो अन्य निवेशक मुंबई स्थित फॉर्च्यून फाइनेंशियल एंड इक्विटीज सर्विसेज और फ्लोरिंट्री इनोवेशन एलएलपी हैं।

करण जौहर की कंपनी में ऐसा क्या

मुकेश अंबानी के बाद अदार पूनावाला भी देंगे एंटरटेनमेंट डोज

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश को कोरोना वैक्सीन देने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट के मालिक अदार पूनावाला एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। लेकिन इस बार वो वैक्सीन बनाने के लिए चर्चा में नहीं आए हैं बल्कि अब वो लोगों को एंटरटेनमेंट डोज देने की तैयारी में हैं। दरअसल, सीरम इंस्टिट्यूट के मालिक अदार पूनावाला अब फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री करने वाले हैं। एक्टिंग के जरिए नहीं बल्कि वो करण जौहर के साथ डील करने वाले हैं।

चर्चा है कि अदार पूनावाला की कंपनी सीरीन प्रोडक्शन्स 1000 करोड़ रुपये में करण जौहर की 2000 करोड़ की धर्मा प्रोडक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड में 50 फीसदी हिस्सेदारी खरीदारी करने वाली है।

1000 करोड़ में होगी डील

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अदार पूनावाला 1 हजार करोड़ खर्च करके डायरेक्टर और प्रोड्यूसर करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन में हिस्सेदारी खरीदेंगे। करण जौहर के पास धर्मा प्रोडक्शन्स की बाकी 50 फीसदी हिस्सेदारी रहेगी और वो कंपनी के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बने रहेंगे। इसके साथ ही अपूर्वा मेहता कंपनी की चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के तौर पर बनी रहेंगी।

क्या कहना है अदार पूनावाला का?

कंपनी ने बयान में कहा, सीरीन प्रोडक्शंस ने निर्माण कंपनी धर्मा प्रोडक्शंस और धर्माटिक एंटरटेनमेंट (धर्मा) में 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए एक समझौता किया है। इसके बाद, सेरेन प्रोडक्शंस के पास धर्मा में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि जौहर के पास शेष 50 प्रतिशत स्वामित्व रहेगा। बयान में कहा गया, पूनावाला के निवेश से धर्मा का मूल्य 2,000 करोड़ रुपये आंका गया है। अदार पूनावाला ने निवेश पर कहा, हमें उम्मीद है कि हम धर्मा का निर्माण तथा विकास करेंगे और आने वाले वर्षों में इसे और भी ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। जौहर ने सेरेन प्रोडक्शंस के निवेश पर कहा, यह साझेदारी हमारी भावनात्मक कहानी पेश करने की क्षमता तथा दूरदर्शी व्यावसायिक रणनीतियों का आदर्श मेल है...

मुकेश अंबानी की भी थी चर्चा

अदार पूनावाला से पहले करण जोहर की धर्मा प्रोडक्शन को खरीदने के लिए मुकेश अंबानी का भी नाम रेस में शामिल था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुकेश अंबानी के आरआईएल और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। अगर ऐसा होता है मुकेश अंबानी की पकड़ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में और मजबूत हो जाएगी। ये डील मुकेश अंबानी की जियो स्टूडियो और वायकॉम 18 स्टूडियो की मौजूदा संपत्तियों को और स्ट्रेंथ देगी।

अब सस्ता मिलेगा प्याज, सरकार ने कांदा एक्सप्रेस से मंगाई 1 ट्रेन प्याज

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।भारतीय इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब एक ट्रेन प्याज देश की राजधानी दिल्ली पहुंची है। सरकार ने ऐसा कदम बढ़ती प्याज की कीमतों को कम करने के उद्देश्य से उठाया है। व्यापारियों से लेकर आम आदमी तक के लिए फेस्टिव सीजन में मोदी सरकार की बड़ी सौगात है। सरकार की कोशिश दिवाली से पहले प्याज की कीमतों को कम करने की है। इसके लिए भारतीय रेलवे के सहारे 1,600 टन प्याज दिल्ली के थोक बाजारों में आपूर्ति करने का फैसला लिया गया है। कांदा एक्सप्रेस नाम की विशेष ट्रेन महाराष्ट्र के लासलगांव रेलवे स्टेशन से देर रात दिल्ली पहुंची है।

इतनी होगी प्याज की कीमत

दिल्ली के किशनगंज रेलवे स्टेशन पर कांदा एक्सप्रेस ट्रेन देर रात प्याज लेकर पहुंची। प्याज नासिक से ट्रेन के 42 डिब्बों में लदकर दिल्ली आई है। दिल्ली में प्याज पहुंचने पर दिल्ली और इसके आसपास के बाजारों में 2,500 से 2,600 टन प्याज की डेली सप्लाई की जाएगी। प्याज बाजार में 35 रुपए किलों पर आम आम लोगों को मिलेगा। बता दें कि इस समय दिल्ली के खुदरा बाजार में प्याज का दाम 75 रुपए किलो से ज्यादा है। पिछले दिनों उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने इसके बारे में जानकारी दी थी।

प्याज को लेकर सरकार बना रही प्लान

इसी तरह की व्यवस्था लखनऊ, वाराणसी, असम, नागालैंड और मणिपुर सहित पूर्वोत्तर राज्यों तक विस्तार किया जाएगा। सरकार परिवहन में प्याज के नुकसान को कम करने के लिए सील बंद कंटेनर परिवहन के लिए कॉनकॉर्ड के साथ भी बातचीत कर रही है। आम लोगों को राहत देने के लिए सरकार दिवाली से पहले मोबाइल वैन, एनसीसीएफ और एनएएफईडी के जरिए प्याज का वितरण करेगी।

भारत में पहली बार ट्रेन से प्याज महंगाई गई है। दिल्ली के किशनगंज रेलवे स्टेशन पर कांदा एक्सप्रेस ट्रेन प्याज लेकर जब पहुंची तो उपभोक्ता मंत्रालय के अधिकारियों ने ट्रेन का स्वागत किया।

मुकेश अंबानी को टक्कर देने की तैयारी में भाटिया ग्रुप

कोका-कोला में खरीद सकता है 40 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जुबिलेंट भाटिया समूह के प्रोमोटर श्याम और हरि भाटिया हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की प्लानिंग कर रहे हैं। इस डील को पूरा करने के लिए 12,500 करोड़ रुपए की जरूरत पड़ेगी, जिसके लिए वह एसेट मैनेजर्स, म्यूचुअल फंड्स और विदेशी बैंकों के साथ बातचीत कर रहे हैं।यह खबर तब सामने आई है जब रिलायंस की सब्सिडियरी कंपनी कैंपा कोला के प्राइस को तय करने की शानदार रणनीति और खुदरा विक्रेताओं को अधिक मार्जिन देने की प्लानिंग ने भारतीय ड्रिंकिंग मार्केट में हलचल मचा दी है। इसने न केवल बाजार में कंपटीशन को बढ़ा दिया है, बल्कि कई बड़ी कंपनियों को अपनी प्रोडक्ट के कीमतों को तय करने की नीतियों में बदलाव करने के लिए मजबूर किया है।

कम से कम एक तिहाई राशि यानी 4,000-5,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट, एरेस मैनेजमेंट, बेन कैपिटल और कोटक अल्टरनेट एसेट मैनेजर्स के साथ बातचीत चल रही है। बातचीत का नेतृत्व जुबिलेंट इंडस्ट्रीज के गैर-कार्यकारी निदेशक शमित भाटिया कर रहे हैं। एचसीसीबी कथित तौर पर पेप्सिको द्वारा एसेट-लाइट, वैल्यू-अनलॉकिंग पहल को दोहराने की कोशिश कर रही है। इस कदम से एचसीसीबी की संभावित सार्वजनिक लिस्टिंग और मूल्य निर्धारण में सहायता मिलने की उम्मीद है।

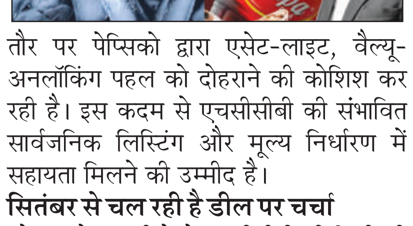

सितंबर से चल रही है डील पर चर्चा

कोका-कोला महीनों से एचसीसीबी की बिक्री की संभावना तलाश रही है। सबसे पहले ये खबर सितंबर महीने में आई थी। तब ये कहा गया था कि अमेरिका की कंपनी कोका-कोला भारत में अपनी सब्सिडियरी हिंदुस्तान कोका-कोला बेवररेजेस'(एचसीसीबी) की वैल्यू को अनलॉक करना चाहती है। तब उसकी बातचीत देश के 4 बड़े कारोबारी घराने डाबर ग्रुप, जुबिलेंट फूड वर्क्स, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज और एशियन पेंट्स से चल रही थी। लेकिन डाबर और जुबिलेंट के पास फूड एंड बेवरेजेस इंडस्ट्री में काम करने का अनुभव है, तो ये माना जा रहा था कि ये ग्रुप इस डील को मंजूरी दे सकते हैं। हालांकि इसको लेकर इन कंपनियों के तरफ से अभी तक कोई अधिकारिक बयान नहीं सामने आया है।

मिडकैप-स्मॉलकैप स्टॉक्स में बिकवाली से शेयर बाजार में हाहाकार, निवेशकों को 5 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में गिरावट की सुनामी से सोमवार के कारोबारी सेशन में इन स्टॉक्स में मातम छा गया। निफ्टी का मिडककैप इंडेक्स दिन के हाई से 1350 अंकों तक नीचे जा गिरा तो निफ्टी के स्मॉल कैप इंडेक्स में 415 अंकों की गिरावट देखी गई। बाजार के क्लोजिंग पर मिडकैप इंडेक्स 1000 और स्मॉलकैप इंडेक्स 300 अंक गिरकर क्लोज हुआ है। हालांकि सेंसेक्स - निफ्टी में उतनी बड़ी गिरावट नहीं रही। सेंसेक्स 73 अंक गिरकर 81,151 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 73 अंक गिरकर 24,781 अंकों पर क्लोज हुआ है। एफएमसीजी और आईटी शेयरों में बिकवाली के चलते बाजार में ये बड़ी गिरावट आई है। गिरने वाले शेयरों में कोफोर्ज 5.55 फीसदी, वोडाफोन आइडिया 5.54 फीसदी, एमआरपीएल 4.79 फीसदी, पर्सिसटेंट सिस्टम्स 4.54 फीसदी, आईओबी 4.23 फीसदी हिंदुस्तान पेट्रोलियम 4.11 फीसदी, पॉलीकैब 3.97 फीसदी, बंधन बैंक 3.95 फीसदी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र 3.89 फीसदी, एसबीआई कार्ड्स 3.44 फीसदी की गिरावट के क्लोज हुआ है। तेजी वाले शेयरों में टाटा केमिकल्स 8.77 फीसदी, ओबेरॉय रिएल्टी 2.99 फीसदी, मझगांव डॉक्स 2.84 फीसदी, बीएसई 1.76 फीसदी, मैक्स हेल्थ 1.34 फीसदी, पतंजलि 0.79 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है। शेयर बाजार में गिरावट के चलते निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप घटकर 453.27 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है जो पिछले कारोबारी सत्र में 458.21 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये का सेंध लगा है। आज के ट्रेड में केवल ऑटो इकलौता ऐसा सेक्टर रहा है जिसके शेयरों में तेजी रही और निफ्टी का ऑटो इंडेक्स 105 अंकों के उछाल के साथ क्लोज हुआ है।

बांग्लादेश संकट से भारत की दुनिया में जमेगी धाक,6 महीने में कूट दिए 60 हजार करोड़

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कहते हैं न किसी की लड़ाई में दूसरे को फायदा हो जाता है। कुछ ऐसा ही बांग्लादेश के साथ भी हुआ है। बांग्लादेश के हालात इस समय काफी खराब हैं, शेख हसीना के देश छोड़ने और तख्तापलट के बाद बांग्लादेश के कई बिजनेस पर असर पड़ रहा है। कई कारोबार लगभग ठप हो गए हैं। लेकिन बांग्लादेश का संकट भारत के लिए मुनाफा साबित हो रहा है। वहीं, अब भारत की दुनिया में धाक भी जमेगी। आइए जानते हैं कैसे...दरअसल, बांग्लादेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री दुनिया की सबसे बड़ी इंडस्ट्रीज में से एक थी, यहां बने कपड़े भारत समेत दुनिया के कई देशों में एक्सपोर्ट किए जाते थे।

लेकिन अब बांग्लादेश को उसी के चिराग से काफी नुकसान हो रहा है और भारत को फायदा हो रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, बांग्लादेश क्राइसिस के बाद भारतीय कपड़ा उद्योग ने रफ्तार पकड़ी है और इसने 6 महीने में 60 हजार करोड़ कूट डाले हैं।

बांग्लादेश में संकट बढ़ने से दुनियाभर के कपड़ों के खरीददार भारत की तरफ रुख कर रहे हैं, जिससे भारत का इम्पोर्ट बढ़ गया है।

भारत का बढ़ा इम्पोर्ट

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, ग्लोबल अनसर्टेनिटीज के बावजूद देश का कपड़ा एक्सपोर्ट चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-सितंबर के दौरान 8.5 प्रतिशत बढ़कर 7.5 अरब डॉलर यानी 60 हजार करोड़ रुपये हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में भी रेडीमेड कपड़ों का निर्यात 17.3 फीसदी बढ़कर 1.11 अरब डॉलर पहुंच गया है।

दुनियाभर में फैला है कारोबार

बांग्लादेश का कपड़ा कारोबार दुनियाभर में फैला हुआ है लेकिन क्राइसिस के बीच इसे अपने कपडा कारोबार से मोटा नुकसान भी हो रहा है। बीते आंकड़ों पर नजर डालें तो बांग्लादेश से हर महीने 3.5 से 3.8 अरब डॉलर का कपडा एक्सपोर्ट होता था। यूरोपियन संघ से लेकर यूके तक बांग्लादेश से कपडे एक्सपोर्ट होते थे।

भारत को होगा फायदा

बांग्लादेश संकट का सीधा फायदा भारत को हो रहा है। बीते 6 महीने की बात करें तो कपड़ा इंडस्ट्री से भारत को मोटा फायदा हुआ है।

बांग्लादेश में बढ़ते संकट के चलते दुनियाभर के कारोबारी भारत में अपने ऑर्डर बढ़ा रहे हैं। जानकारों के मुताबिक, ऐसे में भारत इसका फायदा उठा सकता है और अपनी एक्सपोर्ट कैपेसिटी को भी बढ़ा सकता है। वहीं बांग्लादेश में जिन भारतीयों की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगी हैं, वो भी अपना बिजनेस भारत में शिफ्ट कर सकते है। इससे न सिर्फ भारत की कमाई बढ़ेगी बल्कि देश में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-14
सूर्यास्त. - 17-46
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला	मे	तुला--	05-54 बजे
चंद्र-	मिथुन	मे	वृश्चिक-	08-04 बजे
मंगल	कर्क	मे	धनु----	10-17 बजे
बुध-	तुला	मे	मकर...	12-23 बजे
गुरु-	वृष	मे	कुंभ-	14-14 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	मे	मीन-	15-52 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मेष---	17-28 बजे
राहु-	मीन	मे	वृष---	19-13 बजे
केतु-	कन्या	मे	मिथुन	21-14 बजे
			कर्क--	23-25 बजे
			सिंह---	01-38 बजे
			कन्या--	03-45 बजे

दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 01-29 तक उपरान्त सप्तमी
मास - कार्तिक कृष्ण , मंगलवार 22 October
नक्षत्र - आद्रा 05-38 तक पुनर्वसु
योग - परिघ 08-55 तक उप शिव
करण- गर 13-53 तक उप वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - हेमन्त ऋतु प्रा.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 14:54 से 16:21 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग.	06:14 - 07:39	अशुभ	काल.	17:46 - 19:21	अशुभ
उत्पात	07:39 - 09:06	अशुभ	लाभ	19:21 - 20:54	शुभ
चंचल.	09:06 - 10:33	शुभ	उत्पात	20:54 - 22:28	अशुभ
लाभ	10:33 - 12:00	शुभ	शुभ.	22:28 - 00:01	शुभ
अमृत	12:00 - 13:27	शुभ	अमृत.	00:01 - 01:34	शुभ
काल	13:27 - 14:54	अशुभ	चंचल	.01:34 - 03:07	शुभ
शुभ	14:54 - 16:21	शुभ	रोग	03:07 - 04:40	अशुभ
रोग	16:21 - 17:46	अशुभ	काल	04:40 - 06:14	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको अपने कार्यक्षेत्र से संभंधित कार्य में अपने मित्रो और सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है । आप उनको अपना आभार देना न भूले और बदले में आप भी समय पड़ने पर उनकी सहायता करे । धन एवं नकदी प्रवाह में सुधार आयेगा । इस दिन आपको अपने अनावश्यक खर्चों पर भी लगाम लगानी होगी क्योकि आप अछा कमाएंगे पर साथ साथ आपके खर्चे घटाने आपके लिए मुश्किल होंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
अपने हाल फिलहाल इसलिए धन खोया क्यों की आपने अविवेकपूर्ण तरीके से जल्दी पैसे देने वाली मृगतृष्णाओ वाली परियोजनाओं में पैसे लगाया । इस तरह की और परियोजनाओं आपके समक्ष आएगी लेकिन आपको अपने विवेक का इस्तेमाल करना है अन्यथा आप वित्तीय परेशानी में फँस सकते है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं । यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है । इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा । अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है , पर ये भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है । आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं , लेकिन आप इन बातों में लिप्त न हो नहीं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं । लोग इसे एक अपराध के रूप में लेंगे और हमेशा के लिए आप अपना विश्वास खो सकते हैं जो इतने सालों में अपने अपने लिए बनाया है, इसलिए इस तरह के कृत्य से दूर रहे और बस आप अपने हर कार्य में ईमानदारी का प्रदर्शन करे , जिस तरह से आपने हमेशा से किया है !

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज जहा तक पैसे की बात है तो आप के लिए एक भाग्यशाली दिन है। अगर अतीत में आपने किसी को धन उधार दिया है तो आपको अपने पैसे वापस मिल सकते हैं।आपकी किस्मत चिट फंड या जुए के किसी अन्य रूप में आपको वितीय लाभ पंहुचा सकती है । छात्रों का करियर सही दिशा में आगे बढेगा या कि।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन आपकी प्रगति रुक सकती है। अगर आपने किसी भी गैजेट या कुछ रचनात्मक वस्तु का उत्पादन किया है, तो उसे जल्द से जल्द उस पर क़ानूनी एकाधिकार करवा ले । लोग ये साबित करने की कोशिश कर सकते हैं की ये वस्तु उन्ही की है , हालांकि वास्तविकता में वे शायद ही कोई भी उत्पाद की एक प्रतिकृति के निर्माण में आपके करीब आ सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपको अपने काम से प्यार है और आप अच्छा कार्य कर रहे हैं। हालांकि, विपरीत ग्रह आपके कार्यस्थल में अस्थायी गड़बड़ी का कारण बन सकते है। इन क्षणिक भावनाओं के आधार पर किसी भी आवेगी निर्णय लेने से बचे । आप अपने कार्यस्थल पर अपने गुस्से को काबू रखे और विचलित करने वाली स्थितियों को दरकिनार करे अन्यथा आप एक ऐसी नौकरी को त्याग सकते है जिसको आप बेहद प्यार करते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

तेजस्वी और हेमंत के बीच मुलाकात से बन गई बात

आरजेडी-जेएमएम और कांग्रेस में सीट बंटवारे पर सहमति

रांची, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव में आरजेडी इंडिया गठबंधन के तहत ही चुनाव लड़ेगी। आरजेडी के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बीच सोमवार को रांची में कांके रोड़ स्थित आवास पर इस बात को लेकर सहमति बनी। उम्मीद है कि जल्द ही गठबंधन में सीट शेयरिंग का ऐलान कर दिया जाएगा।

पिछले तीन दिनों से तेजस्वी यादव रांची में जमे हुए थे। आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस कर कहा था कि आरजेडी को 3-4 सीटें दी जा रही है। जेएमएम और कांग्रेस की ओर से लिया गया एकतरफा फैसला पार्टी को मंजूर नहीं है।

आरजेडी के प्रवक्ता और सांसद मनोज कुमार झा ने कहा था कि करीब 22 सीटों पर आरजेडी मजबूत है। पार्टी 60 से 62 सीटों पर गठबंधन को मदद करेगी। अगर सम्मानजनक सीटें नहीं मिली तो पार्टी अन्य सीटों पर निर्णय करने के लिए स्वतंत्र है। इसके लिए आरजेडी ने जेएमएम और कांग्रेस को सोमवार 11 बजे तक का समय दिया था। लेकिन प्रेस कांफ्रेंस से पहले सुबह दस बजे इसे दोपहर डेढ़ बजे तक के लिए टाल दिया गया। फिर दोपहर 12 बजे ये सूचना दी गई कि प्रेस कांफ्रेंस को स्थगित कर दिया गया है।

इस बीच सोमवार को तेजस्वी यादव और आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा मुख्यमंत्री आवास पहुंचे, जहां हेमंत सोरेन से इनकी गठबंधन को लेकर चर्चा हुई। दोनों नेताओं के बीच बातचीत में ये तय हुआ कि आरजेडी 2019 में जितनी सीटों पर चुनाव लड़ी थी उतने ही सीटों पर इस बार चुनाव लड़ेगी।

दादी की त्रिशूल से हत्या कर खून से किया शिवलिंग का अभिषेक

फिर किया ऐसा काम की हैरान हो गए लोग

दुर्ग, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मानव बलि का एक संदिग्ध मामला सामने आया है। जिसमें एक व्यक्ति ने अपनी दादी की हत्या कर उनका खून शिवलिंग पर चढ़ाया और फिर आत्महत्या की कोशिश की। पुलिस ने मामले की जानकारी दी। दुर्ग जिले के धमधा के अनुमंडल पुलिस अधिकारी संजय पुंढीर ने कहा कि नंदिनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ननकट्टी गांव में शनिवार शाम हुई इस घटना का कारण अंधविश्वास प्रतीत होता है। स्थानीय निवासियों से सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और रुक्मणि गोस्वामी नामक महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

अधिकारी ने कहा कि आरोपी गुलशन गोस्वामी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक सूचना के अनुसार

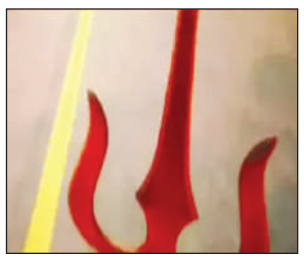

गुलशन भगवान शिव के मंदिर के निकट एक कमरे में अपनी दादी के साथ रहता था और रोजाना पूजा के लिए मंदिर जाता था। अधिकारी ने बताया कि शनिवार शाम को उसने कथित तौर पर घर में रखे त्रिशूल से दादी की हत्या कर दी और उनका रक्त मंदिर ले जाकर शिवलिंग पर चढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि वह व्यक्ति घर लौटा और अपनी गर्दन पर वही त्रिशूल मारकर आत्महत्या का प्रयास किया, जिसकी वजह से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारी ने कहा कि गुलशन को राज्य की राजधानी रायपुर में स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। पुंढीर ने कहा, "प्रथम दृष्टया यह अंधविश्वास का एक मामला प्रतीत होता है। इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।"

दादी का हाथ-पैर बांधकर की हत्या

स्थानीय लोगों के अनुसार, गुलशन पहले से ही अपनी दादी की हत्या की कोशिश कर चुका था। शनिवार को दादी की हत्या करने से पहले उसने दादी का हाथ-पैर कुर्सी से बांध दिए। इसके बाद त्रिशूल लाकर हमला कर दिया। दादी की जब तक मौत नहीं हो गई वो वहीं खड़ा रहा और देखता रहा। बाद में खून ले जाकर उसने शिवलिंग पर चढ़ा दिया।

पंकज मिश्रा को हाईकोर्ट से मिली जमानत

साहेबगंज में अवैध खनन-मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप, सीएम हेमंत तक पहुंची थी जांच की आंच

रांची, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के साहेबगंज में अवैध पत्थर खनन और उससे की गई अवैध कमाई के आरोपी पंकज मिश्रा को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। उसे ईडी ने 10 घंटे की लगातार पूछताछ के बाद 19 जुलाई 2022 को गिरफ्तार किया था। झारखंड हाईकोर्ट में उसकी बेल याचिका पर न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में सुनवाई हुई। इससे पहले उसने ईडी विशेष अदालत में जमानत के लिए अर्जी लगाई थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। पंकज मिश्रा पर कई तरह के आरोप हैं। उस पर साहेबगंज में 12 सौ करोड़ रुपए से अधिक की अवैध माइनिंग, उससे हुई अवैध कमाई के अतिरिक्त टेंडर मैनेज करने का भी आरोप लगा है। ईडी ने उसे अवैध माइनिंग और अवैध कमाई मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों ही मामले में ईडी ने आरोप अदालत में आरोप गठित कर दिए हैं। ईडी ने अदालत को बताया है कि साहिबगंज के 12 सौ करोड़ रुपए से अधिक के अवैध खनन केस में हेमंत के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, उनके करीबी अमित अग्रवाल, प्रेम प्रकाश जेल में हैं। जांच में रवि केजरीवाल ने बताया था कि खनन में उगाही का पैसा हेमंत सोरेन के कहने पर अमित तक प्रेम प्रकाश के जरिए जाता था। जांच में यह भी पता चला है कि अमित की 40 कंपनियों में 100 करोड़ से अधिक की अवैध कमायी का निवेश किया गया। हेमंत सोरेन के दो बॉडीगार्ड के एके-47 भी जब्त किए गए थे।

साहेबगंज में हुए 12 सौ करोड़ रुपए से अधिक के अवैध खनन का मामले की शुरुआत मामूली से एक शिकायत से हुई थी। दरअसल, साहिबगंज के नींबू पहाड़ पर अवैध खनन चल रहा था। इसके कारण यहां के ग्रामीणों के घरों में दरारें पड़ने लगी थी। इससे तंग आकर 2 मई 2022 को ग्रामीणों ने अवैध खनन बंद कराने वहां पहुंचे, जिसे खनन में शामिल लोगों के शागिर्दों ने वहां से खदेड़ दिया। आखिर में ग्रामीण विजय हांसदा ने साहिबगंज के एसटी एससी थाने में सीएम के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, उनके सहयोगी विष्णु यादव, पवित्र यादव, राजेश यादव, बच्चू यादव, संजय यादव व सुभाष यादव के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इस एफआईआर के आधार पर ईडी 8 जुलाई 2022 को साहिबगंज के तकरीबन 20 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसमें एक नाम बरहेट विधायक सीएम हेमंत सोरेन के प्रतिनिधि पंकज मिश्रा का भी था। इस छापेमारी में कई पत्थर व्यवसायी के घर से ईडी को कई अहम सुराग हाथ लगे।

डिप्टी सीएम की अध्यक्षता में नगरीय प्रशासन विभाग की समीक्षा बैठक

अंबिकापुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंबिकापुर में उप मुख्यमंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नगरीय प्रशासन विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने सरगुजा संभाग के समस्त नगरीय निकायों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शासन की मंशा अनुरूप आपसी समन्वय के साथ शहर के बेहतर विकास और जनहित में कार्य करने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में सचिव, नगरीय प्रशासन डॉ. बसवराजु एस. और कलेक्टर श्री विलास भोसकर भी उपस्थित रहे। बैठक में उप मुख्यमंत्री साव ने सभी नगर निगमों के आयुक्तों एवं नगरीय निकायों के सीएमओ से राज्य स्तरीय बैठक में निकायों के संचालन, कार्य पद्धति और कार्यालय के रखरखाव पर दिए निर्देशों पर अमल की जानकारी ली।

चिराग ने खेला बड़ा दांव

चतरा से मैदान में उतारा दिग्गज चेहरा

चतरा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में पूर्व विधायक जनार्दन पासवान चतरा सीट से लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा-आर) के उम्मीदवार होंगे। चिराग पासवान ने आधिकारिक तौर से उन्हें लेटर और सिंबल सौंप दिया है। एलजेपी-आर को चतरा सीट दिए जाने के बाद जनार्दन पासवान ने पार्टी का दामन थामा था। इसके साथ ही आरजेडी की ओर से उन्हें उम्मीदवार बनाए जाने का ऐलान किया गया।

चतरा सीट से दो बार विधायक रहे जनार्दन पासवान ने दिल्ली में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सदस्यता ग्रहण की थी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल खालिक और झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान की मौजूदगी में जनार्दन पासवान ने पार्टी जॉइन की। इसके बाद उन्होंने लोजपा-आर के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की। चिराग पासवान ने जनार्दन पासवान को सिंबल सौंपा। जनार्दन पासवान पहली बार 1995 में जनता दल के टिकट पर चतरा विधानसभा से चुनाव जीतकर विधायक बने थे। बाद में, 2009 में वे राजद के टिकट पर दोबारा विधायक चुने गए। 2014 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने राजद के टिकट से चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें भाजपा के जयप्रकाश सिंह भोक्ता से हार का सामना करना पड़ा। चतरा विधानसभा सीट अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है और पासवान वोटर्स की संख्या यहां महत्वपूर्ण है। बिहार से सटे होने के कारण इस क्षेत्र में बिहार की राजनीति का भी प्रभाव है। वर्तमान में चतरा से सत्यानंद भोक्ता राजद के विधायक हैं और हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री भी हैं।

सिल्ली से ही चुनाव लडेंगे सुदेश महतो, 8 नाम जारी

होल्ड पर 2 सीट, भाजपा में बढ़ रही बगावत, जेएमएम जॉइन कर सकती हैं लुईस मरांडी

सुदेश महतो

रांची, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी के बाद आजसू ने भी पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहली सूची में 10 सीटों में 8 पर कैंडिडेट की घोषणा की गई है। मनोहरपुर और डुमरी सीट अभी होल्ड पर है। पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो खुद सिल्ली से चुनाव लड़ेंगे।

पार्टी ने तीन विधायकों को रिपीट किया है, वहीं दो महिलाओं को भी मौका मिला है। होल्ड पर रखी गई डुमरी सीट से यशोदा देवी के नाम की चर्चा है। इधर बीजेपी की पहली लिस्ट जारी होने के बाद पार्टी में बगावत बढ़ गई है। अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा को टिकट देने के विरोध में मेनका सरदार पहले ही पार्टी छोड़ चुकी हैं।

अब रविवार को भाजपा नेता गणेश महली और मलखान सिंह ने भी पार्टी छोड़ दी। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लुईस मरांडी ने बरहेट सीट से चुनाव लड़ने के ऑफर को ठुकरा कर स्पष्ट कर दिया है कि वह अब भाजपा में नहीं रहेंगी। सूत्रों के अनुसार वह जल्द झामुमो में शामिल होंगी। वे जामा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी।

2 सीटें घोषित न होने के 2 कारण

1. आजसू ने मनोहरपुर और डुमरी में प्रत्याशी इसलिए घोषित नहीं किए क्योंकि यहां टिकट के एक से अधिक दावेदार हैं। इनमें दमदार कौन अभी तय नहीं। इसीलिए घोषणा अटकी।

2. टुंडी और बरहेट पर भाजपा ने भी नाम घोषित नहीं किए हैं। भाजपा के सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा सीटों के लेन-देन की बात कह चुके हैं। नाम न घोषित होने की एक वजह यह भी।

हुसैनाबाद के भाजपा नेता विनोद सिंह और प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य संदीप वर्मा ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की है। संदीप वर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा है कि वे रांची से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। ईचागढ़ सीट आजसू के खाते में जाने के बाद से हाल ही में भाजपा में शामिल हुए मलखान सिंह ने भी इस्तीफा दे दिया। मलखान सिंह ने कहा कि वे 24 अक्टूबर को नामांकन करेंगे। गणेश महली सरायकेला में चंपाई सोरेन के खिलाफ भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ते रहे हैं।

मधुपुर के पूर्व विधायक राज पलिवार और पूर्व मंत्री बाटुल झा भी पार्टी के रवैये पर नाराज हैं। राज पलिवार ने सोशल मीडिया में लिखा है कि मधुपुर में उस भाजपा कार्यकर्ता को टिकट देना चाहिए था, जिसने सालों से बिना स्वार्थ खून-पसीने से पार्टी को सींचा है। यह बेहद दुखद है कि समर्पित कार्यकर्ता की जगह एक धनवान व्यक्ति को चुना गया। भाजपा नेता शिवशंकर सिंह जमशेदपुर पूर्वी से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। शिवशंकर भाजपा से टिकट के दावेदार थे।

झारखंड में 26 अक्टूबर तक बारिश की संभावना

23 और 24 अक्टूबर से बदलेगा मौसम, बारिश के बाद बढ़ेगी ठंड

रांची, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में 23 अक्टूबर से मौसम का मिजाज बदल सकता है। राज्य के कई जिलों में 26 अक्टूबर तक बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में 20 अक्टूबर को बने लो प्रेशर असर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। इस वजह से झारखंड में 23 और 24 अक्टूबर को बारिश की संभावना बन रही है। इसका असर 26 अक्टूबर तक रहेगा। यानी 26 अक्टूबर तक राजधानी और आसपास के हिस्सों में तेज बारिश हो सकती है। आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

ट्रक ने बाइक को रौंदा, भाई-बहन और भांजी की मौत

दुर्ग में मां बोली- एक ही बेटा था, कुचलकर मार डाला, परिवार उजाड़ दिया

दुर्ग, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में सड़क हादसे में भाई-बहन और भांजी की मौत हो गई। सीमेंट से भरे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक से लौट रहे परिवार को चपेट में ले लिया। सीएम मेडिकल कॉलेज रोड पर मांडले ढाबा के पास हुए हादसे में 2 साल की पूजा गंभीर रूप से घायल है, जिसे पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हादसे के बाद रोती-बिलखती मां ने कहा कि मेरा एक ही बेटा था, उसे कुचलकर मार डाला। पूरे परिवार को उजाड़ दिया। अब वह किसे अपना बेटा कहकर बुलाएगी।

हादसे के बाद बड़ी संख्या में आक्रोशित लोगों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया, पुलिस और प्रशासन की समझाइश के बाद लोग शांत हुए और ट्रक के नीचे से शव को बाहर निकाला गया। आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राजेश साहू मजदूरी करता था वो अपने पीछे पत्नी प्रियंका साहू, दो बच्चे और बुजुर्ग मां को छोड़ गया। उसकी बहन ऋतु साहू का पव्वारा में ससुराल है, उसके पति राकेश साहू पेंटर हैं। परिजनों से बातचीत के दौरान परिजन ने कहा कि सड़क पर भारी वाहनों को चलाया जाता है। तेज रफ्तार में गाड़ियां दौड़ती हैं, जिससे आए दिन हादसा होते हैं। ड्राइवर की लापरवाही ने हमारे बेटे को मार डाला।

रोते बिलखते मां ने कहा कि एक ही बेटा था, जिसे ड्राइवर ने ट्रक चढ़ाकर मार डाला। अब उनका ख्याल कौन रखेगा। एक ही बेटी थी। किसे बेटी कहूंगी। इस तरह कहकर मां खूब रही है। आंखों से आंसू नहीं थम रहे हैं। वहीं परिजनों ने कहा कि मंदिर से पूजा कर वापस उतर रहे थे। वह साइड में थे, लेकिन ट्रक चालक ने उन्हें रौंद डाला।

गाड़ी वाले ने मेरे पूरे परिवार को उजाड़ डाला। परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में सड़क जाम कर बैठे रहे। बताया जा रहा है कि सभी कचान्दूर में गृह प्रवेश से लौट रहे थे, तभी रामेश्वरम महादेव मंदिर के पास आज सुबह 6:30 से 7 के बीच हादसे का शिकार हो गए।

राजेश साहू अपनी बहन ऋतु और उसकी दो बेटियों को लेकर बाइक से लौट रहा था। सभी ढौर अपने रिश्तेदार के यहां छठी और गृह प्रवेश में शामिल होने गए थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें चपेट में ले लिया।

सूरजपुर डबल मर्डर, मास्टरमाइंड से पिस्टल जब्त

पुलिस पर की थी फायरिंग, आरोपियों के पुतलों को लगाई फांसी, अफसर बोले- घर ढहाकर बनाएंगे पार्क

सूरजपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख की पत्नी और बेटी की हत्या के आरोपियों को मौत की सजा की मांग की जा रही है। रविवार को सूरजपुर में प्रदर्शन कर उनके पुतलों को फांसी दी गई। वहीं पुलिस ने मास्टरमाइंड कुलदीप साहू से पिस्टल बरामद कर लिया है। कुलदीप साहू ने हत्या के बाद भागते हुए पुलिस पर फायरिंग की थी, जिसके पुलिस ने 8 राउंड फायरिंग की थी। अफसरों की माने तो जल्द ही कुलदीप के अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया जाएगा। घर को ढहाकर पार्क बनाने की तैयारी है। कुलदीप साहू की पुलिस रिमांड आज खत्म हो रही है। पुलिस आरोपी को कोर्ट में पेश करेगी। गुरुवार को पुलिस को तीन दिन की अतिरिक्त रिमांड मिली थी। पुलिस उसका अतिरिक्त रिमांड नहीं मांगेगी।

दरअसल, 13 अक्टूबर की रात कुलदीप साहू ने 2 साथियों एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सीके चौधरी और रिंकू सिंह के साथ मिलकर हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख की पत्नी और बेटी की चाकुओं से हत्या कर दी थी। उनके शवों को आरोपियों ने कार में डालकर 5 किलोमीटर दूर खेत में फेंक दिया था। रविवार को संयुक्त पुलिस परिवार ने आरोपियों को फांसी देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान आरोपियों के पुतलों को फांसी दी गई। उक्त मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाकर 15 दिनों में आरोपियों को फांसी देने की मांग संयुक्त पुलिस परिवार ने की। संयुक्त पुलिस परिवार के संयोजक उज्जवल दीवान के आह्वान पर रविवार को कोतवाली के सामने स्थित पुराने बस स्टैंड परिसर में लोग जुटे थे। विरोध प्रदर्शन में सूरजपुर नगर पालिका अध्यक्ष केके अग्रवाल भी शामिल हुए। हालांकि प्रदर्शन में सूरजपुर पुलिस परिवार के सदस्य शामिल नहीं हुए। इस दौरान केके अग्रवाल ने कहा कि आरोपी कुलदीप के अवैध घर और बाउंड्रीवाल को गिराने के लिए नगर पालिका तैयार है। प्रशासन का साथ मिले तो प्रशासन और नगर पालिका उसके अवैध घर को ढहा देगी। उस जगह पर पार्क बनाया जाएगा। कुलदीप साहू को हत्या के बाद भागते हुए पुलिस ने रात में पकड़ने की कोशिश की थी। हालांकि तब तक पुलिस को दोहरे हत्याकांड की जानकारी ही नहीं थी। कुलदीप साहू ने विश्रामपुर टीआई अलरिक लकड़ा की टीम पर पिस्टल से फायरिंग की थी। अलरिक लकड़ा ने कुलदीप पर 8 राउंड फायर किया था। पुलिस ने कुलदीप साहू की निशानदेही पर करवां में सहयोगी सूरज साहू के घर के पीछे स्थित केले के पेड़ों में छिपाए गए पिस्टल को बरामद कर लिया है।

भाजपा नेता सच्चिदानंद को बड़े भाई ने जड़ा थप्पड़

एमसीयू के पूर्व-कुलपति ने कहा-डकैती करने आया उपासने बोले-भूपेश उनके मित्र, प्रॉपर्टी हड़पना चाहते हैं

रायपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ बीजेपी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने को एमसीयू भोपाल के पूर्व कुलपति उनके बड़े भाई जगदीश उपासने ने थप्पड़ जड़ दिया। बताया जा रहा है कि सच्चिदानंद उपासने ने शटर का ताला तोड़ा, जिससे बड़े भाई ने तमाचा मार दिया। डकैती करने का आरोप लगाया है। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। वहीं सच्चिदानंद उपासने ने कहा कि उनके भाई भूपेश बघेल के मित्र हैं। कांग्रेसियों के साथ मिलकर बीजेपी को बदनाम करने में लगे हैं। उन्होंने मुझे 2 थप्पड़ मारे हैं, लेकिन वह थाने नहीं जाएंगे, क्यों परिवार का मामला है। वे छोटे भाई को भी पीट चुके हैं। दरअसल, घटना 20 अक्टूबर की सुबह करीब 10 बजे के आस-पास की है। सच्चिदानंद और जगदीश 92 साल की रजनी ताई के बेटे हैं। रजनी ताई का नाता

आरएसएस से रहा है। वह रायपुर की पूर्व विधायक हैं। रायपुर के टिकरापारा थाना इलाके में हरचंद राय पेट्रोल पंप के पास मेन रोड में इनका मकान है। इसी मकान से ये विवाद जुड़ा हुआ है।

बीते दो ढाई साल से यहां सच्चिदानंद नहीं रहते हैं। उन्होंने दूसरा मकान बना लिया, वहीं शिफ्ट हो गए, लेकिन उनका दफ्तर यहीं है। इसी दफ्तर में वह परिवार के लोगों को बिना बताए ताला तोड़कर सामान निकलवा रहे थे। इसी बात पर विवाद हुआ है। सच्चिदानंद के बड़े भाई जगदीश देश के सीनियर जर्नलिस्ट हैं। उन्होंने सच्चिदानंद उपासने को थप्पड़ जड़ने के बाद घर पर डकैती डालने का आरोप लगाया है। जगदीश उपासने ने घटना का वीडियो और जानकारी अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। जगदीश उपासने ने बताया कि ये घर हमारी आई (मां) का है। सच्चिदानंद यहीं रहते थे। बीते कुछ समय से वो यहां नहीं रहते कहीं और बंगला बना लिया। अचानक 8-10 लोगों को लेकर आए और शटर का ताला तुड़वाकर सामान निकलवाने लगे। उन्होंने कहा कि वह इसे पहले दफ्तर के रूप में इस्तेमाल करते थे। मैंने कहा तुम अपने ही घर में इस तरह ताला तोड़कर क्यों घुस रहे हो। चाबी ले सकते थे। अपनी मां से मिल सकते थे। तीन साल से बूढ़ी मां को देखा तक नहीं। जगदीश उपासने ने आगे कहा कि इस तरह से ताला तोड़कर घुसना ये तो कानूनन डकैती है। मैं सिक्योरिटी की मांग करूंगा छत्तीसगढ़ सरकार से, मेरी मां की उम्र 92 साल है। उनका दाहिना कंधा टूटा हुआ है। वो ये सब जानकर दुखी हो जाएंगी। वो उठ-बैठ नहीं पातीं। आज जो घर में ताला तोड़कर यूं घुस रहे हैं, कल को मुझे, मेरी मां को नुकसान पहुंचा सकते हैं। जगदीश उपासने ने सोशल मीडिया पर लिखा- यह छत्तीसगढ़ है! सत्तारूढ़ भाजपा के दो स्थानीय नेता आज 20 अक्टूबर सुबह 10.30 बजे भाजपा और उसके पूर्वाश्रम जनसंघ की वरिष्ठ नेत्री, रायपुर नगर की पूर्व विधायक 92 वर्षीय रजनी ताई उपासने के घर-आफिस के ताले तोड़कर किस तरह उनके घर पर दिन-दहाड़े डकैती डाल रहे हैं!

6 साल के मासूम को नोंचते रहे कुत्ते

पड़ोसियों ने दौड़कर बचाई जान

रायपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में 6 साल की मासूम को कुत्तों ने नोंच लिया है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें मासूम अपने घर से निकलकर पड़ोस के घर पर खेलने जा रहा था। तभी सड़क पर खड़े कुत्तों के एक झुंड ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने मासूम के पेट के हिस्से को दांतों से नोंच दिया। फिलहाल इस घटना में परिजनों ने पुरानी बस्ती पुलिस और नगर निगम कमिश्नर को डॉग मालिक के खिलाफ शिकायत दी है। इस मामले को लेकर दीपक केवलानी ने बताया कि वह लाखे नगर के सिंधी मोहल्ले में रहता है। मोहल्ले में मुरली किंगरानी अपने परिवार के साथ रहता है। उसने अपने घर पर 4-5 आवारा कुत्ते पाल रखे हैं। जो अक्सर आते जाते लोगों पर अटैक करते हैं। शनिवार को उनका बेटा वंश केवलानी दोपहर 12 बजे के करीब पड़ोस के घर पर खेलने जा रहा था।

रायपुर दक्षिण उपचुनाव, आकाश शर्मा का नाम लगभग फाइनल

कांग्रेस कभी भी जारी कर सकती है सूची, प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने जताई थी सहमति

रायपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा ने सुनील सोनी को प्रत्याशी बनाया है। वहीं कांग्रेस चुनाव समिति ने 14 दावेदारों में से 2 नामों को शॉर्टलिस्ट कर आलाकमान को भेजा था, जिसमें प्रमोद दुबे और आकाश शर्मा का नाम है। बताया जा रहा है कि आकाश का नाम लगभग फाइनल है। कभी भी सूची जारी हो सकती है। दक्षिण विधानसभा के लिए दावेदारों की कमी नहीं है, लेकिन मंथन के बाद कांग्रेस ने युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा के नाम को फाइनल किया है। इसके पहले कांग्रेस ने दक्षिण के कार्यकर्ताओं के साथ सम्मेलन किया और चुनाव समिति की बैठक की थी। रविवार को हुई चुनाव समिति की बैठक में 14 दावेदारों के नाम आए थे, जिनमें प्रमोद दुबे, आकाश शर्मा, कन्हैया अग्रवाल और ज्ञानेश शर्मा के नाम को लेकर चर्चा हुई। बैठक में शामिल नेताओं का कहना है कि टिकट को लेकर आकाश शर्मा का पलडा भारी है। पायलट का सर्वे पूरा हो चुका है। एक दिन पहले ही कार्यकर्ता सम्मेलन और चुनाव समिति की बैठक भी हो चुकी है।

हाईकमान को दावेदारों के नाम भी भेजे जा चुके हैं। लिस्ट में रायपुर के पूर्व मेयर प्रमोद दुबे का नाम भी शामिल है। ऐसे में संभावना है कि आज कांग्रेस पार्टी देर शाम तक अपने दावेदार की घोषणा कर सकती है।

लेह-लद्दाख के बर्फीले पहाड़ पर छत्तीसगढ़ का लाल शहीद

ऊंचाई पर ड्यूटी करने से बिगड़ी तबीयत, करवाचौथ के दिन पत्नी को मिली शहादत की सूचना

भिलाई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के कोड़िया गांव निवासी भारतीय सेना का जवान उमेश कुमार साहू लेह-लद्दाख के बर्फीले पहाड़ों में पर ड्यूटी के दौरान शहीद हो गया। उसके पार्थिव शरीर को आज दुर्ग लाया गया। पूरे राष्ट्रीय सम्मान के साथ गृह गांव में उसका अंतिम संस्कार किया गया, इससे पहले अंतिम यात्रा निकाली गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल

हुए। उमेश भारतीय सेना के 19 महार रेजिमेंट में लांस हवलदार था। उनकी ड्यूटी लेह-लद्दाख में लगाई गई थी। बर्फीले पहाड़ों पर ड्यूटी करने के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई। डॉक्टरों ने उनका इलाज किया, लेकिन लगातार शरीर में ऑक्सीजन की कमी के चलते 19 अक्टूबर की देर शाम दम तोड़ दिया। करवा चौथ के दिन उनकी पत्नी को शहादत की सूचना मिली। उमेश साहू की जहां ड्यूटी लगी थी वो इलाका काफी ऊंचाई वाला क्षेत्र था। वहां ऑक्सीजन की कमी थी। इसी के चलते उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। ड्यूटी पर तैनात साथी जवानों ने तुरंत उन्हें मेडिकल पोस्ट पहुंचाया, वहां इलाज शुरू किया गया, लेकिन जान नहीं बच पाई। उमेश दस साल पहले आर्मी में भर्ती हुए थे। तब से वो लगातार देश की सेवा में तैनात रहे।

हमास चीफ सिनवार की पत्नी लग्जरी बैग के साथ दिखीं

दावा– इसकी कीमत 27 लाख, इजराइली सेना ने सुरंग से गुजरने का वीडियो रिलीज किया

यरुशलम, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल ने शनिवार को हमास चीफ याह्या सिनवार से जुड़ा एक वीडियो रिलीज किया था। इस वीडियो में सिनवार गाजा की एक सुरंग में परिवार के साथ बंकर में जाते हुए दिख रहा है। वीडियो में सिनवार की पत्नी समर मुहम्मद अबू जमार भी दिखाई दे रही है। उसके हाथ में एक स्टाइलिश बैग है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह बैग हर्मीस बिर्किन ब्रांड का है जिसकी कीमत लगभग 32 हजार डॉलर (करीब 27 लाख रुपये) है। सिनवार जिस सुरंग से भाग रहा है वह दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में उसके घर के नीचे थी। इजराइली सेना के एक प्रवक्ता ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हमास के नेता लग्जरी जीवन जीते हैं और गाजा के आम लोगों को जंग में उलझाकर रखते हैं। ये वीडियो 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए आतंकी हमले से कुछ घंटे पहले का बताया जा रहा

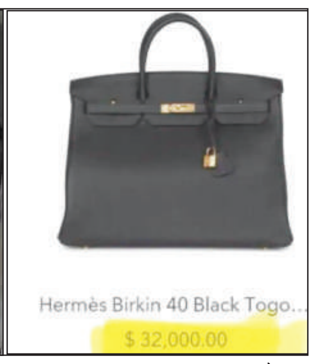

है। इसे सिनवार की मौत के बाद जारी किया गया था। यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक सिनवार 2011 में एक इजराइली सैनिक के बदले रिहा हुआ था। 2 इजराइली सैनिकों की हत्या का दोषी पाए जाने के बाद वह 1988 से कैद में था। रिहा होने के ठीक एक महीने बाद सिनवार ने समर से शादी कर ली। शादी के दौरान समर की उम्र 31 साल थी। गाजा में लड़कियों की शादी की औसत उम्र 20 साल है। शादी से पहले समर गाजा में इस्लामिक यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने के बाद वहीं पर पढ़ा रही थी। सिनवार से शादी के बाद उसने पढ़ाना छोड़ दिया। सीसीटीवी में नजर आने से पहले उसकी कोई भी तस्वीर इंटरनेट पर मौजूद नहीं थी। समर अबू जमार को एक धार्मिक नियमों का पालन करने वाली महिला के रूप में जाना जाता है। वह हमेशा नकाब पहनती हैं। वह संपन्न परिवार से आती है जो कि एक बड़े फिलिस्तीनी कबीले का हिस्सा है। समर का परिवार हमास का कट्टर समर्थक रहा है। इजराइल सेना ने 16 अक्टूबर को रूटीन ऑपरेशन में दक्षिणी गाजा की एक इमारत पर हमला किया था। इसमें हमास के 3 सदस्यों के मारे जाने की खबर आई थी। बाद में पता चला कि मरे गए लोगों में से एक याह्या सिनवार है। इसके बाद इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार रात, 17 अक्टूबर को सिनवार की मौत की पुष्टि की थी। नेतन्याहू ने वीडियो मैसेज में कहा था, हमने हिसाब चुकता कर दिया, लेकिन जंग अभी जारी है।

हादसे का शिकार हुए ब्रिक्स में शामिल ब्राजील के राष्ट्रपति

नहीं होंगे सम्मेलन का हिस्सा

ब्रासीलिया, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने रविवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए रूस की अपनी यात्रा रद्द कर दी। उन्हें अपने आवास पर गिरने के कारण सिर में चोट लग गई, जिसके कारण हल्का ब्रेन हेमोरेज होने के कारण उन्हें लंबी दूरी की यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है। राष्ट्रपति कार्यालय से जारी एक बयान में बताया गया कि लूला दा सिल्वा अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। वे रविवार को शाम के पांच बजे रूस के लिए रवाना होने वाले थे। राष्ट्रपति लूला के डॉक्टर ने बताया कि गिरने के कारण राष्ट्रपति के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट आई है। इसके लिए उन्हें टांके लगाने पड़े, जिसके कारण उन्हें छोटा ब्रेन हेमोरेज का सामना करना पड़ा।

डॉक्टर ने कहा, यह एक ऐसी स्थिति है, जिसके लिए इस पूरे हफ्ते उनका टेस्ट किया जाएगा। किसी भी तरह का ब्रेन हेमोरेज आने वाले दिनों में खतरनाक साबित हो सकता है, इसके लिए निगरानी जरूरी है। उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रपति ठीक हो रहे हैं और सामान्य गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। रविवार को जारी मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति लूला को शनिवार को सिर के पिछले हिस्से में चोट लगी थी। उन्हें लंबी हवाई यात्रा से बचने की सलाह दी गई है। इसके अलावा वह अपने नियमित कार्यों को करने में पूरी तरह से सक्षम हैं।

इस घटना के बाद सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए जानकारी दी कि राष्ट्रपति लूला की जगह विदेश मंत्री माउरो विएरा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। रविवार को वे रूस के लिए रवाना हुए। राष्ट्रपति लूला की वर्कर्स पार्टी की अध्यक्ष ग्लेसी ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति से बात की। उन्होंने कहा कि वे अभी ठीक हैं और लंबी यात्राओं से बच रहे हैं।

क्या है ब्रिक्स शिखर सम्मेलन?

ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अमेरिका शामिल हैं। हाल ही में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सउदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ब्रिक्स के सदस्य बने हैं। बढ़ी हुई सदस्यता के साथ ब्रिक्स दुनिया की 45 % आबादी और 28 फीसदी अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन बन गया है।

शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर बैन लगाएंगे मोहम्मद यूनुस

लोकतंत्र लाने का दावा हुआ हवा

ढाका, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में लोकतंत्र बहाली का दम भरने वाली मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में गठित अंतरिम सरकार देश की सबसे बड़ी पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने जा रही है। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने कहा है कि अंतरिम सरकार अवामी लीग और समान विचारधारा वाली पार्टियों को राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने से रोकेगी। ये तब हो रहा है, जब मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग पर लोकतंत्र को कुचलने और विरोधियों को चुनावी राजनीति से रोकने का आरोप लगाते रहे हैं। शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन के 'मास्टरमाइंड' और मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक महफूज आलम ने कहा कि 'जिन लोगों ने पिछले तीन चुनावों में भाग लिया था।

ड्रोन अटैक के जवाब में इजराइल का बेरूत पर हमला

दाहियेह इलाके को खाली करने के आदेश, पीएम नेतन्याहू बोले– हिजबुल्लाह ने बड़ी गलती की

तेल अवीव, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर शनिवार को हुए ड्रोन अटैक के बाद इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली सेना लेबनान में अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन चला रही है। हिजबुल्लाह ने भी इजराइल के उत्तरी इलाकों पर कई रॉकेट हमले किए हैं। नेतन्याहू ने अपने घर पर हुए हमले को हिजबुल्लाह की भारी गलती करार दिया। नेतन्याहू ने चेतावनी देते हुए कहा कि मेरी हत्या का ये प्रयास हिजबुल्लाह को खत्म करने से नहीं रोक सकता। हिजबुल्लाह ने नेतन्याहू के होम टाउन सिसेरिया को ड्रोन से निशाना बनाया था। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने इस हमले की पुष्टि की थी। पीएमओ ने बताया कि इस हमले में पीएम नेतन्याहू का निजी आवास निशाने पर था। हमले के वक्त नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे।

ड्रोन सिसेरिया की एक इमारत पर गिरा। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के मुताबिक लेबनान से इजराइल पर 3 ड्रोन दागे गए। इजराइली फोर्सेस ने 2 ड्रोन को मार गिराया। आईडीएफ ने माना है कि उनका एयर डिफेंस सिस्टम हमले को रोकने में विफल रहा। हम ड्रोन घुसपैठ की जांच कर रहे हैं। इजराइली सेना ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दाहियेह इलाके को तुरंत खाली करने के लिए कहा है। आईडीएफ ने यहां दो इमारतों को टारगेट करने के लिए कहा है। इजराइल ने इन इमारतों को हिजबुल्लाह का ठिकाना बताया है। गाजा के उत्तरी हिस्से के बेइत लाहिया इलाके में इजराइली हमले में 87 लोगों की मौत हो गई है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अभी भी सैकड़ों लोग मलबे में फंसे हुए हैं। गाजा के सरकारी मीडिया के मुताबिक हमले वाली जगह पर बचाव कार्य जारी है। हालांकि मौत का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। गाजा के उत्तरी इलाकों में 16 दिनों से इजराइली सेना ने नाकाबंदी की हुई है। इसकी वजह से भोजन, पानी और दवाओं की सप्लाई कट गई है।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव

कमला हैरिस को बड़ा झटका

पहली बार ताजा चुनावी सर्वेक्षण में आगे निकले डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में अब मात्र दो सप्ताह ही बचे हैं और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को बड़ा झटका लगा है। पहली बार ताजा चुनावी सर्वेक्षण में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने निवर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को पीछे छोड़ दिया है। अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। डिसिजन डेस्क हिल के ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक राष्ट्रपति चुनाव में जीत के मामले में डोनाल्ड ट्रंप अब कमला हैरिस से 4 प्रतिशत आगे निकल गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के जीत का अनुमान अब 52 प्रतिशत है, वहीं कमला हैरिस के जीतने की संभावना अब केवल 48 फीसदी ही है। डिसिजन डेस्क ने बताया कि ट्रंप भले ही अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में कमला हैरिस से 'थोड़ा सा' आगे निकल गए हैं लेकिन अभी तक परिणाम साफ नहीं है। इस बार कौन राष्ट्रपति बनेगा, इसका फैसला अमेरिका के स्विंग स्टेट करेंगे। ट्रंप को विस्कोंसिन और मिशगिन में बढ़त मिलती दिख रही है। साथ ही एरिजोना, जार्जिया और उत्तरी कैरोलिना में ट्रंप की पहले चली आ रही बढ़त बनी हुई है। हालांकि 7 चुनावी राज्यों नेवादा, एरिजोना, जार्जिया, नॉर्थ कैरिलोना, पेन्सिल्विनिया, मिशगिन और विस्कोंसिन में चुनावी परिणाम कुछ भी हो सकता है।

माना जा रहा है कि ये राज्य ही फैसला करेंगे कि किसे जीत के लिए 270 वोट मिलते हैं। ताजा अनुमानों के मुताबिक अभी न तो ट्रंप और न ही कमला हैरिस को स्पष्ट रूप से यह नंबर हासिल है। कमला हैरिस के नाम के ऐलान से पहले ट्रंप लगातार सर्वेक्षण में बाइडन पर बढ़त बनाए हुए थे लेकिन अब लोगों का नजरिया बदल रहा है।

भारत के पूर्व हाईकमिश्नर बोले– ट्रूडो खालिस्तान समर्थक

खालिस्तानी आतंकी कनाडा की जमीन से भारत के खिलाफ काम कर रहे हैं

ओटावा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा में भारत के हाईकमिश्नर रहे संजय वर्मा ने जस्टिन ट्रूडो सरकार पर खालिस्तानियों को पनाह देने का आरोप लगाया है। वर्मा ने भारत लौटने से ठीक पहले रविवार को कनाडाई न्यूज चैनल सीटीवी को एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने कहा कि कनाडाई खुफिया एजेंसी खालिस्तानी कट्टरपंथी और आतंकियों को बढ़ावा दे रही है।

हाईकमिश्नर वर्मा ने कहा कि कनाडा में रहने वाले खालिस्तानी आतंकी भारतीय नहीं, बल्कि कनाडा के नागरिक हैं। ये लोग कनाडा की जमीन से भारत के खिलाफ काम कर रहे हैं। हम सिर्फ इतना चाहते हैं कि कनाडा सरकार ऐसे लोगों के साथ काम नहीं करे। ये भारत की संप्रभुता और अखंडता को चुनौती दे रहे हैं। हाईकमिश्नर ने यह भी कहा कि अगर कनाडाई नेताओं को लगता है कि हमें पता ही नहीं है कि हमारे दुश्मन वहां क्या कर रहे हैं तो मुझे खेद है कि

वे इतने नौसीखिए हैं। शायद उन्हें पता नहीं कि अंतरराष्ट्रीय संबंध क्या होते हैं। अब वे दिन चले गए जब कुछ विकसित देश, विकासशील देश को कहते थे कि आपको ये करना होगा और वे वैसा करते भी थे। अब हालात बदल चुके हैं। हमारे यहां कानून का शासन चलता है। कनाडा खुद भी कानून का राज होने का दावा करता है तो आरोप लगाने से पहले हमें सबूत दे। संजय वर्मा ने कहा कि कनाडाई पीएम ने खुद ही माना है कि उनके पास कोई ठोस सबूत नहीं है। बस खुफिया जानकारी थी। इसके आधार पर अगर आप किसी रिश्ते को बरबाद करना चाहते हैं तो ऐसा करें। हालांकि, ट्रूडो ने ऐसा किया भी है। वर्मा ने निज्जर की हत्या से जुड़े सभी आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि सब राजनीति से प्रेरित है। अब तक कोई भी सबूत पेश नहीं किया गया। मुझे देखना है कि कनाडा की विदेश मंत्री (मेलानी जोली) किस ठोस सबूत की बात कर रही हैं। वर्मा ने यह भी साफ किया कि मैंने किसी को भी खालिस्तानी समर्थक नेताओं के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए नहीं कहा था। भारत के हाईकमिश्नर के रूप में मैंने आज तक ऐसा कोई काम नहीं किया। वर्मा के मुताबिक, कनाडा में खालिस्तान समर्थक लोगों की निगरानी करना राष्ट्रीय हित से जुड़ा मामला है।

धरती की तरफ तेजी से आ रहा हवाई जहाज के बराबर एस्टेरॉयड

वॉशिंगटन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। आसमान से धरती की तरफ एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने इस बारे में चेतावनी जारी की है। नासा के मुताबिक, 2024 टीपी17 नामक एक क्षुद्रग्रह 24 अक्टूबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 1:50 बजे पृथ्वी के बेहद करीब से गुजरने वाला है। हवाई जहाज के आकार के बराबर का यह क्षुद्रग्रह लगभग पृथ्वी से 46 लाख किलोमीटर की दूरी से गुजरेगा। खगोलीय दृष्टि से यह दूरी पृथ्वी के बहुत नजदीक है। 170 फीट के आकार का यह एस्टेरॉयड अंतरिक्ष में 20,832 किमी/घंटा की गति से यात्रा कर रहा है। यही वजह है कि नासा ने इसे बारीकी से निगरानी किए जाने वाले पृथ्वी के निकट वस्तु की श्रेणी में रखा है। हालांकि, ऐसी गति एस्टेरॉयड के लिए सामान्य है। लेकिन इसकी नजदीकी खगोलविदों का ध्यान आकर्षित कर रही है। धरती के सबसे करीबी बिंदु पर यह क्षुद्रग्रह 46,40,400 किलोमीटर की दूरी पर होगा। पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी (3.84 लाख किमी) के मुकाबले यह 12 गुना ज्यादा है। यह दूरी देखने में बहुत अधिक लग सकती है, लेकिन पृथ्वी के करीब से गुजरने वाले एस्टेरॉयड के मामले में यह करीब मानी जाती है। हालांकि, नासा ने पुष्टि की है कि क्षुद्रग्रह फिलहाल पृथ्वी के लिए कोई खतरा नहीं है।

नासा का सेंटर फॉर नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट स्टडीज संभावित जोखिमों की निगरानी के लिए 2024 टीपी17 जैसे क्षुद्रग्रहों पर लगातार नजर रखता है। एजेंसी इन अंतरिक्ष चट्टानों के प्रक्षेप पथ पर डेटा जमा करने के लिए दुनिया भर में वेधशालाओं (ऑब्जर्वेटरी) के एक नेटवर्क का उपयोग करती है।

अमेरिका से इजराइल की खुफिया जानकारी लीक

इनमें ईरान पर इजराइली पलटवार से जुड़े सीक्रेट डॉक्यूमेंट, टेलीग्राम पर एक चैनल ने पोस्ट किए

वाशिंगटन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका से इजराइल के सीक्रेट डॉक्यूमेंट लीक हो गए हैं। इन डॉक्यूमेंट में ईरान पर हमले की प्लानिंग थी। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने इस मामले में जांच भी शुरू कर दी है। सीएनएन ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से लिखा कि इन्हें 18 अक्टूबर, शुक्रवार को टेलीग्राम पर 'मिडिल ईस्ट स्पेक्टेटर' नाम के चैनल ने पोस्ट किया है। इन डॉक्यूमेंट पर टॉप सीक्रेट और 15 और 16 अक्टूबर की तारीख लिखी हुई है। इस तरह से डॉक्यूमेंट का लीक होना अमेरिका के लिए गहरी चिंता का विषय है। ये डॉक्यूमेंट सिर्फ अमेरिका और उसके सहयोगी देश ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और ब्रिटेन के लिए हैं। ये सभी देश खुफिया नेटवर्क फाइव आइज का हिस्सा हैं। ईरान ने इजराइल पर 1 अक्टूबर को 180 मिसाइलों से हमला किया था। इसके बाद इजराइल ने पलटवार करने की बात कही थी। सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक इजराइल ईरान पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। इनमें से एक डॉक्यूमेंट के मुताबिक हमले के लिए इजराइल ने हथियारों को ट्रांसपोर्ट करना शुरू कर दिया है। इस डॉक्यूमेंट को नेशनल जियोस्पैटियल इंटेलिजेंस एजेंसी ने तैयार किया है। एक दूसरे डॉक्यूमेंट में इजराइल की वायुसेना की एक्सरसाइज से जुड़ी हुई जानकारियां हैं। इसमें हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों के टेस्ट से जुड़ी जानकारियां हैं। सीएनएन के मुताबिक इससे ऐसा माना जा रहा है कि ये एक्सरसाइज ईरान पर हमले की तैयारी का हिस्सा हैं। सीएनएन ने अमेरिकी अधिकारी के हवाले से लिखा है कि इस बात की जांच की जा रही है कि पेंटागन के सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स तक किन-किन लोगों की पहुंच थी। अमेरिका के पूर्व उप-विदेश मंत्री मिक मुलरॉय ने इस मामले पर कहा कि ईरान पर इजराइल के पलटवार से जुड़ी जानकारियां अगर सच में लीक हुई हैं, तो ये नियमों का एक गंभीर उल्लंघन है। इससे अमेरिका और इजराइल के बीच भविष्य में रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। दोनों देशों के संबंधों में विश्वास एक प्रमुख आधार है और इस लीक से ये विश्वास कमजोर हो सकता है।

पिछले साल भी अमेरिका से कुछ खुफिया जानकारियां लीक हुई थीं। इनकी वजह से अमेरिका और सहयोगी देशों जैसे साउथ कोरिया और यूक्रेन के बीच तनाव पैदा हो गया था।

याह्या सिनवार के शव के साथ क्या करेगा इजरायल

तेल अवीव, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। हमास सरगना याह्या सिनवार की हत्या के बाद उसके शव को इजरायल लाया गया था। शव का डीएनए परीक्षण किया गया। इससे याह्या सिनवार की पहचान की पुष्टि हुई। लेकिन, सवाल उठता है कि इजरायल अब याह्या सिनवार के शव के साथ क्या करेगा। क्या वह उसके शव को ओसामा बिन लादेन की तरह समुद्र में डूबो देगा या फिर अपने देश में दफनाएगा। हालांकि, अब इजरायली सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि नेतन्याहू सरकार याह्या सिनवार के शव का इस्तेमाल हमास के साथ मोलभाव करने में कर सकती है।

सीएनएन की रिपोर्ट में इजरायली सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि याह्या सिनवार के शब का इस्तेमाल इजरायली बंधकों की रिहाई के लिए सौदेबाजी के रूप में कर सकता है। एक अनाम इजरायली राजनयिक ने बताया,

क्या लादेन जैसा होगा हाल?

अगर हमास सिनवार के अवशेषों को इजरायलियों के बदले में बदलना चाहता है, चाहे वे जीवित हों या मृत, तो ठीक है। स्रोत ने कहा कि बंधकों की अदला-बदली ही सिनवार के अवशेषों को गाजा वापस करने का एकमात्र तरीका है। इजरायली सेना ने कहा है कि उसने बुधवार को दक्षिणी गाजा पट्टी में एक ऑपरेशन में सिनवार को मार गिराया। हमास ने सिनवार की मौत की पुष्टि की है। उत्तरी गाजा में कई मकानों पर इजरायली हमलों में 87 लोग मारे गए हैं या लापता हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि बेत लहिया शहर पर शनिवार को रातभर और रविवार को हुए हमलों में 40 लोग घायल भी हुए हैं। गाजा के उत्तरी छोर पर स्थित बेत लहिया लगभग एक वर्ष पहले इजरायल के जमीनी हमले के पहले लक्ष्यों में से एक था। इजरायल पिछले दो सप्ताह से उत्तरी गाजा में बड़े पैमाने पर अभियान चला रहा है। उसका कहना है कि हमास वहां फिर से संगठित हो गया है। फलस्तीनी अधिकारियों का कहना है कि सैकड़ों लोग मारे गए हैं और उत्तर में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पतन की कगार पर है।

तीन अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब अमेरिका खुफिया दस्तावेजों को अनधिकृत रूप से जारी करने की जांच कर रहा है। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ये दस्तावेज वैध प्रतीत होते हैं। ईरान लेबनान में हमास और हिजबुल्ला आतंकवादी समूह का समर्थन करता है, जहां एक साल से बढ़ते तनाव ने पिछले महीने एक पूर्ण युद्ध का रूप ले लिया। बेत लहिया में हमलों पर इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। इसने हालांकि कहा कि वह गाजा में हवाई हमलों और जमीनी अभियानों दोनों को जारी रखे हुए है।

राजा अगामेमोन का मौत मुखौटा, एक सोने का मास्क जिसने एक्सपर्ट को किया हैरान

ट्रोजन युद्ध का सबूत या कुछ और?

एथेंस, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्रीस में खोजे गए प्राचीन सोने के मास्क की आर्कियोलॉजिस्ट के बीच दशकों से चर्चा रही है, इसे पौराणिक राजा अगामेमोन का मुखौटा भी माना जाता है। इस मास्क की जिस पुरातत्वविद् ने मुखौटे की खोज की थी, उसका मानना था कि ये ट्रोजन युद्ध के वास्तविक होने का प्रमाण है। इसको दक्षिणी ग्रीस में एक पुरातात्विक स्थल माइसीने से खोजा गया था। माना जाता है कि एक आदमी के चेहरे पर पहनाने के लिए सोने से तैयार ये मुखौटा 1500 ईसा पूर्व बनाया गया था। लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मुखौटा जर्मन पुरातत्वविद् हेनरिक श्लीमैन को 1876 में दक्षिणी ग्रीस के माइसेने पुरातात्विक स्थल पर कांस्य युग के मकबरे की खुदाई के दौरान

मिला था। श्लीमैन का मानना था कि ये पौराणिक राजा अगामेमोन के शव के साथ था, जिन्होंने होमर के इलियड में ग्रीक घेराबंदी का नेतृत्व किया था। अगेम्नोन ने माइसीने पर शासन किया था और तब से इसे 'मास्क ऑफ अगेम्नोन' के रूप में जाना जाता है। इस मास्क की कलात्मक शैली और पेलोपोनिस प्रायद्वीप पर पुरातात्विक स्थल के बाद के अध्ययनों से पता चलता है कि ये मुखौटा करीब 1500 ईसा पूर्व में बनाया गया था। ऐसे में यह एगेमेमोन के अस्तित्व में आने से सैकड़ों साल पहले बना था। कुछ एक्सपर्ट का मानना है कि इसे 1500 ईसा पूर्व से और भी पहले बना लिया गया था।

मुखौटा सोने की एक पतली शीट से बना है, इसे किसी शख्स के जिंदा रहते हुए ही उसके चेहरे की नाप से बनाया गया होगा और उसके मरने पर पहनाकर दफनाया गया होगा। इसलिए इसे मौत का मुखौटा भी कहा जाता है। ये मुखौटे जिस शाही मकबरे में मिले, उसमें आठ लोगों के अवशेष थे। इन सभी के पास हथियार थे लेकिन केवल पांच ने सोने के मुखौटे पहने थे। पुरातत्वविदों का मानना है कि ये मरने वालों की शाही स्थिति का संकेत हो सकता है।

1 से 19 नवंबर तक खतरा

खालिस्तानी पन्नू ने फिर दी एयर इंडिया के विमान को उड़ाने की धमकी

टोरंटो, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने सोमवार को एक बार फिर एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी है। उसने अपनी धमकी में कहा है कि 1 से 19 नवंबर के बीच एयर इंडिया की फ्लाइट को निशाना बनाया जा सकता है। पन्नू ने दावा किया कि यह हमला कथित सिख नरसंहार की 40वीं बरसी के मौके पर किया जाएगा। पन्नू प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस का संस्थापक है। उसके पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता भी है। उसने पिछले कुछ वर्षों में कई बार एयर इंडिया के विमान को उड़ाने की धमकी दी है।

पन्नू की यह नई धमकी ऐसे समय में आई है जब भारत में कई एयरलाइनों को संभावित बम विस्फोटों के बारे में कई धमकी भरे कॉल मिले हैं, जो सभी फर्जी निकले। यह ऐसे समय में भी हुआ है जब भारत और कनाडा के बीच एक कूटनीतिक विवाद चल रहा है। कनाडा ने भारत पर अपने देश में खालिस्तानी आतंकवादियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है, जिसमें एक अन्य आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या भी शामिल है। नवंबर 2023 में, पन्नू ने एक वीडियो जारी किया जिसमें दावा किया गया कि दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बदल दिया जाएगा और 19 नवंबर को बंद रहेगा, लोगों को उस दिन एयर इंडिया से उड़ान न भरने की चेतावनी दी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उन पर आपराधिक साजिश रचने, धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत विभिन्न अपराधों का आरोप लगाया है।

पिछले साल दिसंबर में, पन्नू ने कथित तौर पर उन्हें मारने की साजिश नाकाम होने की रिपोर्ट के बाद 13 दिसंबर को या उससे पहले संसद पर हमला करने की धमकी दी थी। 13 दिसंबर को 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले की सालगिरह है। उसने इस साल गणतंत्र दिवस पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और राज्य पुलिस महानिदेशक गौरव यादव को मारने की भी धमकी दी थी। उसने गैंगस्टरों से एकजुट होकर 26 जनवरी को मान पर हमला करने का भी आग्रह किया।

शहबाज सरकार की न्यायालयों पर कब्जे की तैयारी पूरी

विवादित संविधान संशोधन को संसद की मंजूरी मिली

इस्लामाबाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अब मुख्य न्यायाधीश का कार्यकाल तीन साल का होगा। जबकि न्यायाधीशों की नियुक्ति 12 सदस्यीय आयोग करेगा। रविवार रात भर चली बहस के बाद अब नेशनल असेंबली यानी संसद में सोमवार को 26वां संविधान संशोधन पारित हो गया। इससे एक दिन पहले सीनेट में विधेयक पारित किया गया था। 336 सदस्यों वाली 'नेशनल असेंबली' में मतदान के दौरान 225 सदस्यों ने विधेयक का समर्थन किया। संशोधन पारित करने के लिए सरकार को 224 मतों की आवश्यकता थी। संशोधन को मंजूरी देने के लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक होता है और सीनेट में संशोधन को मंजूरी देने के लिए चार के मुकाबले 65 वोट पड़े। सत्तारूढ़ गठबंधन को संसद के ऊपरी सदन में 64 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता थी। संसद के दोनों सदनों में विधेयक के पारित होने के बाद इसे संविधान के अनुच्छेद-75 के तहत राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगियों के बीच आम सहमति से रविवार को कैबिनेट से अनुमोदन मिलने के बाद विधेयक को कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने संसद में पेश किया था। उन्होंने कहा था, 'मैं पाकिस्तान इस्लामी गणराज्य के संविधान में और संशोधन करने के लिए 26वां संविधान संशोधन विधेयक 2024 पेश करना चाहता हूं।'

3 सीटों पर निर्दलीय उतरेंगे बीजेपी के बागी!

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उपचनाव को लेकर भाजपा ने 7 विधानसभा सीटों में से 6 सीटों पर उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। जिसके बाद जगह-जगह विरोध के सुर उठने लगे है। हालांकि भाजपा आलाकमान बागियों के ड्रेमेज कट्रोल में जुटा हुआ है। सबसे ज्यादा रामगढ़, झुंझुनू, दौसा और देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर बगावती सुर उठे हैं।

रामगढ़ से 'जय आहूजा' बने बागी

रामगढ़ उम्मीदवार सुखवत सिंह के विरोध में बगावत तेज हो गई है। कई पार्टी पदाधकारियों ने इस्तीफे सौंप दिए हैं। गत विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे जय आहूजा ने सुबह कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई। इसमें तय हुआ कि चाहे जय आहूजा चुनाव लड़ें या फिर सर्वसमाज का कोई अन्य व्यक्ति, उसे ही समर्थन दिया जाएगा। मंगलवार को इस पर मुहर लगेगी। जय ने दावा किया कि क्षेत्र के सभी पांच मंडल अध्यक्षों व कार्यकारिणी ने जिलाध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष को इस्तीफे भेज दिए हैं। उधर, जय आहूजा के चाचा व एवं पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने कहा कि वे भाजपा के सिपाही हैं, लेकिन सुखवंत सिंह को सपोर्ट नहीं करेंगे।

झुंझुनूं से 'निषीत चौधरी' लड़ेंगे चुनाव

झुंझुनूं उम्मीदवार राजेन्द्र भांबू के विरोध में विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी रहे निषीत चौधरी बबलू ने निर्दलीय चुनाव लड़ने के साथ 23 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करने की घोषणा कर दी है। इससे पहले उन्होंने समर्थकों की बैठक बुलाई, जिसमें कहा जिन्होंने भाजपा को हराने का कार्य किया, उन्हें टिकट देना गलत है। इस दौरान कई पार्टी पदाधिकारी, सरपंच व पंचायत समिति सदस्यों ने चौधरी को अपना इस्तीफा भी सौंपा।

सलूंबर से 'नरेंद्र मीणा' निर्दलीय उतरेंगे मैदान में!

सलूंबर से दिवंगत विधायक अमृतलाल मीणा की पत्नी शांता मीणा को टिकट दिए जाने के बाद भाजपा में बगावत के सुर उठने लगे हैं। अब तक भाजपा से मजबूत दावेदारी कर रहे नरेंद्र मीणा और उनके समर्थकों ने गहरी नाराजगी जताई है। इसी को लेकर सलूम्बर में हुई एक बैठक में दावेदार नरेंद्र मीणा फूट-फूटकर रोए। नरेंद्र और उनके समर्थकों ने पार्टी को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। टिकट को लेकर बदलाव नहीं होने की स्थिति में निर्दलीय चुनाव लड़ने की भी बात कही है।

टंकी पर चढ़ा युवक, बैंसला के टिकट की मांग देवली-उनियारा

देवली-उनियारा से राजेन्द्र गुर्जर को उम्मीदवार बनाने के विरोध में एक युवक प्रमोद मीना उनियारा में पानी की टंकी पर चढ़ गया जो रात तक नीचे नहीं आया था। उसने मांग की कि विजय बैंसला को टिकट दिया जाए।

भाजपा करेगी डेमेज कट्रोल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विदेश दौरे से लौटने के बाद भाजपा मुख्यालय में उप चुनाव तैयारी को लेकर समीक्षा की। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित कई बड़े नेता मौजूद थे। पार्टी जल्द विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार तेज करेगी। साथ ही कई सीटों पर बगावती सुर उठने के बाद प्रदेश नेतृत्व आलाकमान को रिपोर्ट सौंप सकता है। माना जा रहा है कि जिसके बाद बागियों को मनाने की कवायद शुरू की जाएगी।

उपचुनाव के बीच बीएपी झारखंड में भी लड़ेगी चुनाव 9 उम्मीदवारों का किया एलान

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव की गहमागहमी बनी हुई है। सभी पार्टियां अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर रही हैं। इनके बीच भारत आदिवासी पार्टी भी अपने कद को बढ़ा रही है। राजस्थान उपचुनाव में भारत आदिवासी पार्टी यानि की बीएपी ने 2 उम्मीदवारों के टिकट फाइनल कर दिए हैं। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में पार्टी को तीन सीटों पर विजय मिली थी।

चौरासी विधानसभा से राजकुमार रोत बीएपी से विधायक थे। पर लोकसभा चुनाव 2024 में रोत डूंगरपुर-बांसवाड़ा से सांसद चुने गए। इस जीत के बाद BAP को पंख लग गए। अब वह अपना विस्तार अन्य राज्य में धीरे-धीरे कर रही है।

इसी के तहत भारत आदिवासी पार्टी ने झारखंड विधनसभा चुनाव में 9 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। वैसे भारत आदिवासी पार्टी राजस्थान सहित गुजरात और मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ चुकी है।

9 उम्मीदवार का ऐलान

भारत आदिवासी पार्टी ने चुनावों के लिए 9 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया है। भारत आदिवासी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल रोत ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, भारत आदिवासी पार्टी ने झारखंड राज्य कमेटी की ओर से अनुमोदित और केंद्रीय एकीकरण समिति के निर्देशन के बाद 9 प्रत्याशियों की घोषणा की है।

इन जगहों से लड़ेंगे चुनाव

झारखंड में भारत आदिवासी पार्टी ने तमाड़, पोटका, हटिया, मनोहरपुर, जुगसलाई, घाटशीला, जमशेदपुर पूर्व, खिजरी और मांडर विधानसभा से चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशियों की घोषणा की है।

राजकुमार रोत ने किया था झारखंड का दौरा

झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों की घोषणा करने से पहले भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत ने तीन दिन तक झारखंड के विभिन्न जिलों का दौरा किया था और जमीनी हकीकत को गहराई से जाना और इसके बाद चुनाव लड़ने का निर्णय लिया।

हनुमान बेनीवाल बोले गठबंधन को लेकर कांग्रेस तो मेरे आगे-पीछे घूम रही, जनता करेगी तय

खींवसर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने खींवसर विधानसभा क्षेत्र में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पार्टी पर तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी उनके आगे-पीछे गठबंधन को लेकर घूम रही है, लेकिन यह खींवसर की जनता है जो निर्णय लेगी।

कार्यक्रम में शामिल हुए बेनीवाल

मुंदियाड़-संखवास गांव के मध्य गोईडा नाडा पर स्थित लहरी नाथ महाराज की जीवन समाधि पर पहुंचकर बेनीवाल ने देवाशीष समाज के सामाजिक सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने मंच से कहा कि मैं चुनाव नहीं लड़ रहा हूं, यह चुनाव खींवसर की जनता लड़ रही है। अगर खींवसर की जनता गठबंधन के लिए तैयार होगी, तो उस पर विचार किया जाएगा।

पिछले चुनावों का दिया संदर्भ

बेनीवाल ने 2013 के चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था और देवासी समाज ने उन्हें समर्थन दिया था। उन्होंने कहा कि 2003 से लेकर 2023 तक, मैं हर समाज के लिए चुनाव लड़ता रहा हूं। इस दौरान उन्होंने अपने पिता को भी याद किया, जिन्हें छह बार जीत दिलाई गई थी।

वोटों की संख्या पर विश्वास

अपने पिछले चुनावी अनुभव को साझा करते हुए बेनीवाल ने कहा कि उनकी 2000 वोटों की लीड का मुख्य कारण यह था कि वे देश के लिए लगातार लड़ते रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस बार देवासी समाज ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वे 2000 की लीड को 30,000 पार पहुंचाएंगे।

पार्टी के सिंबल का महत्व

बेनीवाल ने कहा कि उन्होंने जब भी किसी अन्य पार्टी का सिंबल लेकर लोगों के बीच पहुंचे, उन्होंने केवल उन्हें ही देखा और वोट दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आपने हमेशा हनुमान बेनीवाल को देखकर अपने वोट दिए। हनुमान बेनीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा पूरी तरह से दुखी है। उन्होंने भाजपा के प्रत्याशी के खिलाफ अपनी बात रखते हुए कहा कि वही आदमी, जो मेरी स्कूल से ट्रेनिंग लेकर गया, आज मेरे सामने चुनाव लड़ रहा है।

राईका बाग जंक्शन की चर्चा

बेनीवाल ने अपने संबोधन में राईका बाग जंक्शन का भी जिक्र किया, जहां जोधपुर के बड़े नेताओं ने उनसे संपर्क किया था। उन्होंने कहा कि मैंने कहा कि अगर सड़क पर बैठना पड़े, तो बैठूंगा, लेकिन सरकार को झुकाऊंगा।

गौरतलब है कि नागौर जिले के खींवसर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने जा रहा है। भाजपा ने एक बार फिर अपने पुराने प्रत्याशी को मैदान में उतारा है। इस बार हनुमान बेनीवाल और भाजपा के रेवंतराम डांगा के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। पिछली बार बेनीवाल ने महज 2,059 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। अब उनकी कोशिश है कि वे अपनी जीत को और भी बड़े अंतर से सुनिश्चित करें।

प्रतियोगी परीक्षा के पेपर लीक मामले में एसओजी की कार्रवाई, 17 आरोपी रिमांड पर

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। एसओजी की 28 टीमों ने राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय और अधिशासी अधिकारी वर्ग-फोर्थ (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के पेपर लीक मामले में शनिवार को 30 जगहों पर दबिश देकर पांच महिलाओं सहित 28 आरोपियों को डिटेन किया था, पुलिस ने इनमें से 17 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन सभी आरोपियों को एसओजी ने कोर्ट में पेश किया, जहां से इन्हें 25 अक्टूबर तक रिमांड पर भेजा है।

एटीएस एवं एसओजी अतिरिक्त महानिदेशक वी.के. सिंह ने बताया कि इन दोनों परीक्षाओं में तुलछाराम कालेर व उसके अन्य साथियों ने मिलकर परीक्षा से पूर्व पेपर प्राप्त कर ब्लूटूथ के माध्यम से अभ्यर्थियों को नकल करवाई थी। पुलिस ने उपरोक्त प्रकरण में पेपर लीक व ब्लूटूथ के उपयोग के षड्यंत्र में शामिल 11 अभ्यर्थियों सहित 17 लोगों को गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश कर 25 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड प्राप्त किया। ब्लूटूथ गैंग के सरगना तुलछाराम कालेर को पूछताछ के लिए प्रोडक्शन वारंट पर जेल से लाकर इस प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी ओमप्रकाश वर्तमान में ब्यावर में न्यायालय सीजेएम कोर्ट नंबर एक में एलडीसी के पद पर कार्यरत है, वहीं अमीलाल वर्तमान में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय सर्वोदय बस्ती बीकानेर में द्वितीय श्रेणी अध्यापक पद पर कार्यरत है। मुख्य सरगना तुलछाराम कालेर की भतीजे पौरव कालेर की पत्नी भावना शिक्षा विभाग पंचायत समिति, खाजूवाला बीकानेर में कनिष्ठ सहायक के पद कार्यरत है। रामलाल जेएम कोर्ट भीलवाड़ा में द्वितीय ग्रेड लिपिक के पद कार्यरत है। इनके अलावा अनिल सारण निवासी बीकानेर, बबीता पत्नी राजेश निवासी रतनगढ़ चूरू, बबीता विश्नोई पत्नी बजरंगलाल निवासी जसरासर बीकानेर, रामसिंह निवासी रोजो का बास कुचेरा नागौर, राजाराम निवासी खाजूवाला बीकानेर, ओमप्रकाश पुत्र भगवानाराम निवासी नापासर बीकानेर, प्रेमचंद ज्याणी निवासी मुक्तानंद बीकानेर , सुनील जाखड़ निवासी खजवाना नागौर, निरमा मंडा निवासी बीकानेर, कमलकांत निवासी मुक्तानंद नगर बीकानेर, लिलीपाल निवासी मूंडवा नागौर और सुनील धायल निवासी बीकानेर को गिरफ्तार किया गया है।

एटीएस एवं एसओजी अतिरिक्त महानिदेशक वीके सिंह ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा 14 मई 2023 को राजस्व अधिकारी ग्रेड- द्वितीय और अधिशाषी अधिकारी वर्ग- चतुर्थ (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 की परीक्षा दो चरणों में आयोजित की गई थी, जिसमें लिखित परीक्षा के आधार पर विचारित सूची जारी की गई है। 11 से 13 दिसंबर 2023 तक इसमें सम्मिलित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग के माध्यम से पात्रता जांच राजस्थान लोकसेवा आयोग द्वारा की गई थी। आरपीएससी द्वारा पात्रता जांच के दौरान विचारित सूची का गंभीरता से अवलोकन करने पर उसमें कुछ गड़बड़ियां सामने आने पर संदिग्ध अभ्यर्थियों को पुनः सत्यापन के लिए बुलाया गया था।

इस दौरान एक ही गांव खजवाना थाना कुचेरा, नागौर से छह आरोपितों का नाम विचारित सूची में पाया जाना व इन अभ्यर्थियों द्वारा अत्यंत सामान्य प्रकृति की जानकारी नहीं रखना पाया गया। जांच रिपोर्ट में सामने आया कि तुलछाराम कालेर व उसके अन्य साथियों ने मिलकर राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय और अधिशाषी अधिकारी वर्ग- चतुर्थ (स्वायत शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में परीक्षा से पूर्व पेपर प्राप्त कर ब्लूटूथ के माध्यम से अभ्यर्थियों को नकल करवाई गई थी।

मामले में 15 ज्ञात अभ्यर्थी और 8 अज्ञात अभ्यर्थियों के साथ तुलछाराम कालेर समेत पूरे षड्यंत्र में शामिल अन्य लोगों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया था। जांच के दौरान परीक्षा में डमी कंडीडेट के माध्यम से परीक्षा देना व फर्जी डिग्री की भी शिकायत प्राप्त हुई है, जिसके संबंध में जांच जारी है।

मिलेंगी 'छप्पर फाड़' सौगातें, सीमेंट-सोलर-स्टील-माइनिंग के बंपर प्रोजेक्ट्स खोलेंगे रोजगार के द्वार

जोधपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में दिसम्बर में होने जा रहे राइजिंग राजस्थान निवेश समिट के तहत ही जोधपुर व फलोदी जिलों में 25 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव तैयार कर लिए गए हैं। यह प्रदेश में सबसे ज्यादा है। जोधपुर शहर व ग्रामीण में 15 हजार करोड़ व फलोदी जिले में करीब 10 हजार करोड़ के एमओयू होंगे।

अब तक का सबसे बड़ा एमओयू का प्रस्ताव मैसर्स मारवाड सीमेंट लिमिटेड ने दिया है। इसके तहत यह कम्पनी 2300 करोड़ का निवेश कर पीपाड उपखण्ड क्षेत्र में घोड़ावत गांव में सीमेंट का कारखाना स्थापित करेगी। इसके लिए कम्पनी द्वारा भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है।

जोधपुर व फलोदी जिले के निवेश प्रस्ताव करीब 25 हजार करोड़ के हैं, जो कि कई बड़े शहरों से ज्यादा है। अभी तक कोटा, उदयपुर, अलवर, बीकानेर जैसे शहरों की जानकारी उद्योग विभाग के पास है। इन सभी शहरों में व्यक्तिगत आंकड़ा 8 हजार करोड़ से ज्यादा का नहीं है। जयपुर जिले के आंकड़े अभी सामने नहीं आए हैं।

राइजिंग राजस्थान को लेकर जोधपुर व ग्रामीण जिलों को अच्छा रेस्पॉन्स मिला है। 250 प्रस्ताव तैयार हैं और 15 हजार करोड़ का निवेश हो सकता है।

सरकारी कर्मचारियों ने दिवाली से पहले रखी ये मांग

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम ने अक्टूबर माह का वेतन दीपावली से पूर्व जारी करने की सरकार से मांग करी है। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि दीपावली के अवसर पर सभी कर्मचारियों भी आम लोगों की तरह विशेष खरीददारी करते हैं जिसके लिए समय पर वेतन मिलना आवश्यक हो जाता हैं। इससे कि कर्मचारी व उसका परिवार खुशी से त्यौहार मना सकता हैं। इस बार दीपावली चूंकि माह के अंतिम दिनांक को है अतः सरकार से आग्रह है कि शिक्षकों को वेतन दीपावली पूर्व जारी करें।

सरकार ने दिया था बोनस

वहीं, दिवाली के अवसर पर भजनलाल सरकार ने राजस्थान के कर्मचारियों को दीपावली के अवसर पर बोनस देने का आदेश जारी किये थे। जिसके तहत बोनस के रूप में प्रत्येक कर्मचारी को अधिकतम 6774 रुपए मिलेंगे।

इसका राज्य सरकार के 6 लाख कर्मचारियों के साथ ही पंचायत समिति व जिला परिषद कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा। उम्मीद की जा रही है कि कर्मचारियों को 20 अक्टूबर तक लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

पुलिस का जनता को संदेश, अपराधी को कस्बे में घुमाया

बारां, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। डेरू माता मंदिर के पास पिस्तौल दिखाकर झगड़ा करने वाले अपराधी को अंता पुलिस ने नगर में घुमा कर जुलूस निकाला। इस दौरान पुलिस ने केवल जनता को सकारात्मक संदेश दिया, बल्कि अपराधियों तक भी यह बात पहुंचाने की कोशिश की कि अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। नेशनल हाइवे 27 पर स्थित डेरु माता मंदिर के पास गुरुवार को पिस्तौल की नोंक पर झगड़ा करने वाले अपराधियों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया था। आरोपी से एक देशी पिस्टल व 2 जिन्दा कारतूस भी जब्त किए गए। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया गया था। अंता थाना अधिकारी दिग्विजय सिंह ने बताया कि बडवा रोड पर आरोपी मोहम्मद युसुफ पुत्र मोहम्मद जहुर 48 साल निवासी भुरांकुआ थाना अन्ता को गिरफ्तार कर गहनता से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान पुलिस की टीम कस्बे के जिस सड़क, बाजार और गलियों से गुजरी वहां पर लोगों का हुजूम जमा हो गया। लोग अचरज से इस नजारे को देखकर कानाफूसी करने लगे।

नाबालिग को दस्तयाब करके ला रही पुलिस पर परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप, सीएमओ तक पहुंचा मामला

बीकानेर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशनोक पुलिस द्वारा एक नाबालिग को दस्तयाब कर वापस लाने के दौरान गंभीर आरोप सामने आए हैं। दरअसल थाने में दर्ज पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में दस्तयाब नाबालिग को पुलिसकर्मियों द्वारा प्रताड़ित करने और उसे भगाने वाले युवक पर पुलिस की मौजूदगी में दुष्कर्म किए जाने के आरोप नाबालिग के परिजनों ने लगाए हैं। सीएमओ तक मामला पहुंचने के बाद अब पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

दरअसल इसी महीने देशनोक थाने में एक युवक द्वारा नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला दर्ज हुआ था, जिसकी जांच हवलदार गोपालदास को दी गई थी। युवक के यूपी के अयोध्या में होने की सूचना मिलने पर हवलदार गोपालदास, सिपाही सचिन और महिला कांस्टेबल सुमन आरोपी युवक और नाबालिग को दस्तयाब कर अयोध्या से ट्रेन के जरिए बीकानेर ला रहे थे। यह ट्रेन नोखा के बाद सीधे बीकानेर रुकती है। इस कारण ये लोग नोखा में उतरकर एक होटल में रुक गए। यहां से 18 अक्टूबर को पुलिस ने नाबालिग को नारी निकेतन भिजवा दिया।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने इस प्रक्रिया में कथित तौर पर मनमानी की और कानूनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया। परिजनों के मुताबिक नाबालिग को बिना समुचित वारंट या कानूनी नोटिस के जबरदस्ती ले जाया गया, जिससे परिवारजन में आक्रोश व्याप्त है। घटना के बाद स्थानीय लोग भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ पुलिस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। फिलहाल पुलिस परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है।

विदेश भेजने का झांसा देकर युवती से 17 लाख की मोटी रकम ठगा, एक आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में एच-ब्लॉक स्थित एक इमीग्रेशन एजेंसी के संचालक को पुलिस ने विदेश भेजने का झांसा देकर एक युवती से 17 लाख रुपये ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी ने फर्जी अपॉइंटमेंट लेटर देकर युवती को चंडीगढ़ वीजा सेंटर में भेजा था।

पुलिस के अनुसार, यह मामला एक अगस्त को पदमपुर थाने में दर्ज किया गया था, जब लक्ष्मणराम ने अदालत में एक इस्तगासा दायर किया। उसने अपनी बेटी निशा को कनाडा भेजने के लिए हरजीतसिंह नाम के व्यक्ति के जरिए ठगी का शिकार होने की बात बताई। हरजीतसिंह का इमीग्रेशन ऑफिस 'द ग्लोबल सिटिजन' एच-ब्लॉक श्रीगंगानगर में है। उसने लक्ष्मणराम से उसकी बेटी को विदेश भेजने के लिए विभिन्न तारीखों में कुल 17 लाख रुपये लिए। लक्ष्मणराम ने बताया कि हरजीतसिंह ने पहले निशा के लिए एक अपॉइंटमेंट लेटर जारी किया। फिर उसे चंडीगढ़ के कनाडा वीजा एप्लीकेशन सेंटर भेजा। जब निशा वहां पहुंची तो सेंटर ने बताया कि ऐसा कोई लेटर उन्होंने जारी नहीं किया और उनकी कोई अपॉइंटमेंट नहीं है।

इसके बाद लक्ष्मणराम ने श्रवणसिंह के साथ मिलकर हरजीतसिंह को फर्जी लेटर देने के लिए कहा। हरजीतसिंह ने आश्वासन दिया कि वह दोबारा लेटर जारी करवा देगा, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। इसके बाद लक्ष्मणराम को 13 जनवरी 2023 को 10 लाख रुपये का एक चेक दिया गया, जो कि बैंक में कैश नहीं हुआ। जानकारी के मुताबिक, हरजीतसिंह ने 16 सितंबर को पांच लाख रुपये और 18 सितंबर को चार लाख रुपये वापस किए, लेकिन बाकी रकम लौटाने से मना कर दिया। हालांकि लक्ष्मणराम ने अपनी बेटी को बाद में किसी दूसरे एजेंट के जरिए विदेश भेजने में सफलता पाई।

होंडा सर्विस सेंटर में लगी भीषण आग लाखों के नुकसान का अनुमान

चित्तौड़गढ़, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ के दुर्ग मार्ग स्थित सीके होंडा के सर्विस सेंटर में भीषण आग लग गई। आग लगने की वजह से लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। यह घटना तब हुई जब सर्विस सेंटर बंद था और छत पर वेल्डिंग का कार्य चल रहा था। वेल्डिंग के दौरान भड़की चिंगारी के गिरने से आग लगने की संभावना जताई जा रही है।

आग लगने की घटना अपरान्ह चार बजे के आसपास की है। चित्तौड़गढ़ के निवासियों ने सर्विस सेंटर से धुएं का उठता हुआ गुबार देखा, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने शटर पर लगे ताले तोड़ने का प्रयास किया, जिससे अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। इसके बाद लोगों ने दमकल विभाग और सर्विस सेंटर के कर्मचारियों को सूचना दी। हालांकि, आग्निशमन केंद्र को सूचित करने के बावजूद दमकल की गाड़ी आधा घंटे बाद मौके पर पहुंची। तब तक आग ने भीषण रूप धारण कर लिया था। आग के धुएं ने दूर से भी दिखाई देना शुरू कर दिया, जिससे लोगों की भीड़ और बढ़ गई। कुछ लोगों ने शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया। जिला प्रशासन और पुलिस के जाब्ते ने तुरंत मौके पर पहुंचकर लोगों को सर्विस सेंटर से दूर किया।

पुलिस अधिकारियों के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने की दिशा में बड़ा कदम : श्रीधर बाबू

मुख्यमंत्री ने यंग इंडिया पुलिस स्कूल की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को रंगारेड्डी जिले के मंचिरेवुला गांव में यंग इंडिया पुलिस स्कूल की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में मंत्री डी. श्रीधर बाबू, सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी, विशेष मुख्य सचिव रवि गुप्ता, पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र, हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद, खुफिया डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी, सीआईडी डीजीपी शिखा गोयल और अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि सत्ता में आने के बाद से, इस सरकार ने पुलिसकर्मियों के कल्याण को प्राथमिकता दी है, उनकी अथक सेवा को मान्यता दी है। इस संबंध में, यंग इंडिया पुलिस स्कूल की आधारशिला रखी गई है, जो पुलिस अधिकारियों के बच्चों को उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक कदम है, जिससे उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित होने में मदद मिलेगी। पुलिस कल्याण को प्राथमिकता देने के अलावा, सरकार ने राज्य में अपनी तरह का पहला यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी भी स्थापित किया है। इस संस्थान का उद्देश्य युवाओं को उद्योग-संबंधित कौशल से लैस करना है, जाति या धर्म की परवाह किए बिना विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना है। इस समावेशी दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए हर निर्वाचन क्षेत्र में यंग इंडिया स्कूल स्थापित करने की योजना चल रही है। यंग इंडिया पुलिस स्कूल को एक अनुकरणीय संस्थान के रूप में देखा जाता है, जो न केवल शिक्षाविदों पर बल्कि खेल और पाठ्येतर गतिविधियों पर भी ध्यान केंद्रित करता है, जिससे छात्रों के समग्र मानसिक और शारीरिक विकास को बढ़ावा मिलता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समग्र विकास का समर्थन करने में इसकी भूमिका को पहचानते हुए खेलों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है।

इसके अलावा, एक महत्वपूर्ण उपलब्धि में, सरकार ने तेलंगाना के गठन के बाद पहली बार ग्रुप 1 मेन्स परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की। सर्वोच्च न्यायालय की स्वीकृति और परीक्षाओं के शांतिपूर्ण समापन के साथ, सरकार बेरोजगारों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एक स्पष्ट 10 महीने के विजन को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये पहल सभी के लिए एक समृद्ध और समावेशी भविष्य को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने यंग इंडिया पुलिस स्कूल की आधारशिला रखने के अवसर पर पुलिस को बधाई दी। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और अतिरिक्त डीजीपी (ग्रेहाउंड्स) स्टीफन रविन्द्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अतिरिक्त डीजीपी महेश एम. भागवत, श्री संजय कुमार जैन, विजय कुमार और अन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया।

सम्मान समारोह कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुतबुलापुर सुचित्रा रोड़ स्थित टीएनआर गार्डन फंक्शन हॉल में जालोर-सिरोही प्रवासी संघ

हैदराबाद-सिकंदराबाद छत्तीस कोम प्रवासी बन्धुओं के तत्वावधान में मंगलवार 22 अक्टुबर रात्रि 8 बजे से जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी का भव्य सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में भाजपा प्रवासी प्रकोष्ट जालोर अध्यक्ष रामसिंह चौहान ने बताया कि जालोर-सिरोही सांसद बनने के बाद पहली बार भाग्यनगर (हैदराबाद) की पावन धरा पधारने पर लुम्बाराम चौधरी का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रात: 10 बजे राजीव गांधी एयरपोर्ट पधारने पर भव्य स्वागत किया जाएगा। कार्यकर्ता व प्रवासी समाज बन्धु समय पर पधारे।

स्वागत समारोह कार्यक्रम के पश्चात् भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। कार्यक्रम में जालोर-सिरोही छत्तीस कोम प्रवासी बन्धु कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। जालोर-सिरोही छत्तीस कोम प्रवासी बन्धुओं से निवेदन है समय पर पधारकर कार्यक्रम को सफल बनावे।

अवैध निर्माणों के नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित करें : जीएचएमसी कमिश्नर

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलमबर्थी ने सोमवार को संबंधित विभागों से शहर में अवैध निर्माणों पर विशेष ध्यान देने और उन पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने नागरिक निकाय के कानूनी अधिकारी से सभी अदालती मामलों की समीक्षा करने को भी कहा।

उन्होंने कहा कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित मुद्दों और स्वास्थ्य विभाग से संबंधित अन्य सभी मामलों की नियमित रूप से समीक्षा की जानी चाहिए।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) मुख्यालय में सोमवार को आयोजित एक सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम में बोलते हुए आयुक्त ने नागरिकों को उनके मुद्दे उठाने का आश्वासन भी दिया। जीएचएमसी आयुक्त ने कहा कि संबंधित अधिकारियों को लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष पहल करनी चाहिए। जीएचएमसी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रजावाणी का मुख्य उद्देश्य लोगों की मदद करना है। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि विभागाध्यक्षों को प्रजावाणी कार्यक्रम में अवश्य शामिल होना चाहिए। इसमें कहा गया है कि मीडिया में जनता द्वारा प्राप्त अधिकांश शिकायतें नगर नियोजन विभाग से संबंधित हैं, और आयुक्त ने कहा कि अवैध निर्माणों को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए उचित उपाय किए जाने चाहिए।

मुख्य नगर योजनाकार (सीसीपी) को अन्य मामलों की समीक्षा करने की सलाह दी गई और उन्हें रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी आदेश दिया गया। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से मीडिया में प्राप्त शिकायतों पर गौर करने और उन्हें जल्द से जल्द हल करने के लिए कदम उठाने को भी कहा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रजावाणी में प्राप्त सभी शिकायतें विभागवार कंप्यूटर में दर्ज की जाती हैं।

ताड़बन्द हनुमान मंदिर में अन्नकूट प्रसाद 4 को

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ताड़बन्द स्थित श्री हनुमान मंदिर मे दसवां अन्नकूट प्रसाद का आयोजन श्री बालाजी डेयरी प्रोडक्ट्स महाकाली मंदिर सिकंदराबाद बाकलियां, सेवड़ राजपुरोहित परिवार के तत्वावधान में सोमवार 4 नवंबर सायं 5.15 बजे से पूजा-अर्चनाकर, श्री खेतेश्वर महाराज की तस्वीर पर माल्यापर्ण व महाआरती के पश्चात् बालाजी महाराज को भोग लगाकर भक्तों के लिए अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया जाएगा। विज्ञप्ति में गजेन्द्र सिंह राजपुरोहित निम्बोल ने बताया कि हर वर्ष की भांति अन्नकूट महाप्रसादी का भक्तों के लिए भव्य आयोजन सोमवार 4 नवंबर सायं 5.15 बजे से किया जाएगा। जिसमे हजारों की संख्या में भक्तगण सपरिवार सम्मलित होकर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लेंगे। अन्नकूट प्रसाद के वितरण के लिए कार्यकर्ताओं की विशेष टीमों का गठन किया गया।

जो पधारे भक्तों की सेवार्थ उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के आयोजन में रामसिंह, गजेन्द्रसिंह, पारससिंह, विरेन्द्रसिंह, भगवानसिंह, नरेन्द्रसिंह,

हेमेन्द्रसिंह, जयपालसिंह, पियुषसिंह, हर्षसिंह एवं बहुत से कार्यकर्ता लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, सोहनसिंह, बीरबलसिंह, महावीरसिंह, संजयसिंह राजपुरोहित, नेमीचन्द लखारा, राधेश्याम माली, मेहन्द्र चौहान प्रमुख रूप से अपनी सेवाएं देंगे।

आयोजक गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित निम्बोल ने बताया कि दिवाली के बाद मनाये जाने वाले अन्नकूट प्रसाद उत्सव कार्यक्रम में अन्नकूट प्रसाद का सेवन करने से सभी पाप नष्ट हो जाते है एवं परिवार में सुख समृद्धि बनी रहती है, वैसे तो तेलंगाना में बहुत से स्थानों पर अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया जाता है लेकिन ताड़बन्द हनुमान मंदिर में अन्नकूट प्रसाद का अलग ही महत्व है। जिसमे हजारों की संख्या में भक्त सपरिवार पधारकर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लेते है।

ट्रेन संचालन में मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करें : अरुण जैन

सुरक्षा और माल लदान पर हुई समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कर्मचारियों और अधिकारियों को मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने और ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने की सलाह दी। सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में जोन की सुरक्षा और माल लदान पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि ट्रेन परिचालन में सख्त समन्वय बनाए रखा जाना चाहिए और ट्रेनों को चलाते समय सभी सुरक्षा सावधानियों का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों को निर्धारित नियमों के अनुसार सुरक्षा से संबंधित उचित रिकॉर्ड बनाए रखने की सलाह दी और अधिकारी को कर्मचारियों को मानक दिशा-निर्देशों को दोहराने का निर्देश दिया। उन्होंने अप्रिय छोटी घटनाओं और बदमाशों की गतिविधियों पर भी चर्चा की। उन्होंने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को उन गतिविधियों पर अधिक सतर्क रहने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को असुरक्षित घटनाओं से बचने के लिए किसी भी असामान्य स्थिति पर तत्काल कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को सड़क यात्रियों द्वारा अवैध ट्रैक क्रॉसिंग की समस्या पर काबू पाने के लिए तकनीकी प्रगति का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने भारी बारिश के कारण ट्रैक को हुए नुकसान पर भी चर्चा की और अधिकारियों को जोन में ट्रिपलिंग और क्वाड्रुपलिंग कार्यों के दौरान जलमार्गों पर उचित देखभाल करने का निर्देश दिया। उन्होंने जोन में माल ढुलाई गतिविधि की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कोयला, सीमेंट, खाद्यान्न, उर्वरक और लौह अयस्क आदि की लोडिंग पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने लोडिंग में सुधार के लिए रणनीतिक कार्य योजना बनाने की सलाह दी और लोडिंग लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए हितधारकों के साथ लगातार बैठकें करने का निर्देश दिया। बाद में अरुण कुमार जैन ने 'लुकर स्टूडियो' लॉन्च किया, जिसे आरपीएफ, एससीआर द्वारा विकसित किया गया है। यह हिंदी, अंग्रेजी और तेलुगु सहित कई भाषाओं में शैक्षिक और जागरूकता वीडियो की एक श्रृंखला है।

इन वीडियो को वॉयसओवर, बैकग्राउंड म्यूजिक, एनिमेशन, डायनेमिक ट्रांजिशन और इमेज जैसे विभिन्न मल्टीमीडिया तत्वों को शामिल करके उन्नत एआई टूल्स का उपयोग करके सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। ये संसाधन सुरक्षा और सुरक्षित यात्रा पर जनता और रेलवे कर्मियों के बीच जागरूकता और शिक्षा बढ़ाने में फायदेमंद होंगे।

2349 श्रमिक सामान्य कर्मचारी के रूप में पदोन्नत

सभी को नियमित करने का आदेश जारी

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) प्रबंधन ने सोमवार को कंपनी में कार्यरत 2349 स्थानांतरित श्रमिकों को सामान्य श्रमिक के रूप में नियमित करने के आदेश जारी किए। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक एन बलराम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी स्थानांतरित कर्मचारियों को नियमित करने के आदेश जारी करें। संगठन में शामिल होने के बाद से एक कैलेंडर वर्ष में भूमिगत खदानों में 190 दिन और सतही खदानों और विभागों में 240 दिन काम करने वालों को नियमित किया गया है। श्रीरामपुर कोयला खदानों में 662, रामागुंडम-1 क्षेत्र में 552 और भूपलपल्ली में 467 स्थानांतरित श्रमिकों को सामान्य श्रमिक के रूप में पदोन्नति मिली है। इसी तरह, मंदमर्री में 310, अद्रियाला लोंगवाल परियोजना क्षेत्र में 218, आरजी-3 क्षेत्र में 50, कॉर्पोरेट में 25, मनुगुरु में 19, आरजी-3 में 12, कोत्तागुडेम में 16, येलंडू और बेल्लमपल्ली में 9-9 लोगों को सामान्य श्रमिक के रूप में नियमित किया गया है।

सिंगरेनी में अनुकंपा और आश्रित नौकरी भर्ती प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, कंपनी उन लोगों को नियुक्त कर रही है जो कंपनी में पहले स्थानांतरित कर्मचारी के रूप में शामिल होते हैं। यदि वे एक वर्ष तक काम करने के बाद न्यूनतम योग्यता पूरी करते हैं, तो उन्हें सामान्य श्रमिकों के रूप में स्थायी कर्मचारी के रूप में मान्यता दी जाती है।

डिप्टी कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति ने जन सेवा संघ के साथ मिलकर हर साल कि तरह इस साल भी छठ पूजा कि आयोजन बतुकम्मा घाट आनंद बाग मलकाजगिरी में कर रही है। इस मौके पर अध्यक्ष विनय कुमार यादव उपाध्यक्ष बिवेश झा, सचिव सागर भगत, केन्द्रीय समिति के जैन्त यादव, हरिश यादव, सुरज यादव, दिनेश भगत ने मलकाजगिरी के डिप्टी कमिश्नर ई राजु से मिलकर एक ज्ञापन दिये और बतुकम्मा घाट सफाई, फ्रेश वाटर, स्टेज,लाइट, सिक्योरिटी, लेडिस चेंज रुम बनाने का इंतजाम करने का निवेदन किया।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की ट्रस्ट बोर्ड की बैठक

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की ट्रस्ट बोर्ड की बैठक अग्रसेन भवन सिकंदराबाद में आयोजित की गई। ट्रस्ट के मानद मंत्री एवं प्रचार प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि ट्रस्ट का इनकम टैक्स का वर्ष 2023-24 का रिटर्न सी.ए. ऋषभ अग्रवाल द्वारा दाखिल किया गया। अग्रसेन बैंक एवं द करूर वैश्य बैंक में एफ.डी. की जानकारी दी गई। भवन नवीनीकरण कमिटी के सदस्य सहमंत्री मनोज कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल एवं प्रवीण कुमार अग्रवाल ने बताया कि भवन की गेट वास्तु के अनुसार स्थान परिवर्तित कर दिया गया है। बैठक में अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल, सहमंत्री मनोज कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, ट्रस्टी गण कैलाश चरण अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, प्रवीण कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

गौतम जैन व्यापारी संघ के निर्विरोध अध्यक्ष

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दि सिकंदराबाद एवं बोइनपल्ली मार्केट यार्ड के व्यापारी संघ के चुनाव में गौतम जैन को 44वीं बार निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। व्यापारी संघ की वार्षिक साधारण सभा में ए. गौतम जैन को पुन: अध्यक्ष चुनने का प्रस्ताव रखा गया जिसे सर्वसम्मती से पारित कर दिया गया। महासचिव हरिकिशन बंग ने वार्षिक गतिविधियों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष मधुबाबू ने आय-व्यय का ब्योरा दिया। एम. नरसिंहा एवं पुरुषोत्तम दीवान ने चुनाव अधिकारी का दायित्व निभाया। उपाध्यक्ष हरिकिशन बंग संयुक्त सचिव आनंद बंग चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य रविचंद्र, महावीर गांधी, राजाराम चौधरी, रामप्रकाश इन्नाणी, प्रेमा राम चौधरी, राजकुमार अग्रवाल, एम राधाकृष्णन आदि बनाए गए।

विश्व मानक दिवस उत्सव को चिह्नित करने हेतु क्वालिटीवॉक का आयोजन

विजयवाड़ा, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व मानक दिवस को चिह्नित करने हेतु बीआईएस विजयवाड़ा शाखा कार्यालय ने क्वालिटीवॉक का आयोजन किया। जिसमें, वैज्ञानिक डी/संयुक्त निदेशक एम. रमाकांत सागर ने कहा कि, बीआईएस केयर ऐप द्वारा विभिन्न उत्पादों की प्रामाणिकता व गुणवत्ता की जांच करने की सुविधा है।

इस संदर्भ में, एपी ब्यूरो आफ स्टैन्डर्ड्स (बीआईएस) ने बताया कि, विश्व मानक दिवस को चिह्नित करने के लिए, बीआईएस विजयवाड़ा शाखा कार्यालय के तत्वावधान में निम्न विषय पर क्वालिटी वाक का आयोजन किया गया। जिसमें, उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे के लिए साझा दृष्टिकोण के प्रति बेहतर विश्व-सतत विकास लक्ष्य (अवर फील्ड विजन फार ए बेटर वर्ल्ड सस्टेनेबुल डेवलपमेंट गोल-9 परटेनिंग टू इंडस्ट्री, इन्नोवेशन एंड इनफ्रास्ट्रक्चर) विषय पर क्वालिटी वॉक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 400 लोगों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख विभिन्न शिक्षा संस्थाएं एवं उपभोक्ता संस्थाएं, सरकारी तथा पुलिस विभाग के अधिकारीगण शामिल हैं।

इस क्वालिटी वाक कार्यक्रम में वैज्ञानिक डी/संयुक्त निदेशक एम. रमाकांत सागर और वैज्ञानिक-सी/उप निदेशक, बीआईएस विजयवाड़ा डी. विवेक वर्धन रेड्डी ने हरेक मानव जीवन में मानकों के महत्व की महत्ता को समझाया।

इस कार्यक्रम में उपरोक्त प्रमुख अधिकारियों के अतिरिक्त जिन संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया उनमें, बीआईएस से अनुभाग अधिकारी एसवीएस भावनारायण और मानक संवर्धन अधिकारी डी कृष्ण वीर वर्मा और अन्य अधिकारीगण शामिल हैं।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को किया गया याद

जिला मुख्यालयों में स्मृति दिवस परेड का आयोजन

खम्मम, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस स्मृति दिवस पर सोमवार को पुलिस शहीदों को याद किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। पुलिस ने खम्मम और कोत्तागुडेम जिला मुख्यालयों में स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया। खम्मम में, शहर के सशस्त्र पुलिस परेड मैदान में परेड और गार्ड ऑफ ऑनर का आयोजन किया गया, जहां जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान, पुलिस आयुक्त सुनील दत्त, पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और शहीदों के परिवारों ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

गार्ड ऑफ ऑनर परेड का जिम्मा रिजर्व इंस्पेक्टर श्रीशैलम के हाथों में था। एडिशनल डीसीपी (एडमिन) नरेश कुमार ने देशभर में इस साल ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले 214 शहीदों के नाम पढ़े। कलेक्टर ने कहा कि समाज के लोगों की जिम्मेदारी है कि वे शहीद पुलिसकर्मियों को याद रखें और उनकी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाएं। युवा पुलिसकर्मियों को चाहिए कि वे शहीद पुलिसकर्मियों के जीवन को समाज सेवा के लिए एक उदाहरण के रूप में लें।

इस बीच, खम्मम दो-टाउन सीआई रमेश स्मृति परेड की व्यवस्था करते समय बेहोश हो गए और उन्हें तुरंत चिकित्सा देखभाल के लिए अस्पताल ले जाया गया। कोत्तागुडेम में, जिला कलेक्टर जितेश वी पाटिल और पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने अधिकारियों, कर्मचारियों और पुलिस शहीदों के परिवारों के साथ हेमचंद्रपुरम में जिला पुलिस मुख्यालय में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कलेक्टर ने कहा कि ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों से लड़ते हुए शहीद हुए पुलिस कर्मियों का बलिदान भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। किसी भी अप्रिय घटना का जवाब देने में पुलिस विभाग हमेशा सबसे आगे रहा है। एसपी रोहित राजू ने बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को सीआरपीएफ के बहादुर जवानों ने चीनी सेना के खिलाफ वीरतापूर्ण लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दी थी। तब से हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस शहीद दिवस मनाया जाता है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (संचालन) टी साई मनोहर ने इस वर्ष ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों के नाम पढ़े।

हिमांशु होंगे आईसीआरआईएसएटी के नए महानिदेशक

संगारेड्डी, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान के शासी बोर्ड ने औपचारिक रूप से डॉ. हिमांशु पाठक को विश्व स्तर पर प्रशंसित संस्थान के महानिदेशक के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। यह घोषणा 18 अक्टूबर को हैदराबाद में बोर्ड मुख्यालय में एक अखिल-कर्मचारी कार्यक्रम के दौरान शासी बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर प्रभु पिंगली द्वारा की गई।

डॉ. पाठक का वैश्विक कृषि अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाने में एक विशिष्ट कैरियर रहा है और वे आईसीआरआईएसएटी में अपने अनुभव का खजाना लेकर आएंगे। वे वर्तमान में कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (डीएआरई) के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक के रूप में कार्य करते हैं। प्रोफेसर पिंगली ने कहा कि डॉ. पाठक की रणनीतिक दृष्टि और सिद्ध नेतृत्व आईसीआरआईएसएटी के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि यह शुष्क भूमि के विस्तार की चुनौतियों का सामना करता है और एशिया, अफ्रीका और उससे आगे के सबसे कमजोर लोगों के लिए लचीली, टिकाऊ कृषि-खाद्य प्रणाली बनाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाता है। डॉ. पाठक अगले वर्ष आधिकारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण करेंगे।

खेतों में करेंट से 2 की मौत

मेदक, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। धान के खेतों में जंगली सूअरों के प्रवेश को रोकने के लिए लगाई गई बिजली की तार से वेल्दुरथी मंडल के यशवंतराव पेट गांव में एक और किसान की जान ले ली। पिछले तीन दिनों में गांव में दो किसानों की मौत हो गई, जब उन्होंने गलती से अपने खेतों में लगी बिजली की तार को छू लिया।

सोमवार को किसान रसपल्ली किशन (58) अपने धान के खेत में बिजली आपूर्ति बंद करने गए थे। जब वे घर नहीं लौटे, तो उनके बेटे ने उन्हें तलाश किया और अपने पिता को मृत पाया। पिछले शनिवार को एक और किसान गुंडेनी यादेय्या (45) की भी इसी तरह मौत हो गई। चूंकि यशवंतरावपेट गांव एक वन क्षेत्र के करीब स्थित है, इसलिए अधिकांश किसानों ने जंगली सूअरों के प्रवेश को रोकने के लिए अपने कृषि क्षेत्रों के चारों ओर बिजली की तार लगा दी है, जिनकी आबादी कई गुना बढ़ गई है। इन घटनाओं से किसानों में जंगली सूअरों के खतरे को रोकने के लिए असुरक्षित उपायों के इस्तेमाल पर चिंता पैदा हो गई है।

बंदरों के हमले से बचने के दौरान महिला की गिरकर मौत

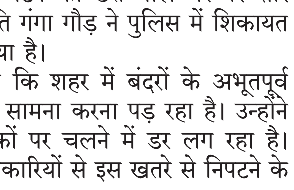

निर्मल, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खानपुर कस्बे के विद्यानगर में सोमवार को बंदरों के एक समूह के हमले से बचने के प्रयास में गिरकर 50 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई। खानपुर के सब-इंस्पेक्टर ए राहुल ने बताया कि बीड़ी बनाने वाली बोंगोनी लक्ष्मी के सिर में गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई। वह बंदरों के हमले से बचने की कोशिश कर रही थी। वह सो रही थी तभी बंदरों के झुंड ने उसके टिन की छत वाले घर पर शोर मचाना शुरू कर दिया। महिला के पति गंगा गौड़ ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

इस बीच, स्थानीय लोगों ने कहा कि शहर में बंदरों के अभूतपूर्व आतंक के कारण उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बंदरों के कारण उन्हें सड़कों पर चलने में डर लग रहा है। उन्होंने खानपुर नगर पालिका के अधिकारियों से इस खतरे से निपटने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया।

चेक डैम में मृत पाया गया आदिवासी

कोत्तागुडेम, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के जुलुरपद मंडल के राचाबंडला कोयागुडेम में एक आदिवासी व्यक्ति की उसके रिश्तेदारों ने कथित तौर पर काला जादू करने का आरोप लगाते हुए हत्या कर दी। मृतक कुंजा बिकशम (41) सोमवार को गांव के पास बने चेक डैम में मृत पाया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक का भतीजा कुंजा प्रवीण और उसका करीबी रिश्तेदार मलकम गंगैया है। रविवार रात को शराब पीने के बहाने उसे चेकडैम के पास एक इलाके में ले गया। संदेह है कि दोनों ने बिक्षम की हत्या पत्थर से सिर कुचलकर की और फिर शव को चेक डैम में फेंक दिया। स्थानीय लोगों ने चेक डैम में उसका शव देखा तो उन्होंने जुलुरपाड़ पुलिस को सूचना दी। सीआई इंद्रसेन रेड्डी और एसआई राणा प्रताप ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला। घटना के संबंध में जुलुरपड़ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है। बताया जा रहा है कि आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है।

जैनूर मंडल केंद्र में धारा 163 बीएनएसएस में छूट

आसिफाबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव आईपीएस ने एक बयान में बताया कि जैनूर मंडल केंद्र में धारा 144 सीआरपीसी/163 बीएनएसएस में ढील दी जा रही है। छात्रों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए जैनूर मंडल केंद्र में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक धारा 144 सीआरपीसी/163 बीएनएसएस में छूट दी गई है। बताया गया है कि अन्य समय में धारा 144 लागू रहेगी और जो भी व्यक्ति रैली और धरना प्रदर्शन करना चाहेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चेतेश्वर पुजारा ने तोड़ा ब्रायन लारा का रिकॉर्ड

ऐतिहासिक शतक बनाया

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। चेतेश्वर पुजारा ने रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड में सौराष्ट्र की ओर से खेलते हुए छत्तीसगढ़ के खिलाफ शतक लगाया. पुजारा ने इस शतक के लिए 197 गेंदों का सामना किया. छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहली पारी में 578 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया था. इसके जवाब में सौराष्ट्र की टीम ने 81 रन पर ही 2 विकेट गंवा दिए थे. फिर नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने आए पुजारा ने अपनी टीम के लिए अहम शतकीय पारी खेली. रणजी ट्रॉफी में ये उनका 25वां शतक है. वहीं उनके फर्स्ट क्लास करियर की 66वीं सेंचुरी है. इस शतक से पुजारा ने ब्रायन लारा को भी पीछे छोड़ते हुए इतिहास रच दिया है. लारा ने फर्स्ट क्लास में 65 शतक लगाए थे.

पूरे किए 21 हजार रन

छत्तीसगढ़ के खिलाफ शतक लगाने के साथ ही चेतेश्वर पुजारा ने फर्स्ट क्लास में 21 हजार रन भी पूरे किए. पुजारा अब फर्स्ट क्लास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-4 भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं. फर्स्ट क्लास में सबसे ज्यादा रन सुनील गावस्कर ने बनाए हैं. उनके नाम कुल 25834 रन है. वहीं सचिन तेंदुलकर 25396 रन के साथ दूसरे और 23784 रन के साथ राहुल द्रविड़ तीसरे नंबर पर हैं.

पुजारा इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं, जो 50 की औसत से 21 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं. इतना ही नहीं सबसे ज्यादा फर्स्ट क्लास सेंचुरी लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में भी पुजारा तीसरे नंबर पर आ गए हैं. इस लिस्ट में गावस्कर और सचिन 81-81 शतक के साथ संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हैं. वहीं 68 शतक लगाकर द्रविड़ दूसरे और 66 शतक के साथ पुजारा तीसरे नंबर पर हैं.

लगाया रनों का अंबार

चेतेश्वर पुजारा करीब 1.5 साल से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. उन्होंने भारतीय टीम के लिए पिछला मुकाबला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेला था. ओवल में हुए मुकाबले के बाद से उन्हें टीम में जगह नहीं मिली है. इसके बाद से उन्होंने फर्स्ट क्लास में रनों का अंबार लगा दिया है. इस साल उन्होंने 16 फर्स्ट क्लास मुकाबले खेले हैं, जिसमें 6 शतक लगा चुके हैं. रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन में भी पुजारा ने खूब रन बनाए थे. उन्होंने 8 मैच में 69 की औसत से 829 रन ठोक दिए थे.

अब्दुल समद ने 4 दिन में 2 शतक ठोक रचा इतिहास

काव्या मारन देंगी करोड़ों का तोहफा?

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर के बल्लेबाज अब्दुल समद ने कहर बरपा दिया. दाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने ओडिशा के खिलाफ 4 दिन में 2 शतक ठोक दिए हैं. इसके साथ ही उनके नाम एक खास रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है. अब्दुल समद जम्मू-कश्मीर के पहले खिलाड़ी हैं जिसने एक रणजी मुकाबले की दोनों पारियों में शतक ठोकने का कारनामा किया है. अब्दुल समद ने ओडिशा के खिलाफ पहली पारी में महज 117 गेंदों में 127 रन कूटे थे, जिसमें उनके बल्ले से 9 छक्के निकले. अब दूसरी पारी में भी अब्दुल समद ने शतक ठोका. खबर लिखे जाने तक वो 6 छक्कों के दम पर 108 रन बना चुके थे.

अब्दुल समद की पारी क्यों है खास

अब्दुल समद की पारी इसलिए खास है क्योंकि कटक की पिच बल्लेबाजी के मुफीद नहीं थी. जिस पिच पर जम्मू-कश्मीर का कोई बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं लगा सका वहां समद ने शतक ठोक दिया.पहली पारी में समद के शतक के दम पर जम्मू-कश्मीर 270 रनों तक पहुंचा और फिर दूसरी पारी में भी समद ने शतक लगाकर जम्मू के स्कोर को 270 तक पहुंचा दिया. 22 साल के अब्दुल समद ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 6 शतक लगा दिए हैं और बड़ी बात ये है कि उनका बैटिंग स्ट्राइक रेट लगभग 100 का है.

क्या काव्या मारन देंगी

करोड़ों का तोहफा?

अब्दुल समद की ये पारी आईपीएल 2025 की मेगा ऑक्शन से ठीक पहले आई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीएल ऑक्शन 24,25 नवंबर को रियाद में हो सकती है. सवाल ये है कि क्या सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अब्दुल समद को रिटेन करेगी. अब्दुल समद को अगर सनराइजर्स रिटेन करती है तो इस खिलाड़ी को 4 करोड़ रुपये तक मिल सकते हैं. वैसे अब्दुल समद का सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ज्यादा कुछ खास प्रदर्शन नहीं रहा है लेकिन एक बात तो साफ है कि उनके अंदर मैच को पलटने का पूरा दम है. अब देखना ये है कि काव्या मारन क्या फैसला लेती हैं.

समद ने बनाया एक और रिकॉर्ड

अब्दुल समद को सनराइजर्स हैदराबाद की टीम खरीदेगी या नहीं ये तो बाद की बात है लेकिन इस खिलाड़ी ने एक रणजी ट्रॉफी मैच में 15 छक्के जड़ बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है. वो जम्मू-कश्मीर के पहले बल्लेबाज हैं जिसने एक रणजी मैच में 15 छक्के लगाए हैं. वैसे एक रणजी मैच में सबसे ज्यादा 26 छक्के लगाने का रिकॉर्ड तनमय अग्रवाल के नाम है. ऋषभ पंत ने एक रणजी मैच में 21 छक्के लगाने का कारनामा किया था.

जर्मनी के खिलाफ वरुण कुमार की भारतीय टीम में वापसी

श्रीजेश के बिना उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जर्मनी के खिलाफ 23 और 24 अक्टूबर को यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर होने वाले दो टेस्ट मैचों के लिये डिफेंडर वरुण कुमार की भारतीय हॉकी टीम में वापसी हुई है। एक जूनियर वॉलीबॉल खिलाड़ी द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये जाने के कारण वरुण पेरिस ओलंपिक और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में जगह नहीं बना सके थे।

फरवरी में बेंगलूरू पुलिस ने वरुण पर पोक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत आरोप लगाये थे जब 22 वर्ष की एक महिला ने आरोप लगाया था कि पिछले पांच साल से वरुण ने कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया है और इसकी शुरूआत तब हुई जब वह नाबालिग थी। हॉकी इंडिया सूत्रों ने बताया कि सभी आरोपों से क्लीन चिट मिलने के बाद वरुण को टीम में शामिल किया गया है।

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम को मिडफील्डर हार्दिक सिंह की कमी खलेगी जो ओलंपिक में लगी चोट से उबर नहीं सके हैं। इस श्रृंखला के जरिये राजिंदर सिंह और आदित्य अर्जुन लालागे डेब्यू करेंगे।

मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, नीलाकांता शर्मा, शमशेर सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन और राजिंदर सिंह होंगे।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान ब्रेक के बाद मनदीप सिंह की फॉरवर्ड पंक्ति में वापसी हुई है। उनके साथ सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालागे, दिलप्रीत सिंह और शीलानंद लाकड़ा होंगे। टीम के बारे में कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, 'हम जर्मनी से खेलने को लेकर काफी उत्साहित हैं।

हमने अनुभवी टीम चुनी है और इसमें कई खिलाड़ी वहीं हैं जिन्होंने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। राजिंदर और आदित्य अंतरराष्ट्रीय हॉकी में डेब्यू करेंगे जिन्होंने शिविर में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।'

भारतीय टीम :

गोलकीपर : कृशन बहादुर पाठक और सूरज करकेरा

डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, वरुण कुमार, सुमित, नीलम संजीप सेस और संजय

मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, नीलाकांता शर्मा, शमशेर सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन और राजिंदर सिंह

फॉरवर्ड : मनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालागे, दिलप्रीत सिंह और शीलानंद लाकड़ा

कागिसो रबाडा ने ठोका सबसे तेज 'तिहरा शतक'

पहली बार किसी गेंदबाज ने किया ये कारनामा

खेल डेस्क, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कहते हैं रिकॉर्ड बनते ही टूटने के लिए हैं और इस कहावत को साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने सही साबित कर दिखाया है. कागिसो रबाडा ने बांग्लादेश के खिलाफ ढाका में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में जैसे ही दूसरा विकेट हासिल किया इसी के साथ उनके टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट पूरे हो गए. बड़ी बात ये है कि रबाडा ने इस विकेट के साथ ही वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ दिया. कागिसो रबाडा सबसे कम गेंदों में 300 विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज भी बन गए. रबाडा ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनुस का रिकॉर्ड तोड़ा. कागिसो रबाडा ने 11,817 गेंदों में 300 विकेट पूरे करने का कारनामा किया. इससे पहले ये रिकॉर्ड वकार के नाम था, जिन्होंने 300 टेस्ट विकेट पूरे करने के लिए 12,602 गेंदें फेंकी थी. वहीं साउथ अफ्रीका के डेल स्टेन ने 12,605 गेंदों में 300 टेस्ट विकेट पूरे किए थे. रबाडा सिर्फ 29 साल के हैं और इस खिलाड़ी ने महज 22.04 की बॉलिंग एवरेज और सिर्फ 39.39 की स्ट्राइक रेट से 300 विकेट झटकने का कारनामा किया है.

वैसे अगर टेस्ट मैचों के लिहाज से बात की जाए तो सबसे कम मुकाबलों में 300 टेस्ट विकेट हासिल करने का रिकॉर्ड आर अश्विन के नाम है. अश्विन ने महज 54 टेस्ट मैचों में विकेटों का तिहरा शतक लगाया था. डेनिस लिली ने 56 और मुथैया मुरलीधरन ने 58 मैचों में ये कारनामा किया था. साउथ अफ्रीका के लिए डेल स्टेन ने 61 टेस्ट में 300 टेस्ट विकेट झटकने का करिश्मा किया है. रबाडा ने 65वें टेस्ट मैच में ये काम किया है. कागिसो रबाडा के पास अब अपने देश के दो दिग्गज तेज गेंदबाजों को पछाड़ने का मौका है. मॉर्ने मॉर्कल के नाम 309 टेस्ट विकेट हैं, वहीं डॉनल्ड ने 330 टेस्ट विकेट हासिल किए हैं. अब रबाडा जल्द ही इन्हें पछाड़ सकते हैं. साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट डेल स्टेन ने लिए हैं. स्टेन के नाम 439 टेस्ट विकेट हैं.

पाक क्रिकेटर बासित अली ने छिड़का जख्मों पर नमक

जसप्रीत बुमराह को लेकर दे दिया बड़ा बयान

इस्लामाबाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। टॉम लैथम की अगुवाई वाली न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने बारिश से प्रभावित पहले टेस्ट में भारत को आठ विकेट से मात दी। कीवी टीम की यह जीत ऐतिहासिक है क्योंकि उसे भारत की जमीन पर 36 साल बाद टेस्ट में जीत हासिल हुई। भारत की हार पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने अपनी बात रखी। उन्होंने दूसरी पारी में भारत के जुझारूपन की जमकर तारीफ की, लेकिन टीम की एक टेंशन को भी उजागर किया है। उनके मुताबिक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को ऑस्ट्रेलिया में एक मजबूत जोड़ीदार की जरूरत होगी।

अप्रत्यक्ष रूप से बासित अली का यहां इशारा मोहम्मद सिराज की तरफ था, जो फिलहाल खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। बुमराह को लेकर पूर्व पाक क्रिकेटर बोले, 'बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरी पारी में जो आठ ओवर का स्पेल फेंका, उसने मुझे वसीम अकरम और वकार यूनिस की याद दिला दी। लेकिन भारत को ध्यान देना होगा कि ऑस्ट्रेलिया में बुमराह को अपने साथ दो तेज गेंदबाजों की जरूरत होगी। बुमराह के पास कोई अच्छा तेज गेंदबाजी जोड़ीदार नहीं है।'

शमी का फिट होना भारत के लिए अहम

उन्होंने आगे कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले मोहम्मद शमी का फिट होना भारत के लिए अहम होगा। टीम की बैटिंग ठीक लग रही है। रोहित शर्मा ने फिफ्टी जड़ी, जबकि विराट कोहली ने 70 रन बनाए। यह टीम के लिए अच्छा संकेत है। सरफराज खान ने 150 रन बनाए, और बेहतरीन प्रदर्शन किया। ऋषभ पंत पहले से ही टेस्ट के अच्छे खिलाड़ी हैं।'

22 नवंबर से शुरू होगी टेस्ट सीरीज

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत 22 नवंबर से पर्थ में पहले टेस्ट मैच के साथ होगी। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हीं की जमीन पर लगातार दो सीरीज जीत चुकी है और इस बार जीतकर हैट्रिक पूरी करना चाहेगी। दोनों टीमों के बीच इस बार पांच मैचों की सीरीज खेली जाएगी, जो पहले चार मैचों की होती थी।

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के ऊपर हिंसा के दौरान एक व्यक्ति की हत्या का आरोप

ढाका, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के दिग्गज क्रिकेटर शाकिब अल हसन अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। साउथ अफ्रीका के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज में शाकिब अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलेंगे। इसके बाद ये धाकड़ ऑलराउंडर इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह देगा। बांग्लादेश क्रिकेट से शाकिब ने अनुरोध किया था कि उनको अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलने के लिए टीम में शामिल किया जाए।

वहीं दूसरी तरफ बांग्लादेश सरकार ने उन्हें सुरक्षा कारणों से देश में प्रवेश न करने की सलाह दी। वहीं अब मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ढाका में कड़ी सुरक्षा के बीच विरोध प्रदर्शन के दौरान शाकिब अल हसन के प्रशंसकों पर लोगों के एक समूह ने हमला किया।

शाकिब पर बांग्लादेश में विदाई टेस्ट खेलने पर प्रतिबंध के विरोध में प्रशंसक कई दिनों से मीरपुर के क्रिकेट स्टेडियम के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। अचानक कुछ लोगों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। उस समय वहां मौजूद सेना ने स्थिति को काबू में किया। दरअसल बीते कुछ महीनों पहले बांग्लादेश में हिंसा देखने को मिली थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना देश छोड़कर भाग गई थी और बांग्लादेश में सेना का राज हो गया था।

दरअसल बांग्लादेश में हुई हिंसा में 600 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। इस हिंसा में एक व्यक्ति की हत्या का आरोप शाकिब अल हसन के ऊपर भी लग था। जिसको लेकर लोगों ने शाकिब को क्रिकेट टीम से बेदखल करने की मांग उठाई थी। बता दें, शाकिब शेख हसीना की पार्टी से सांसद भी थे।

शाकिब 2023 में आधिकारिक रूप से अवामी लीग पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने 2024 के बांग्लादेश आम चुनाव में भाग लेने के लिए अवामी लीग के उम्मीदवार के रूप में मगुरा-1 संसदीय सीट से नामांकन दाखिल किया, जिसमें उन्होंने जीत हासिल की थी।

'बजरंग और विनेश के ट्रायल्स से छूट लेने से प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई', साक्षी का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि पिछले साल विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट लेने के फैसले से बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई क्योंकि इससे यह अभियान स्वार्थी दिखने लगा। साक्षी इस विरोध प्रदर्शन के तीन मुख्य पहलवानों में से एक थीं, उन्होंने हाल में रिलीज हुई अपनी किताब 'विटनेस' में इसके अलावा अपने करियर के संघर्षों के बारे में भी लिखा है। उन्होंने लिखा कि जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी।

इन तीनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख शरण सिंह पर अपने कार्यकाल के दौरान महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगया था और मामला दिल्ली की अदालत में चल रहा है। डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद तदर्थ समिति ने कुश्ती का कामकाज देखना शुरू किया जिसने बजरंग और विनेश को 2023 एशियाई खेलों के ट्रायल्स में छूट दी लेकिन साक्षी ने अपने साथियों के सुझाव के बावजूद ऐसा नहीं करने का फैसला किया।

अंत में साक्षी हिस्सा नहीं ले सकीं लेकिन विनेश खेलों से पहले चोटिल हो गईं और बजरंग पदक जीतने में असफल रहे। साक्षी की आत्मकथा के जोनाथन सेल्वाराज सह लेखक हैं। इसमें साक्षी ने हालांकि उन लोगों के नाम का खुलासा नहीं किया जिन्होंने बजरंग और विनेश को प्रभावित किया। साक्षी ने लिखा, 'पहले की तरह स्वार्थी सोच फिर से हावी होने लगी। बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू कर दिया। वे खेलों के लिए ट्रायल्स से छूट लेने की बात करने लगे।'

उन्होंने लिखा, 'बजरंग और विनेश के ट्रायल्स से छूट लेने का अच्छा असर नहीं पड़ा। इससे हमारे विरोध प्रदर्शन की छवि बुरी तरह प्रभावित हुई। इससे हम ऐसी स्थिति में पहुंच गये जिसमें कई समर्थकों ने यह सोचना शुरू कर दिया कि हम अपने स्वार्थ के लिए यह विरोध कर रहे हैं।' विनेश और बजरंग दोनों इस महीने के शुरू में हरियाणा विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी से जुड़ गये। विनेश जुलाना विधानसभा से जीत गईं जबकि बजरंग पार्टी की राष्ट्रीय किसान इकाई के प्रमुख बने।

साक्षी ने किताब में बताया कि बचपन में ट्यूशन देने वाले शिक्षक से छेड़छाड़ के बारे में वह अपने परिवार को नहीं बता सकीं थीं क्योंकि उन्हें लगता था कि यह उनकी गलती थी। उन्होंने लिखा, 'मैं इसके बारे में अपने परिवार को नहीं बता सकी क्योंकि मुझे लगा कि यह मेरी गलती थी। मेरे स्कूल के दिनों में ट्यूशन देने वाला शिक्षक मुझे प्रताड़ित करता। वह मुझे क्लास लेने के लिए बेवक्त अपने घर बुलाता और कभी कभार मुझे छूने की कोशिश करता। मैं ट्यूशन क्लास के लिए जाने के लिए डरी रहती लेकिन मैं अपनी मां को नहीं बता सकी।' किताब में साक्षी ने अपने करियर के शुरुआती संघर्षों के अलावा पूर्व पहलवान बबीता फोगाट पर अपने स्वार्थ के लिए विरोध प्रदर्शन का फायदा उठाने का आरोप भी लगाया।

लंबे इंतजार के बाद मैदान में वापसी को तैयार नेमार

अगले सप्ताह अल-हिलाल के लिए खेलते हुए आएंगे नजर

खेल डेस्क, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्राजील के पेशेवर फुटबॉलर नेमार जूनियर चोट के कारण एक साल तक मैदान से बाहर रहने के बाद अगले सप्ताह एएफसी चैंपियंस लीग के एलीट मैच में सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल के लिए खेलने उतरेंगे। नेमार की मार्केटिंग कंपनी एनआर स्पोर्ट्स ने शनिवार को एक बयान में कहा कि ब्राजीलियाई खिलाड़ी का फुटबॉल के प्रति प्रेम और अगले विश्व कप में खेलने की उम्मीद उन्हें फिर से मैदान पर ला रही है। बता दें, नेमार अगस्त 2023 में अल-हिलाल टीम से जुड़े थे। लेकिन अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप के मुकाबले में वह चोटिल हो गए थे और उनके बाएं घुटने की मेनिस्कस और एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फट गई थी। जिसकी वजह से उन्हें सर्जरी भी करवानी पड़ी थी।

नेमार की मार्केटिंग कंपनी ने उनके मैदान में वापस लौटने की खबर देते हुए एक बयान जारी किया। इस बयान में उन्होंने कहा, हालांकि उनकी वापसी के बारे में कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन नंबर 10 का खिलाड़ी सोमवार को खेल सकेगा और अपनी शानदार फॉर्म जारी रख सकेगा। बता दें, यह बयान एएफसी चैंपियंस लीग में आगामी अल-ऐन और अल-हिलाल के बीच होने वाले मैच को लेकर दिया गया है। बयान में आगे कहा गया, ये दर्द, पीड़ा और फुटबॉल के लिए बहुत सारी लालसा के दिन थे, जिन्हें परिवार और दोस्तों की मदद से दूर किया गया, जो हमेशा हमारे नंबर 10 के लिए मौजूद थे। साथ ही दुनिया भर के सभी प्रशंसकों ने उन्हें सोशल मीडिया नेटवर्क पर समर्थन दिया। लेकिन अब इंतजार खत्म हुआ। इसी के साथ दिग्गज फुटबॉलर नेमार ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर लोगों को बताया था कि वह अब ठीक हैं। उन्होंने ने एक वीडियो में रोते हुए कहा, हर बार जब मैं चोटिल होता हूं, तो वापस आता हूं। लेकिन मैं बीच रास्ते से वापस नहीं आता।

इसी बीच ऐसा भी माना जा रहा है कि अगर नेमार फिट रहे तो वे नवम्बर में होने वाले दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफाइंग के दो राउंड में ब्राजील की राष्ट्रीय टीम में वापसी कर सकते हैं।

भाजपा ने की मुत्यालम्मा मंदिर मामले में एनआईए जांच की मांग

सीएम रेड्डी बोले-पुलिस कर रही कार्रवाई

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में मुत्यालम्मा मंदिर की मूर्ति खंडित किए जाने के मामले की जांच एनआईए से कराने की भाजपा ने मांग की है। वहीं भाजपा की इस मांग पर सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि पुलिस कार्रवाई कर रही है।

तेलंगाना के भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र ने कहा कि राज्य में छह से सात मंदिरों पर हमला हुआ है। हमने इसे लेकर राज्यपाल से मुलाकात की है और उनको इस बारे में जानकारी दी है। हमें सरकार की ओर से मामले में अब तक की गई कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हमने राज्यपाल से मामले की जांच कराने की मांग की है। राज्य सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर पा रही है। इसलिए हमने राज्यपाल से अपील की है कि वह मामले की जांच एनआईए को सौंपने का आदेश दें। इसे लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि कुछ ताकतें भावना और उन्माद के चलते मंदिर पर हमला करके अशांति फैला रहीं हैं। तेलंगाना के लोग चतुर हैं और उन्हें ऐसी घटनाओं को लेकर सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुत्यालम्मा मंदिर की घटना चिंताजनक है। पुलिस ने मंदिर पर हमला करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करके कड़ा संदेश दिया है कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। कुछ ताकतें अपराध करने वालों को सजा देने की कोशिश कर रही हैं। वहीं पुलिस भी मामले के दोषियों को सजा दिलाने के लिए तैयार है। 14 अक्टूबर को हैदराबाद में पासपोर्ट ऑफिस के पास कुर्मागुडा में मुत्यालम्मा मंदिर की मूर्ति को कथित तौर पर खंडित किया गया था। मामले में एक युवक को लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा था।

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर प्रदर्शन

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के रीन बाज़ार क्षेत्र में एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर रविवार की देर रात हंगामा हो गया। सांप्रदायिक सामग्री के खिलाफ बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ विरोध करने के लिए एकत्र हो गई थी। कुछ लोगों ने ठाकुर नामक व्यक्ति के अकाउंट पर पोस्ट देखी और उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस से संपर्क किया। खबर फैलते ही लोगों की संख्या बढ़ती गई, जिससे कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका बढ़ गई। टास्क फोर्स टीम सहित अतिरिक्त बल को घटनास्थल पर भेजा गया। साउथ जोन की डीसीपी स्नेहा मेहरा ने बताया कि शिकायत दर्ज कर ली गई है और व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। अधिकारी ने कहा कि हम उसकी तलाश कर रहे हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लेंगे। लोगों को अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। यह मामला रात करीब 11 बजे शुरू हुआ और सुबह 3 बजे तक जारी रहा, जब तक कि पुलिस गश्ती दल ने सड़क पर खड़े प्रदर्शनकारी युवाओं को तितर-बितर नहीं कर दिया, जो उस व्यक्ति की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

ग्रुप-I मुख्य परीक्षा स्थगित करने से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार दोपहर दो बजे से शुरू होने वाली ग्रुप-I मुख्य परीक्षा स्थगित करने की मांग वाली विशेष अनुमति याचिका में हस्तक्षेप करने से सोमवार को इनकार कर दिया। यह देखते हुए कि छात्र पहले ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंच चुके थे। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ का विचार था कि अब कोई भी अंतरिम आदेश परीक्षा के संचालन में काफी अव्यवस्था पैदा करेगा, जिसे करने के लिए पीठ अनिच्छुक थी।

पोगुला रामबाबू द्वारा दायर याचिका में जीओ 29 का हवाला देते हुए ग्रुप-I मुख्य परीक्षा को स्थगित करने की मांग की गई थी, जो संविधान का उल्लंघन कर रहा था।

रामबाबू का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल एडवोकेट ने तर्क दिया कि यह परीक्षा, जो 14 वर्षों से आयोजित नहीं हुई थी, अभ्यर्थियों के साथ अनुचित व्यवहार की चिंताओं के कारण स्थगित कर दी जानी चाहिए। सिब्बल ने उम्मीदवारों के लिए इसमें शामिल दांवों पर जोर देते हुए कहा कि यह ग्रुप-1 का पद है। यह शायद कभी भी भरा न जा सके। हालाँकि, सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने चिंताओं को स्वीकार करते हुए कहा कि इतने कम समय में लोक सेवा परीक्षा स्थगित करने से महत्वपूर्ण व्यवधान उत्पन्न होगा।

पीठ ने कहा कि विशेष अनुमति याचिका तेलंगाना राज्य के लिए उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 16 अक्टूबर 2024 के मध्यस्थ आदेश से उत्पन्न हुई है। उच्च न्यायालय ने शांतिपूर्वक स्पष्ट किया है कि समूह-1 सेवाओं के लिए तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा के लिए व्यक्तियों में किया जाने वाला कोई भी चयन कार्यवाही के अंतिम परिणाम का पालन करेगा।

सीजेआई ने तेलंगाना उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि वह परीक्षा परिणाम घोषित होने से पहले मामले की सुनवाई तेजी से करे, अधिमानतः 20 नवंबर, 2024 तक, जब मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। टीजीपीएससी ने कुल 563 पदों के लिए ग्रुप-I अधिसूचना जारी की, जिसके लिए भर्ती मुख्य परीक्षा सामान्य अंग्रेजी, एक योग्यता परीक्षा के साथ शुरू हो रही है। बीआरएस और भाजपा द्वारा समर्थित ग्रुप-I उम्मीदवारों ने कई कारणों का हवाला देते हुए परीक्षा का कड़ा विरोध किया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की सराहना

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ ने सोमवार को टीजीपीएससी ग्रुप-I मुख्य परीक्षा के आयोजन के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश की सराहना की। शीर्ष अदालत द्वारा यह कहे जाने के बाद कि वह टीजीपीएससी को परीक्षा आयोजित करने से नहीं रोक सकती, मीडिया को दिए गए एक बयान में उन्होंने भाजपा और बीआरएस पर ग्रुप-I मुख्य परीक्षा के उम्मीदवारों को अपने राजनीतिक खेल में मोहरे के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

उन्होंने नौकरी के इच्छुक लोगों से आग्रह किया कि वे 13 वर्षों के बाद आए इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने करियर में नई ऊंचाइयों को छुएं। इस बात पर जोर देते हुए कि जीओ 29 से ग्रुप-I मुख्य परीक्षा के उम्मीदवारों को कोई नुकसान नहीं होगा, जिसके खिलाफ कुछ उम्मीदवारों ने अदालतों का दरवाजा खटखटाया था, आदेश को रद्द करने और जीओ 55 को बहाल करने की मांग की थी, जिसे 2022 में जारी किया गया था।

प्रजावाणी आवेदनों को लंबित नहीं रखा जाना चाहिए : प्रतिमा सिंह

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले की जिला अपर समाहर्ता प्रतिमा सिंह ने कहा कि प्रजावाणी आवेदनों को लंबित नहीं रखा जाना चाहिए। जिला कार्यालय में आयोजित सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम में जिले के विभिन्न लोगों ने भाग लिया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए शिकायतकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत आवेदनों की सुनवाई अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने की। प्रजावाणी में जिला ग्रामीण विकास विभाग से 17, जिला शिक्षा विभाग- 06, राजस्व विभाग - 52, पंचायत विभाग - 04, नगरपालिका विभाग - 04, जीएचएमसी से जुड़ा एक मामला आया था। कुल 84 आवेदन प्राप्त हुए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला पदाधिकारी,नगरपालिका अधिकारी, मंडल तहसीलदार, कलेक्टर अधीक्षक, संबंधित अधिकारियों एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

हैदराबाद में 'इलेक्ट्रिक एम्बुलेंस' लांच

बिजली की त्वरित बहाली में देंगे सेवाएं
डिप्टी सीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को ग्रेटर हैदराबाद की सीमा में बिजली की त्वरित बहाली के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए वाहनों को लॉन्च किया। ग्रेटर हैदराबाद की सीमा में सभी 57 डिवीजनों में आपातकालीन सेवाओं को पूरा करने के लिए एक ऐसा वाहन होगा। प्रत्येक वाहन में एक सहायक अभियंता और तीन लाइन कर्मचारी तैनात किए जाएंगे और वे चौबीसों घंटे आपातकालीन बिजली कटौती की समस्या का समाधान करेंगे। प्रत्येक वाहन में सीढ़ी, इंसुलेटर, कंडक्टर और केबल, अर्थ रॉड और हेलमेट जैसे सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरण मौजूद होंगे। ये वाहन ट्रांसफार्मर को खींचने और उन्हें कम समय में बदलने में सक्षम हैं।

वाहनों में टीजीएआईएमएस मोबाइल एप्लीकेशन (ऐप) भी होगा, जिससे उनके (33 केवी, 11 केवी और एलटी) नेटवर्क में व्यवस्थित रूप से दोषों की पहचान की जा सकेगी। भट्टी ने कहा कि इन वाहनों को इलेक्ट्रिक एम्बुलेंस कहा जा सकता है। ये बिजली संबंधी आपात स्थितियों को तत्काल ठीक करने में मदद करेंगे। इस प्रकार, उपयोगकर्ताओं को तेज़ और बेहतर सेवाएं उपलब्ध होंगी। मुझे उम्मीद है कि ये वाहन शहर के लोगों को बेहतरीन सेवा प्रदान करेंगे।

आर्थिक गिरावट के लिए 'बुलडोजर राज' जिम्मेदार

केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर कसा तंज

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना की तीव्र आर्थिक मंदी के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि यह गिरावट उसकी 'बुलडोजर राज' नीतियों के कारण है। उन्होंने कहा कि राज्य का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह, जो बीआरएस व्यवस्था के तहत लगातार साल-दर-साल कम से कम 15 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा था, इस वर्ष सितम्बर में पहली बार घटकर एक प्रतिशत से भी कम रह गया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना एक समृद्ध राज्य से अब उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

उन्होंने कांग्रेस नीत सरकार की विनाशकारी नीतियों के माध्यम से जीएसटी संग्रह में तेलंगाना को अंतिम स्थान पर लाने की निंदा की। रामा राव ने कहा कि राज्य में वृद्धि दिखाने वाला एकमात्र क्षेत्र शराब की बिक्री है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि सरकार की प्राथमिकताएं क्या हैं? उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के पास एक मजबूत और समृद्ध अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने की विशेष प्रतिभा है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मुख्यमंत्री के पास इस अभूतपूर्व आर्थिक पतन के लिए जवाब होगा। उन्होंने स्थिति को सुधारने और तेलंगाना की आर्थिक विकास दर को बहाल करने के लिए तत्काल कार्रवाई का आग्रह किया।

मुनव्वर ज़मा मामले को एनआईए को सौंपा जाए

भाजपा ने की राज्यपाल से मांग

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की राज्य इकाई ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से आग्रह किया है कि वह राज्य सरकार को निर्देश दें कि वह मुंबई स्थित वक्ता मुनव्वर ज़मा द्वारा व्यक्तित्व विकास सत्र के बहाने युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के लिए एक महीने का सत्र आयोजित करने के मामले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दे।

भाजपा सांसदों एम रघुनंदन राव, एटाला राजेंद्र और कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को राजभवन में राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा और उनसे अनुरोध किया कि वे सरकार को यह मामला एनआईए को सौंपने का निर्देश दें। उन्होंने कहा कि मौजूदा मामले के अंतरराज्यीय निहितार्थों को देखते हुए डीजीपी को यह निर्देश देना उचित था कि वे इस मामले को एनआईए को सौंप दें, जिसका काम राष्ट्र विरोधी और धार्मिक आतंकवाद के मुद्दों की जांच करना है।

भाजपा नेताओं ने राज्यपाल से अपील की कि वे होटल में महीनों से चल रही अवैध गतिविधियों की रिपोर्ट मांगें, जिसमें राष्ट्रविरोधी और उपद्रवी तत्व मौजूद थे। उन्होंने राज्यपाल से पुलिस को प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने वाले सभी लोगों का पता लगाने का निर्देश देने का भी आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुथ्यालम्मा मंदिर में हुई तोड़फोड़ की विस्तृत रिपोर्ट मांगने और लाठीचार्ज का आदेश देने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने का भी आग्रह किया। भाजपा नेताओं ने राज्यपाल से अनुरोध किया कि वे पुलिस को मुथ्यालम्मा मंदिर में तोड़फोड़ के विरोध में गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को रिहा करने और उनके खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने का निर्देश दें।

उस्मानसागर से भारतीय रॉक पाइथन को बचाया गया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के उस्मानसागर जलाशय के क्रस्ट गेट से आठ फुट लंबे भारतीय रॉक अजगर को सुरक्षित रूप से बरामद कर लिया गया। 20 किलोग्राम वजनी इस अजगर को हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड के कर्मचारियों ने खोजा, जिन्होंने स्थानीय सर्प बचाव संगठन, फ्रेंड्स ऑफ स्नेक्स सोसाइटी (एफओएस) को तुरंत सूचित किया। इस तरह की घटनाओं से निपटने में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाने जाने वाले फ्रेंड्स ऑफ स्नेक्स सोसाइटी ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और हैदराबाद के उस्मानसागर के गेट से इस विशालकाय सरीसृप को सफलतापूर्वक बचाया। अजगर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद उसे उपचार के लिए नेहरू प्राणी उद्यान को सौंप दिया गया। उम्मीद है कि चिड़ियाघर प्रबंधन द्वारा सांप को स्वस्थ घोषित किए जाने के बाद उसे वापस जंगल में छोड़ दिया जाएगा। हैदराबाद की बचाव टीमों की त्वरित प्रतिक्रिया से अजगर जल्द ही अपने प्राकृतिक आवास में वापस लौट जाएगा।

पुलिस शहीदों का बलिदान अविस्मरणीय : सुधीर बाबू

सीएआर मुख्यालय, अंबरपेट में पुलिस शहीद स्मृति दिवस पर रक्तदान शिविर

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर, राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने 21 अक्टूबर को सीएआर मुख्यालय, अंबरपेट में पुलिस शहीद स्मारक स्तूप और पुलिस शहीदों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने याद दिलाया कि देश भर में हजारों पुलिसकर्मियों ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाई और उन दस सीआरपीएफ जवानों की याद में देश भर में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जा रहा है, जिन्होंने चीन के अचानक हमले में 21 अक्टूबर, 1959 को लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स पर अपनी जान दे दी। सीपी ने याद दिलाया कि हर साल स्मृति दिवस को पुलिस झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने याद दिलाया कि देश को शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए हजारों पुलिसकर्मियों ने अपना जीवन समर्पित किया है। उन्होंने याद दिलाया कि राचकोंडा पुलिस के कल्याण के लिए, विशेष चिकित्सा शिविर, पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आदि का आयोजन करती रहती है।

पुलिस का मनोबल गिराने वाली कहानियों पर विश्वास न करें

पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने की अपील

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुथ्यलम्मा मंदिर में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस लाठीचार्ज के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर कुछ समूहों द्वारा बनाई गई कहानियों पर विश्वास न करने का आग्रह करते हुए पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने पुलिस को बल प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने वाले कारणों पर नई रोशनी डालने के प्रयास में वीडियो की एक श्रृंखला साझा की जबकि आम धारणा यह थी कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर अनावश्यक रूप से कार्रवाई की थी, जिससे कई लोग घायल हो गए, आयुक्त ने तीन वीडियो जारी किए, जो कहानी का दूसरा पहलू दिखाते हैं, जिसमें प्रदर्शनकारी आक्रामक मुद्रा में थे, जूते फेंक रहे थे और पुलिस कर्मियों पर हमला कर रहे थे।

उन्होंने अपील की कि पुलिस बल का मनोबल गिराने के लिए गढ़े जा रहे कथानकों पर ध्यान न दें तथा पुलिस कार्रवाई को अनुचित न बताएं।

एक वीडियो में, प्रदर्शनकारियों का एक समूह, जिसमें कुछ लोग लाठी-डंडों से लैस हैं, पुलिस की ओर तेजी से दौड़ते हुए और महिला कांस्टेबलों सहित पुलिस कर्मियों पर जूते और फर्नीचर फेंकते हुए दिखाई दे रहे हैं। जूते एक आईजी रैंक के अधिकारी और कई पुलिस कर्मियों के सिर और चेहरे पर लगीं।

जब आक्रामक भीड़ ने पुलिस पर हमला करके आगे बढ़ने की कोशिश की और प्रार्थना स्थल की ओर बढ़ने लगी, तो कोई विकल्प न होने पर पुलिस अधिकारियों ने लाठीचार्ज का आदेश दिया। पुलिस ने बताया कि बल प्रयोग का उद्देश्य अनियंत्रित भीड़ को तितर-बितर करना था, जो चेतावनी के बावजूद पुलिस अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने में विफल रही थी। मुथ्यालम्मा मंदिर पर हुए हमले में 15 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

10 रुपये के सिक्के स्वीकार करने चलेगा जागरूकता अभियान

480 शाखाओं में दो दिवसीय जन जागरूकता अभियान

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। करेंसी नोटों के स्थान पर 10 रुपये के सिक्कों के उपयोग के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए इंडियन बैंक ने 21 से 22 अक्टूबर के बीच तेलंगाना राज्य और आंध्र प्रदेश में अपनी 480 शाखाओं में दो दिवसीय जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इन प्रयासों के एक भाग के रूप में, इंडियन बैंक ने अपनी हिमायतनगर शाखा में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें बैंक ग्राहकों, आम जनता, व्यापारियों आदि ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करने वाले इंडियन बैंक, हैदराबाद के एफजीएम जी. राजेश्वर रेड्डी ने अपने ग्राहकों और आम जनता से 10 रुपये के सिक्कों को वैध मुद्रा के रूप में स्वीकार करने और पूरे राज्य में इस संदेश को फैलाने में मदद करने का आग्रह किया। वरिष्ठ बैंक अधिकारी ने कहा कि दोनों तेलुगु राज्य 10 रुपये के सिक्कों के प्रचलन में बहुत पीछे हैं, जिसके लिए जागरूकता और स्वीकृति के माध्यम से जनता की धारणा में तत्काल बदलाव की आवश्यकता है।

अभियान अवधि के दौरान तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में इंडियन बैंक की शाखाओं के माध्यम से 10 रुपये के लगभग 20 लाख सिक्के (2 करोड़ रुपये मूल्य के) प्रचलन में आने की उम्मीद है। हिमायतनगर शाखा के आंचलिक प्रबंधक एस. श्रीनिवास राव और सहायक महाप्रबंधक स्वर्ण प्रवाह सुंदरराय के साथ-साथ अन्य अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.